

# रुहानी इलाज

स्वाजिमसुददीन अज़ीमी

issuu.com/haqir231na1/odisha



वा	रहीनु	वा	अलाहु	वा	पुरीनु
वा	रहीनु	वा	अलाहु	वा	पुरीनु
वा	रहीनु	वा	अलाहु	वा	पुरीनु

issuu.com/हिन्दुस्तानी/बुक/हिण्डोने मान्य

अपने विषय पर एक मात्र

किताब

हर प्रकार की मानसिक मनोवैज्ञानिक और  
शासिरिक रोगों का

रूहानीइलाज

लेखक :-

रंजना शमसुद्दीन अजीमी

अनुवाद :-

सालिक धामपुरी

प्रकाशक :-

नसीम बुक डिपो

C/85, नानापुरी दिल्ली

पहली बार

संकलन

मूल्य: 130 P 00

अनुवाद-

अक्षर मुद्रक-

1994

तनवीरफालकी

प्रकाशक

साहित्य धामपुरी

issuu.com/abctul123/mail/cdisha

3

## विषय सूची

पृथिवीका	८	उपरो	२७
अपल और अपिल	१२	आम मुकाम	२८
एलाउन और लाइन की	१४	बाटी का मुकाम	२८
नक़ल		दरदरदई मोतीबाग	२८
अक्षर का दान	१५	सीमाही मुकाम बल्ला	२८
अलापनी व नुमीनी मुकामही भू		एला	
मोतिया और पड़कल	१७	एलाही बल्ला और नानूदिया	३०
मिगाळ की कनजीती	१८	कान का दर्द	३१
अल्लू का नापू	१८	काली बाली	३१
मेगापन	१८	विक्टर से पैलाब बल्ला,	३२
अलाही के लानने पद	२०	मिडिबाना	
तेला हुआ नजर आना		निर बल्ला	३२
इतिहास में कामगारी	२१	पेट में कोड़े	३२
के लिए	२१	यात निकलना	३२
एलनी		एलने से बल्ला	३३
बल्ला का दान	२२	बल्ला का गुम हो जाना	३३
एलापन	२२	पुल्ल व लपला, लपिना	
अलाती में पल	२३	कनजीर होना, पड़ने में दिन	
अलाती की दी० की०	२४	न लगाना, बल्ला वर बाले पल्ले	
अलाती में चुनकी	२४	बुटी आलन से मुडन के लिए	३४
अला उलतना	२४	कल्लेस, नली बेल शरण	३४
एलाही की कनजीती		मानिलक योग	
अलाह का नाकरमान होना	२४	एललाप से बुद्धकरी के लिए	३४

विष्णु सारा का कहना	३७	बस में करना, पानी की	४८
सर के बाल लम्बे	३८	जोश करना हिली कर इतना	४९
करने के लिए	३८	जबारी में बचपन की शकल	५१
गुदरी में कम गुनना	३८	जिवातन	५१
बुराई में कर करने के लिए	३८	जिती कलिया पैना करना	५२
बाल में पिनाहिया	३८	जिती रक्वापिर बंद, औना	५२
बेहोशी में होना में जाना	३८	जगू का लोड़	५३

बहन भाइयों का आगत	३८	जिनकी के लिए छलितल	५३
में भागड़ना	४०	जिवातनी में छकती बापवाओ	५४
बकरल के लिए	४०	की जगदीर	५४
बदकली के कारण पोरानी	४०	पोरी की आना कुडाना	५४
बवालीर, बारी बवालीर,	४१	चलने फिरने की मजदूरी	५५
पूरी बवालीर के लिए	४२	बेहता गुदर में आकर्षक	५६
सोकर बाग	४२	मिया	५६
बोपारी लम्ब न आना	४२	बनबागी गारी के लिए	५७
मिती का तेग	४३	सफर में हिवातन के लिए	५८
देखिया	४३	दिवाग की रा फटना	६८

पानापीर में दई	४३	दिवागी कमजोरी	६१
पानापीर	४३	बाग पम्बे और पार	६१
पुली (पुनना)	४५	के विनाग	६२
पुली (को), गुनकी	४५	दल पीलने की आगत	६२
पुनना में पुन जात	४५	रमा	६२

विष्णु सारा का कहना	३७	बस में करना, पानी की	४८
सर के बाल लम्बे	३८	जोश करना हिली कर इतना	४९
करने के लिए	३८	जबारी में बचपन की शकल	५१
गुदरी में कम गुनना	३८	जिवातन	५१
बुराई में कर करने के लिए	३८	जिती कलिया पैना करना	५२
बाल में पिनाहिया	३८	जिती रक्वापिर बंद, औना	५२
बेहोशी में होना में जाना	३८	जगू का लोड़	५३

गुदरी और कर में दई	६६	दुख की कमी, धनेता	८२
लगाड़ी का दई	६८	पीने का साद होना	८३
आया सीली का दई	६८	बोरी और जिस रा	८३
पिन्धीरिया, जिवातनी	६८	जो ओड़ बाग	८३
जेन का आग होना	६८	होस्टीरिया	८३
रा फटने से धूर आना	६८	गुले की ज्यादा	८४
रसीली	७०	पलित व लकना	८५
सैयदाना गुदर सल्लो की	७१	कज की लहरी के लिए	८६
जिवातन व कदम बोली	७१	बेहो की पिराई के लिए	८७
शारी के लिए	७१	बल में बारीरती	८८
गोहर का गुस्ता कम करना	७२	गुआ कुकल फाटने के लिए	८८
गोहर से बारी की ज्यादा	७२	कैना	८८
गोहर और बीली का लहना	७३	गुन या लुह	८९
शकली कमजोरी छल होना	७४	बेहो बागी में बकरल	८९
लान	७४	कम में दिन न लगना	८९
हमल पिर जाना और बकली	७४	कुले का काटना	८९
का पैना होने ही पर जाना	७४	कूद पाने और केवरे	८९
ओलान न होना (बोपान)	७८	गुदरी की बोपानिया	८९
बाकली का बिगाड़	७८	गन, गोलिया और गुदरी	८९



## भूमिका

तक और वे मकानों के मरुस्थल से पैदा होने वाली लतामंग दो सी शीर्षावितो और मसलों को जना करके इस किताब में उनका हल दिया जा रहा है किताब "बकरी इलाज" में विनोदी भी रोगों का इलाज और मसलों का हल पैदा किया गया है वे सब पूछें अवसिषाद, बनन्तीया और अग्रिमिया के सिस्सिने से मिले हैं और इस किताब में इन सब उनमें की उकता अता की है में अल्लाह के बन्दी की सेवा के लिए इस बकरी इलाज को आम करता है और सय्यदा इतर सालां के बसीने से दुआ करता है कि अल्लाह पेरी इस कोमिला को चुकल फरमाए और परमागिनी से मरहूँ रखे ।

कतावा शायमुद्दीन अग्रिमि

## अपनी बात

आदमी जिनकी के सारे मरले छोड़े-छोड़े टुकड़ों में थे करता है उसे एक सोईड का कोई प्रकेशन । आदमी की जिन्दगी बाहे सी साल की कमी न हो लेकिन वह इन्हीं मरहलों में बदली रहती है । रोचने की बात यह है कि आदमी जिन्दगी बहार करने के लिए जेहन में खन के उकड़े जोड़ता है और इन्हीं टुकड़ों से काम लेता है इन्हीं टुकड़ों के पुरान में जिनकी हम सोचना या विचार करना कहते हैं हम या तो एक टुकड़े से आगे दूसरे टुकड़े पर आ जते हैं या खन के उस टुकड़े से खनते हैं ।

हमें आकी तरह सम्प्रना धारिए कि आदमी अभी सोचना है कि थे बाता बाजना लेकिन उसके पैर में गहबरी है इसलिए वह यह इलाज छोड़ देता है कब तक वह इस इरादे पर कायम रहेगा इस बारे में उसे कुछ धना नहीं, करने का मतलब यह है कि अतएव किन्ना ही उसकी जिन्दगी के मिले नुके टुकड़े हैं जो उसे नकाम या कामयाब बनाते हैं । अभी वह एक इरादा करता है फिर उसे छोड़ देता है बाड़े मिनटी में करता है कुछ घंटों में करता है या मकानों और सलों में छोड़ता है । बताना यह है कि इरादा करके छोड़ देना आदमी की जिन्दगी का एक जरूरी हिस्सा है क्योंकि वह पिछरी तीर पर आगम लम्ब हुआ है । बहुत सी बाड़े हैं जिन्हे आदमी मुश्किल, सीमाती, पराजनी, वे अपनी, उकताए, बेवैरी आदि करता है इनके पुरकबने में एक पैला कोरियता है जिससे वह सुख का नया देता है । यह नहीं कहा जा सकता कि ये सारी बातें इन्हीं की बात यह है कि इनमें से कुछ छोड़ें केवल बचपन पर आधारित है ।

इस्लाम के हिस्सा को बनाए ली ऐसी है कि वह हर आलामी की तरह देखता है और हर पेनान से जो घुसता है खुली बाहर है कि ये दो सिले हैं और इन सिले में आदमी इस्लाम हिस्से के ज़रिए सफ़र करता है उसकी हर हरकत का ज़ीया इन सिले में से एक सिले है । तीन यह है कि अभी हमने एक तबदीर की फिर उसे बनाया यहाँ तक कि वह मुकम्मल हो गयो उसकी शिन्ध भी सही थी लेकिन केवल दस क़दम चलने के बाद हमारे ज़ेहन में तबदीली आ गयी तबदीली आते ही बिचार बदल गये नतीजे में सिल्ल भी बदल गयो मुजाने ह्म निरस नतीजे की तरह आ रहे थे यह खल्ल ही गयो हमारे पास क्या बाकी रहा ? टटोलना और टटोलकर क़दम उठाना । पार रहे कि यह चीज़ यकीन और शक के बीच की राहों की वा ।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस्लाम का आधार बरम और यकीन पर है मनुश्म की इस्लामाह में इली की शक और इस्लाम का गाय है । अल्लाह हिस्सा में शक को नज़र देने से मना करते हैंऔर ज़ेहन में यकीन को पक्का करने का हुसब देने है । कुआन में शाराह है —“ता रवका ” कोई शक नहीं” यह अल्लाह की किताब है और उसी की किताबत बख़्शती है ज़िनाका यकीन भूब पर है । जिस शक को अल्लाह ने मना फ़रमाया है वही शक है जिससे आदम अज़ीम को बाज़ रहने का हुसब दिया गया था अज़िबत कार शैतान ने बरहक़ार यह शक आरप अज़ीम के हिस्सा में शैल दिया जिसकी बदल से इज़ाज़त आरप अज़ीम को नज़र से निकाला गया । इली नज़र से आरप के हिस्सा में दो सिले को नज़र मिली यानि शक और यकीन ।

इस बहक़ार की ऐशानी में इस्लाम के हिस्सा का आधार यकीन व शक पर है यही यह शक और यकीन है जो हिस्सा की नती में हर बहक़ार अरप करता रहता है जिनकी शक की अकिरका शैगी उनको ही हिस्सा सती में रूट फूट होगी । यह बहक़ार बहा नरती है कि यही से हिस्सागी नती है जिनके तारत हिस्सा के तारे कम पुजे

काम करते हैं और इली की नज़र से इस्लामी जिन्दगी में हरकत

किसी चीज़ के मुक़ाबला । इसकी सिल्ल ऐसी है कि इस्लाम नो जिनना फ़ीब को मुक़ाबला । इसकी सिल्ल ऐसी है कि इस्लाम नो कुछ है वह अपने को उसके ज़िनाए पेरा करता है वह हमेशा अपनी कमजोरीया सिल्लता है और उसकी नज़र बालनिक बहूिया बापन करता है जो उसके अन्दर मौजूद नहीं है । सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि यह जिस सामान में लीबिलत पाकर अरपन हुआ है वह सामान उसका अकीरा बन जाता है । उसका ज़ेहन इस बहूियल नती रहता कि उस अकीरे का अक्का तरह नालयला ने सहे । वह अकीरा यकीन की नज़र से तेरा है हालाँकि वह केवल एक फ़ीब है । सबसे बड़ी बरतह इसकी यही है कि आदमी जो कुछ अपने की ज़ोहर करता है ऐसा है नहीं बल्कि उससे उल्टा है ।

इस तरह की जिन्दगी गुज़ारने में उसे बड़ी मुश्किल पेरा आती है ऐसी मुश्किल जिनका हल आदमी के पास नहीं है इस जिन्दगी में क़दम-क़दम पर उसे बहक़ार भरसुस होता है कि उसका अमल बेकार हो जायगा और वे नतीजा साबित होगा । क़ली-क़ली आदमी यह समझने लगता है कि उसकी ऐसी जिन्दगी बबाह हो रही है अगर बबाह ही नहीं है तो सख़्त बहारे में है । यह सब उस हिस्सागी नती की बरतह से होता है जिनमें शक की बदल से रूट फूट रहे रही होती है इली रूट फूट की नज़र से उसके इरादों और अरप से रुकवाए पेरा होती है अरप वे नतीजा साबित होता है और उसे उक़सान पहुँचता है ।

आदमी का हिस्सा अरप में उसके अकिरकार में है वह नतीजे की रूट फूट को यकीन की लाक़्ज़ से कम और ज़्यादा कार सख़ला है रूट फूट की कमी से होने वाले नुक़सान को बहाया ना सख़ला है ।

आदमी भी एक जानवर है किसी तरह से उसने आग का इस्तेमाल सीख लिया और आग के इस्तेमाल से दीर्घ-दीर्घ दूरी काफ़ी की कुनियात पड़ी । किनाह “येन और ऐशानी से इस्लाम”

के दो पैरों पर चलने की विशेषता ब्रह्मण की गयी है। हमने उस किताब में यह बताया है कि जानवर और आदमी में रोमनी की बात का अन्त बिना बुझायेही पर कायम है और बाद में रोमनी की से ही आदमी और जानवर की निर्दोशी अलग होती है।

गौश्राव में ऐसा कोई और नहीं आया जब आदमी का प्रति हनर में ज्यादा सेहत मन्द पीदुर रहा हो। अन्त में हीना यह धारिए था कि वह ज्यादा से ज्यादा रोमनी की हिंसे और रोमनियों का अन्त मादुर करता लेकिन उसने इस तरह कभी ध्यान नहीं दिया। यह चीज इतना बुरे में रही। आदमी ने इस घरे में भूकित की कोशिश इसलिए नहीं की कि या तो उसके सामने रोमनियों का परा ही मौजूद न था या उसने रोमनियों के घरे की तरह ध्यान ही नहीं दिया जो रोमनियों के चिन्ते में सम्बन्ध रखते हैं। अगर आदमी ऐसा करता तो उसके विभाग की टूट फूट में कभी तो लक्ष्मी थी। इस क्षण में यह ज्यादा से ज्यादा यकीन की तरह ब्रह्म उठता। बेकार के अंकीरी और अर्थविवादा का विकास न होता। यह उसे इनका प्रोधान न करता निजता कि अब परेशान किया जाए। यह उसे उसके बानी में जो अपनी लकाट होती है वे कम से कम होती। लेकिन ऐसा नहीं हुआ उसने रोमनियों की हिंसे मादुर नहीं की। रोमनियों की लंबावत का हाल मान्य करने की कोशिश नहीं की। यह यह भी नहीं जानता कि रोमनियों की लंबावत और बहुत लक्ष्मी है और रोमनियों में लकावत भी मौजूद है उसे यह भी पता नहीं कि रोमनियों ही उसके निजनी हैं और उसके हिंसकता करती हैं। वह तो केवल पिदुर के पुत्रों की जानता है इस मुद्रने की निजते अन्तर अपनी की जिन्गी नहीं जितले फिर अल्लाह ने इशारे करवाया है कि वह लड़ी हुई पिदुरी से बनया गया है और इसी तरह यह भी इशारे करवाया है कि वह पिदुरी बानी है।

अल्लाह ने कुरआन में इशारे करवाया है—“इन्जान बयान न बिदेने जने बानी मौन था हमने उसके अन्तर अपनी लक्ष्म शाल ही तो यह बोलता पुनता समझता और मुहल्ले करता इस्लाम बन गया।

हम की गारंटी यह है कि यह लक्ष्म का इस्लाम है मतलब यह है कि यह लक्ष्म का इस्लाम है कि यह लक्ष्म का इस्लाम है और यह ही जगता है। अल्लाह के इस इशारे की न जानता ही ब्रह्म और लक्ष्म की बयान में नतीजे में इस्लाम व यकीन टूट जाते हैं

कुरआन में हीना की एक फंद की भीतरवा थी है मुद्रानी उसके साथ भी यही अन्त होता है जो फंद के साथ होता है कौम में अगर यकीन के मुहल्ले लक्ष ज्यादा हो जाए तो यह अन्त की लक्ष अपना लेता है जब उसका लक्ष नरकही की तरह होता है तो आसमानी आफ्नी के आने का दर होता है और जब ध्यान की तरह होता है तो जमीनी आफ्नी होती है।

आसमन में जब आफ्नी उतरती है तो बिबा क पूरा कौम के जेरन व हिंस की प्रभावित करती है उनसे बचने की विचार, इसके कोई तरकीब नहीं कि कौम के यकीन की तरह एक से अन्त अपना न हो यही नरकियों का सबक है। जब कौम पिदुरी में बट जाती है और उनका यकीन अलग अपना होता है तो शक जमीन पर फैल जाता है। इसकी वजह से जमीनी आफ्नी इस्लाम में आ जाती है और फैल जाती है मुद्राने सेलवा, जलजने, बीमानीया आदि आती है कभी-कभी आपसी लक्ष्मही भी होती है जिससे कौम और फंद का विभाग समजुन लक्ष्म व बबाद हो जाता है जो तरह तरह की बीमानीया फैलने की वजह बन जाता है।

## अमल और आमिल

अमल करने वाले किसी अमल की उफ्फात करके अपने विभाग की बार बार इराद लेते हैं यदा तक कि वे इरादे पर कौबू या सेवे हैं मरु के जगिरे उनकी मशाला जिनगी बढती है उनका ही उन्हें अपने इरादे की राकता से काय लेने में आसानी हो जाती है इस तरह के आदमी आप से आप भी ऐसे ही पैदा होते हैं उनकी लंबावत अपन से अपन इस तरह पुद जाती है और सीटी उप से इन चीजों को समझे बिना बार बार इस्तेमाल करते हैं पहले से इन्हें यह पता नहीं होता कि इन्हीं अन्तर यह विशेषता भी मुद्राने के बलित इस विशेषता



के कामवासी होते इस्तेमाल से जो वे केवल बेतन के तौर पर कामते हैं कामवासी भी नही लगती है। छोटे छोटे उम्र पर यह पात्र खुलने लगता है कि बिप्रा और इतरों से काम लिया जा सकता है जब वे इस पर असह्य करते हैं और बार बार इसे दोहराते हैं और नतीजाना अन्धका सामने आता है जो वे अपने को अप्रति समझने लगते हैं लोग भी उन्हें अप्रतिन के नाम से पुकारते हैं।

## इजानत और तावीज़ की नक़ाल

हर अप्रतिन को इस बात पर यकीन होता है कि मैं निरसे यह ताक़त बरबाद हुआ वह मेरी तरह अप्रतिन ही जगता। बार बार ऐसा गया है कि किसी अप्रतिन ने किसी को अपना असल बन्धा दिया है निरसे बन्धा है उसकी लक्ष्यता भी यही बन जाती है जो अप्रतिन की है। एक लक्ष्यता का दूसरी लक्ष्यता से मिल जाना भी आदमी की नरसिधयति आदत है असल अप्रतिन तो बहुत ही कम होते हैं असल बन्धो इस अप्रतिन काफ़ी पाए जाते हैं। बन्धो इस अप्रतिनो के यकीन में यह बात बंद जाती है कि अगर हम ऐसा करे तो ऐसा होगा। हम यह बात बना चुके हैं कि कामवासी का आचार यकीन की यन्त्रकृती पर है।

इस किनाब से फ़ायदा उठाने के लिए बाहेर आप ही योगी हो या किसी का इतना को जगता है ज्यादा बार पहले व बाद में दल्लत शरीफ़ पर और एक ही एक बार सिमिलिटारि अल बागिड जगता जगता, पहल पासो पर हम करके तीन बार चेहरे पर हाथ फेरे जब भी तरफ़ में जो इस किनाब के अन्तर्को की इजानत है।

बाहिर आप इस्तेमाल करने या किसी को सिखाव देने की सूरत में लालीज़ की नक़ाल दो रूप्य दान कर दें या उस योगी को जिसे लालीज़ दिया गया है वह हिरापात कर दें कि वह लालीज़ की नक़ाल दो रूप्य दान कर दें।

## आसेब का इतान

आसेब एक ऐसा योग है जो बिप्राय से सम्बन्ध रखता है इसकी अधिकतर बरत यह होती है कि ब्रून में मिठाव के मुकाबले नरक की माया बढ़ जाती है। यह ब्रून सार जितन में से तौर करके नरक बिप्राय को दो खरब नली में दोड़ता है तो बिप्राय को वे नरसे जो इजानत के अन्तर ग़ाज़ी इजानत बनती है प्रभावित हो जाती है नतीज में योगी कसो पर बज़न मक़सूस करने लगता है और उसके नज़रो के सामने ऐसी चीज़ या सूते अनेक लगती है निरसे वह सम्पदा नहीं सकता और न उनका आस से सम्पद या सम्बन्ध रख सकता है। जैसे यह कि जो किसी औल या पद का सामा नज़र आता है वही इस तरह प्रिय में देखता उसकी आदत नहीं है इसलिए वह दूर जाता है और ऐसी इरकते करने लगता है जो शहरों सीमाओं से बाहर होती है। कसो कसो यह पाब इजानत गहरा होता है कि जल में दरगाह पैदा हो जाता है और उसके ब्रह्मस का शक्ति इरकती के ललत हो जाती है जब यह कोई बात नज़रान की करता है कोई आसपान की। कसो बैरोस हो जाता है और आप ही होता में आ जाता है कसो ने बात पर इतना है और किसी किसी बरत के बिना ही येने लगता है। यह भी होता है कि मरकी मुई लहे निरकती लक्ष्यता में तोड़ कोड़ होती है मरने के बाद ऐसे लोगों की लगता से रहती है जो बिप्रायी तीर पर कमनोरी हो और जम्मे इन्हे अपने पूरे मक़सद के लिए ऐसा शिकार मिल जाता है जो वे उसके सामने आ जाती है और उसके शहर को गेक देती है। इसका इतान यह है कि एक कामान पर

या मरता होता -या समग्रता  
या भीकाईला - या विभवाईला

११

میر تقی میر  
عبدالحق صاحب  
عبدالحق صاحب

issuu.com/abtdul123/mir-taqi-mir

عبدالحق صاحب  
عبدالحق صاحب  
عبدالحق صاحب  
عبدالحق صاحب  
عبدالحق صاحب  
عبدالحق صاحب  
عبدالحق صاحب  
عبدالحق صاحب  
عبدالحق صاحب  
عبدالحق صاحب

99

असमानी व ज़मीन की आपत्तों से  
वच रहने का तरीका

जब कोई ज़मीन अल्लाह के बनाए हुए कानून से कुछ मोहती है और मुसल और भगवई की जानने हुए भी कानून की तोड़ती है तो उसके अन्दर यकीन की साक्षात कम और कम से कम दो जाती है जैसे जैसे यकीन कमजोर पड़ता है उसके अंदरही में भी बिगाड़ पैदा होता है और इस बिगाड़ की वजह से कोई ज़मीन अर्थव्यवस्था का विकास हो जाती है। अर्थव्यवस्था के विकास से इन्फान के अन्दर बसतसे नया जैसे है इस बातसली की वजह से उसके अन्दर लाजब और हला इतनी बड़ जाती है कि जिरती का वातावरण अल्लाह की ब्रह्मा साथी पर रह जाता है यही वह ब्रह्म होता है जहां से कौम का पवन शुरू होता है और फुटता का - बुद्धि ऐसी कैमो के लहान नहीं करता इसलिए उसके जमा लासमानी व ज़मीनी अल्लो नजिल होती है। इराता व अमत के साथ है यकीनी की ब्रह्म करने की कोशिश करती बाकि और इन आपत्तों से बचे रहने के लिए ई. डबल वीह और २२ इन्हें जन्मे फाकेर और कागज पर काली चारट ममकमारा ऐतनी से बहुत गुनवर सिखाकर या सिखाकर यह गयता जना पर में सारका है -

विश्वविद्यालय इस्लामाबाद

या लर्नेनुया लर्नेनुया लर्नेनु

या बदीअऊ या बदीअऊ या बदीअऊ

या बदीअऊ जल अलाइह विन छुमारे या बदीअऊ

(अगर बुरा न को कोई वका फैल गयी हो तो यही नकला

मकई चीनी की तीन स्वेदी पर जोफान और गुलाब के अर्क से

जिहो और गुलाब व गाय और पल को गली से दोकर सारे पर

जाने लिए। चीने में चीनी एका कर इस्तेमाल किया जाए।

(नोट- अगर जोफान न मिले या ब्यादने की नकल न हो

तो चीने को जल या इस्तेमाल करे।)

आंखों की बीमारिया

यह बीमारी लड़ने की बराकी या लारपी बिगाड़, पनी, सदी, बोट, पुरा, गुला साने और मजना रहने से होती है।

मोतिया और पड़वाल

हर मरान के बाद मरान पर "अलफान कल्पम जल रक़ुन" पढ़कर आठो उमिचली के पोरो पर दब कर और आंखों पर फीरे।

रतोंद

रतोंद उपा बीमारी को कइते है जिससे अमेरे मे या पल को क्षीने या तो नजर नही आती या पुपली नजर आती है ऐसी ऐला

ये।—या अया नवीना या अया नवीना या अया नवीना ( यह एक बार हुआ) याना तो बार एकबार एक पाव सफ़ कालीनी पर रस कर और सुक एक एक घुटकी ताजा पानी के साथ छारा ।

## निगाह की कमजोरी

بيني انكدر مائش ابدين الصابون انكدر انكدر

“मुझे तुझसाथ भिजाना हीन अस्सबाबिल फिलामुल मरिमु”

सुबह सुन निकलने से पहले तीन बार पढ़कर एक बड़े पानी पानी पर रस करे । इस पानी से से तीन घूट पानी अलग करके नारार मुह पी से और बाकी पानी को तेरे हाथ के गुल्मे में से कर इस पानी से आख डिल कर वो से और बन्द करे । पानी जब गर्म हो जाए तो पानी डिल पानी या किसी बिसागी से धाने दे जब दूसरी गुल्मे पर से इस तरह पहले वाली आख को गोल और चार आख को । यह असल नम्ब दिन करना है अल्लाह की बेहरबानी से निगाह की कमजोरी दूर हो जाएगी

## आंख का नसिया

इस बीमारी में आख के ऊपर एक झिल्ली आ जाती है और नजर इस झिल्ली में दब जाती है इसकी वजह एक खास गैर होती है पहले यह गैर बिसाग पर असर होता है और उसके बाद आख के ऊपर असर करती है असल में यह गैर ही झिल्ली बनकर आंख के ऊपर पदी बन जाती है ।

स्नेहनास स्तिल का एक प्याला और एक नयी घुड़ी लो पानी में डिस्टलर बाहर पा पा पर पकाया हुआ ठंडा पानी भर दे । हाथ पोका और कुल्फी काके तीन बार

من الحن الشير وكلامه الأ الله من الحن الشير وكلامه الأ الله من الحن الشير

issuu.com/abctul23/niahi/cdishna

—अब हनुमन कम्प्य व ला दनाह इल्ललाह या रकीम या अल्लाह या मुहीद या रकीम या अल्लाह या मुहीद पर कर एक एक बार और दूसरी मुह घुड़ी पर । अब घुड़ी से पानी को काट पानि एक मिन्द तक पानी में कात (x) बनाने रहे । शेरपा पिच तीन बार पद कर पानी और घुड़ी पर रस करे और पानी को एक मिन्द तक काटे । इसी तरह तीसरी बार भी यकी असल दोहराए यह पानी दो दो और कर बाहर घट्टे के बाह पिनाए । इसी तरह कि सुन निकलने के बाद से दया तक यह पानी पूरा हो जाए । इनान में मुदतन चागिए लेकिन कायपायी यकीनी है ।

## आंख का नासूर

आंख के कोने में फुली की तरह का पल्ला जो फिलता रहता है उसे आंख का नासूर कहते हैं । बने की वजह तीनाए (दात से पुराह बने का आया हिस्सा) और एक प्यार भीजिए । ऐसा प्यार जो नसिले के किनारे अंग तीर पर मिल जाता है यह प्यार काला लकड़ भूरा और कभी कभी नया निगाह से पराए और बिकाना होता है मोटाई की कोई कैंद नहीं । प्यार पर पानी डाल कर एक बार।—अल्लाह नूस्समावारे वन ओर्ज पर कर रस लो और नम्ब की पल को प्यार पर मिले । दान पिलाने से एक सेप लो बन जाणा । इस सेप की नाल की सलाई से सुबह शाम कुछ दिन आ रे में लगाए ।

## भेगापन

जिस वक्त येगी बिल्कुल संधा देखा रहा हो उसके आंखे बन्द करा दे और उसकी उत आख पर जो भीगी है अन्दरे में हल्की ती पट्टी बांधे पट्टी बांधने बकरा पर करना करे कि से और येगी नम्ब के नीचे है । यह पट्टी २२ दिन तक बंधी रहे । पट्टी बंधी होने पर अन्दरे में बन्द है । पट्टी बांधने बकरा पर करना रखना नकली है कि नजर तेरी रहे यानि आंख की पुतली दया में हो २२

दिन के इस अमल से अंजल का भक्षण पूरी तरह बर्क हो जाता है।

## आंखों के सामने खून तैला हुआ मन आना

यह बीमारी जो हिमालय के शेषों में पानी भर जाने से होती है इसके लिए खान और दुआ यह है—

दखिनी चित्त एक छत्रक, चीनी एक छत्रक दोनों को साफ़ तैला पानी में बाँधकर पीस लिया जाए। छः माया सेन सोने बरतन पानी के साथ कम से कम २० दिन तक दलनेपाल करे और इसी के साथ—“अरे जलजु अमा नबीनु” लहेद बीनी की तीन चोटों पर लिख कर सुबह शाम और रात को एक चोट पानी से पोकर पिए। चंद्र लिखने का तरीका यह है—

“पाक साफ़ लहेद बीनी या शिनी की तीन चोटें सामने रखकर मगार बाएँ हाथ पड़कर पड़ कर नीचे चोटों पर दब करें। पीछे मगार बाएँ हाथ पीछे पड़ कर नीचे चोटों पर दब करें। तीसरी बार ‘या कफ़ी’ पड़ कर चोटों पर दब करें और ज़ाफ़रान की गुलाब के अमक में पिना कर या जूरे रंग गुलाब के अमक में पीने का इस सेवनाई से चोटों के इयातन सिक्की जाए।

## नैवी मयद

अगर अमिक हावत इनने छाताब हो जाए कि घुगरा की कोई सुला नज़ा न आए तो केवल इन हावत में यह अमल पढ़ने की इजाजत है।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
 اللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى مُحَمَّدٍ وَعَلَى آلِ مُحَمَّدٍ  
 وَبَارِكْ وَسَلِّمْ

issuu.com/nabhihainaili/online

या ईन या इलाह या अल्लाह  
 या फ़ादी या फ़ादी या फ़ादी  
 या जिब्रिल या फ़ादी या फ़ादी  
 अमी रात बीने के बाद गुन करके गुलने पर बैठ कर ३०० बार पढ़े और हावत टीक होने की दुआ करके बात किए बिना सो जाए ज़्यादा से ज़्यादा २२ दिन से अल्लाह की तरफ़ से भी मदद मिलान हो जाएगी। इसके तर्फ़ा कुछ भी हो जो अल्लाह परबन्द करवाए।

## इस्तिखारा

कोई काम करने से पहले इस्तिखारा करना मुन्नत है। इस्तिखारा अमल में अल्लाह से मददवा करना है।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
 اللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى مُحَمَّدٍ وَعَلَى آلِ مُحَمَّدٍ  
 وَبَارِكْ وَسَلِّمْ

इस्तिखार अमल या बदीअत अनाइबे बिन बेयारि या बदीअक २२ बार, दस चिन्नी सल्लातु, मअला अला हकीमिह मुन्नत-मदिरवसल्लाह पढ़ने और बाद में एक एक बार पढ़े। इसके बाद गुल करवाट बैठ कर चेहरे के नीचे दाएँ हाथ की हथेली रख कर सो जाए। सोने बरतन जो बात मद्रस कराने हो उसे जहन में देखाए। ज़्यादा से ज़्यादा तीन दिन के अन्दर सपने में या जगते में जो कुछ बग़स किया गया है जाहिर हो जाएगा।

## इस्तिहान में कामयाबी के लिए

इशा की नयाज के बाद पढ़ने और बाद में मगार मगार बार इस्ल मीरु के साथ तीन तो बार ‘अज मदिह्ना कुदरुद अमनतिफ़ुल कुदरुद पड़ कर दिन की ग़र्राह के साथ अल्लाह से दुआ करें पर अमल इस्तिहान का नबीना ओने तक करते रहना चाहिए।

## इलजी

मान राग के ध्यान की कपड़ी के छोटे छोटे टुकड़े किसी जगह फैला कर रखा है। इलजी का रोगी इन रागदार कपड़ों के टुकड़ों से सें कोई एक टुकड़ा उठा ले। उसा टुकड़े पर काली गार काली से—या मरगार न या समगार न या भीमगार न या निगार न (सं )

कालीया करी से लिख कर रोगी के गले में डाल दे। मगर गले में पहनने या बाजू पर बाधने में कोई लकावट हो तो यह मरुगा तकिरा के अन्दर रखे वैकिन्न यह साध्यानी करना जरूरी है कि यह

नकिरा कोई दुपटा आदमी इन्तेमाल न करे।

(और—इलजी के होने की कोई खास दवाज में नहीं की जा सकती। कोई आदमी इला से, कोई दवा, छुड़बू से या किसी सख्त दवा के बार भी एलजी हो जाता है। बल्कि कोई भी हो सक्ते लिए यही इलजी है।)

## दिल का दौरा

दिल का दौरा दिल की कमजोरी की दवाज से हो या निर्याती कमजोरी की दवाज से, छूट का दवाज बूज जाए या तैय इलाज इस्तेमाल करने से हो, सबका इलाज एक है वैकिन्न तरीका अलग—अलग है। निर्यातिलारिफ्मायनरहीम

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

‘या इल्यू बज्जा कुल्ती शायइन या इल्यू बाअदा कुल्ती शायइन तीन बार पढ़कर पाती पर दम करके पिलाए।

रादत की दवाज से अगर दिल की शिकायत पैदा हो गयी हो तो इस अलम की बाजना पर लिख कर रादत में डाल दे और यह रादत रोगी दिन में कम से कम तीन बार इस्तेमाल करे।

हाई लिख प्रियर की दवाज से हो तो नमक पर दम करके एक टाईपी में डाल दे और खाना खाते बसने यह नमक भिड़क कर खाल। अगर ऐसे लक्षण न हो कि यह मापपू किया जा सके कि

दिल के दौरों की दवाज क्या है तो एक बड़े कामान पर गार कलम

गले पर लिखा करे। राग को सोने से पहले इस गले को रेशी जगह रखे जहां कोई और आदमी न हो। गहरी निगाह से ‘अल्लाह लिखे पर नजर जगह और आंखें बन्द करके यह कल्पना करे कि अल्लाह का नूर बाधित की तरह झरोके अंदर नाजिल हो रहा है लगभग ५० भेटद बार आंखें खोल दे और फात लिखे बिना लो जाए। कुछ दिन के इस अलम से दिल के दौरों की तकलीफ अल्लाह की मरुतबानी से इक्या इक्या के लिए खत्म हो जायेगी।

## एगनिमा

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

एक बड़े और मजबूत कामान पर मोटे कलम से—“कौ नवशिन राहा अंहा निर्याती” लिख कर बिसम के दिल हिस्से पर एगनिमा हो करा कागज मले। जब कामान कमजोर हो जाए जल्दा है कुछ दिनों तक नमक, सुखे मिर्च, परम मसाला और किसी तरह के गोमाल की बोटी न खाए गोमाल से अंहा और मसकी भी शामिल है।

## आंतों की बीमारियां

आंतों में घाव

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिरहीम

“अल मसालिलू फी मरलाअलि बहराफिन या अल्ललू”

तीन ट्पेटो पर लिख कर रोज सुबह शाम और रात को पागल से गो कर बाधोस दिन ५०। खाते के लिए किसी इक्रीम या इकरर से मसिला करे।

## आंतों की दिक

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
أَمَّا بَعْدُ يَا أُولِي الْأَلْبَابِ إِنَّكِتَابَ الْبَيْتِ الْأَرْبَعَةِ الرَّحِيمِ

विश्वसन्नाहिरकामिदरलीम

'अदरिफ़ तास' या 'विश्वका' आगाज़िल कितानिमा मुकौम अरलीम अरलीम अरलीम' सूरज निकलने से पहले २२ बार पढ़कर एक पानी पानी पर दस करके नहरा मुह ७ दिन तक पिए ।

## आंतों में खुशकी

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
أَمَّا بَعْدُ يَا أُولِي الْأَلْبَابِ إِنَّكِتَابَ الْبَيْتِ الْأَرْبَعَةِ الرَّحِيمِ

"एकदम यदा अभी तक० कितना० या अजाना अन्क पाहुडू य पा कस-ब० ससलता माना जाता लहबि-बस-ता अहुडू" इला की नयाज के बाद एक ती एक बार पढ़कर पानी पर दस कर । बीबीस घंटे से पीने के बिना केवल एक ही पानी इस्तेमाल करे । मतलब यह कि इतने ० पा ० किया जाए को दिन और रात की नजाल के लिए काफी हो । बीबीस घंटे बीस जाने के बाद अगर पानी बचा रहे तो उस पानी को किसी डिब्बों या पत्र की जड़ में डाल है और अपने बीबीस घंटे के लिए नया पानी लिया करे । इतना की मुदत २२ दिन है इस बीस कोई दूसरा पानी न लिया जाए ।

## आत उत्तरना

रात की सोने से पहले २२ बार 'सर फुस दारनाहुस' पढ़कर पेट पर दस करे । इतना की मुदत ६० दिन है । इस बीस लमोद बाये को इस्तेमाल किया जाए ।

ishbhararibhahabul23/mail/codisha

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
أَمَّا بَعْدُ يَا أُولِي الْأَلْبَابِ إِنَّكِتَابَ الْبَيْتِ الْأَرْبَعَةِ الرَّحِيمِ

जान-एर (पेट में पानी पर जाना) - देखने में आता है कि इस बीमारी का इलाज नहीं होगा जबतक एलीफो में घुड़ (गिरिन) के जुरिए पेट में पानी निकलना एक तरीका है लेकिन कुछ दिनों बाद पेट में पानी फिर पर आता है और फिर निकल दिया जाता है यह कई मुसलमान इलाज नहीं है इस फुदौर में इस्तेमाल के कई रोगियों का इलाज किया है अन्तार की बेदरबानी से रोगी को पूरी तरह और मुसलमान सेहत नहीं ब हो जाती है ।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
أَمَّا بَعْدُ يَا أُولِي الْأَلْبَابِ إِنَّكِتَابَ الْبَيْتِ الْأَرْبَعَةِ الرَّحِيمِ

एक कानून पर विश्वसन्नाहिरकामिदरलीम — ३ हस्तुला अकब ५ मिन नफुअहिया, लिख कर फुदीले के तीर पर नयाजक रात की सोने पहले या दिन में एक बार पूरा हो । दूसरा काम यह करना है कि रोगी जमीन के ऊपर पित बैठ जाए आगे बन्द करे हो और दोनों हाथ सर पर रखे तीन बार ऊपर लिखी अन्की की इकाला घंटे और यह कल्पना करे कि पेट का पानी रोगीन बन्दकर पैरों के जुरिए जमीन में जा रहा है यह इलाज उस वक़्त तक जारी रखना चाहिए जब तक बीमारी से पूरी तरह नजाल हमिल न हो जाए ।

## पेटवों की कमजोरी

इसकी बन्त बहुत सौ है जैसे शगातर उलमन, उकनाहड, विमानी कमजोरी, बहुतो नयास रिसानी पकन, गीर की कमी, पेट बलाबर बुराब रकन, नलवायु और माहिल की मुदत, सर व दस्तान, लकानी भुली से अलग रकन, कनअस का न होना, शक दस्ताना और बकन, रिपानन की कमी का अहसास आदि ।

सकते पहले यह जरूरी है कि इस्लाम अपने अन्दर कबलाह धरम को और अपने पापनों को अन्तर्गत पर छोड़ने से मुक्त यह नहीं कि आदमी हथ पर छोड़ कर केत जाए। सही तरीका यह है कि आदमी अपने आगे का बर्तनो पुरा करने के बाद नतीजा अल्लाह पर छोड़ दे और इस्लाम के बर्तन केवल एक पूरा पानी पर दब करके झुल्ल नाला फुल पी जाए।

अगे का जम माना

विस्मयविरसिस्मातिस्म

र'तमी फु कुल हाय'

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
رَبِّهِمْ فَذُرُوا

96 99 96 26 99 89

बाने के जन्म रग को पानी में गोले कर लेनाई बला है इस लेनाई से ऊपर बना हुआ तलीज लोट पर लिख कर बुद्धि, सीतारे परर और रग को पानी में पीकर खिला। यही तलीज इसी रग से बिकने और लेटे एक बलिदान कागज पर लिख कर प्रमाणित अगे पर दिन में तीन बार पढ़ी की दुष्टियों की गरिमा के अनुसार नली। बाने में सर्व और बारी चीजों व नपुंक से परहेज जरूरी है।

## औलाद का ना फरमान होना

यह बात जरूर ध्यान देने की है कि बच्चे जेरनी तीर पर आ कुछ कुकुर करते हैं उनमें अपना हिस्सा या बाप के तपे और पर के पहेलिन से बनना है और आधा हिस्सा बाहर के पहेलिन से। अगर पर का पहेलिन मुकुल लला न हो और भू बाप लहने झाड़ने रंग तो बच्चे भी या बाप की अफतरे अपना लेते हैं फिर यह अफतरे उनमें पकड़ो हो जाती है पहले बानन पयई आगर में नकड़ने हैं फिर मां बाप से नकड़ना शुरू कर देते हैं क्योंकि मां बाप में जरूरी बेन मिलान नहीं होता इस्लाम ने बच्चों की अफतरे से नज़रे बहा लेते हैं नतीजे में बच्चे गुलाबज होकर या फरमान हो जाती हैं ऐसे मां बाप विनये जरूरी बेन मिलान होता है या अपने बानो की कड़वाहट को औरत के लामने ज़रिफ नली लेने देते उनकी औलाद या बाप को करना यादनी यादनी है बेना लार प्यार या बात में बात

पर लहनी भी बच्चों को बागी बना देती है यह भगवान बड़ा तर्कनीफि

अपने तक्षिप में तदनीके के साथ या फरमान औलाद के लिए अफतरे यह अफतरे कर लिया जाए तो इसकी भरकन से औलाद फरमानवरदार बन जाती है। रात के पकन बच्चा या बड़ी अफतरे नीर से जाए सरदारों बड़े हो कर एक बार --विस्मयविरसिस्मातिस्म

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
رَبِّهِمْ فَذُرُوا

काद हुआ कुआनुमनार्द० की जवहिमक, फुजु० मा या बाप रनकी आलाज से पूरे कि लेने नली की नीर बराब न हो। अफतरे की मुदरन २१ दिन और ज्यादा से ज्यादा २२ दिन है।

फमतरे सनमने का अहसास -

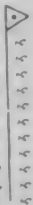
यह इरादे की सफुल की कानजोरी से भिया होती है जब यह सफा जाती है कि हम किसी आदमी के सामने नहीं जा सकेंगे, बात नहीं कह सकेंगे हम दूसरे लोगों से कहलते हैं या दूसरे लोग हम से कम नर है ये सारी बारी कजोरे कुकुरे इसकी की जाहिर करती है सोच सही हो या जलत रेतनी का सनबम दिया की उज नली से है जो ज़िन्दगी में काम आने वाले नज्मों की पैदा करती है और नज्मे आदमी की कुकुरे इरादों के लहत होले हैं इरादिए जब किसी इस्लाम के अंदर नज्मे उठाके इरादे के सरन नहीं रखने नौ उसकी ज़िन्दगी में कमी पैदा हो जाती है इस कमी का दबाव ही अफतरे में परफाते कमलते की सूरत में जाहिर होता है।

बड़ा ही अफतरे और सरल इस्लाम यह है कि आदमी हर कजम उठू से रहे। उठू से रहने में इस बात का ध्यान जरूरी है कि सेवाब पाबजाना या हजा को रोका न जाए क्योंकि ऐसा करने से मां सिपाय पर ज़ोर पकड़ना है जरूरत पड़ने पर दोबारा उठू कर लिया जाए।

## उदासी

यह बात हर आदमी जानता है कि कोई आदमी न हो हमेशा

बुझा रहता है और न हरेगा मुझे लेतेन यह भी देखने में आता है कि बार बार की नकाबों अन्तर्भी की तीव्र कर राख देती है और उस पर उसकी या जाती है ऐसे लज्जा से बिम्बा को अन्तार कराने के लिए नीचे धिया हुआ नका जगहान और गुच्छ के अर्ध से निख कर ऐसी के तने में पहना दिया जाए या बारू पर बांध दिया जाए तो उदगी झल हो जाती है ।



निरु-कागज पर नका निखने से पहले सेवार और नवीन निखने के बार एक बार विविधताओं अन्तर्गत जल्दा नकावुड या बही अन्य अनाजों के बिल बुझी या बहीअक यह कर दम धिया जाए और दम करने जल्द यह कल्पना की जाए कि तालीन निखने वाला और ऐसी दोने अर्ध के नीचे बड़े है ।

بسم الله الرحمن الرحيم  
الحمد لله الذي هدانا لهذا  
ما كنا لنهتدي لولا أن هدانا الله

## आम बुझार बुझार

विस्मयार्थिहस्यारिहस्य  
“हुल्लुलुन क्लिकुल बाहिल मुल्लिन नल्लुन अयसा उन हुल्लान” कागज पर निख कर बिना मोननाय के गहर करे की यन्त्री से बांध कर नीचे में डाल दे । बुझार उतारने पर तालीज और कराफो दोने जला दे ।

वासी का बुझार

بسم الله الرحمن الرحيم  
الحمد لله الذي هدانا لهذا  
ما كنا لنهتدي لولا أن هدانا الله

issuu.com/abctul23/p/ajili/p/ajilishan

‘हुल्लान या गल्लुली वारुड सानान अली इमल्लिशन  
देती की लकड़ी या डालि कोनी कागज पर निखार लकड़े  
बन्नी में बांध कर नीचे में डाल दे । बायी बाहे एक दिन की हो दो  
दिन की हो या तीन दिन की जब इससे नजल पिल जाए तब से  
निकाल कर जला दे ।

टाइफाइड, मोती झारा,  
मोयादी बुझार, खसरा

بسم الله الرحمن الرحيم  
الحمد لله الذي هدانا لهذا  
ما كنا لنهتدي لولا أن هدانا الله  
विस्मयार्थिहस्यारिहस्य  
या हुल्लान या हुल्लान या हुल्लान  
या गाली या गाली या गा फी  
मुलीहुल्लुलु बुझार

जने के तग को पानी में घोडकर रोखलदे बना से और दम  
नका को लोट पर लिखकर हुल्लाना करे । यह पानी हर बार पड़े  
के बार बहो की एक बहना और बहो की एक छोटा बहना  
दियाए । अगले दिन फिर नवी लोट निख कर डालि गरह अमल करे  
कौरले दिन भी यही अमल दोहराए दवा और खाला तीन दिन नक  
जना है ।

वच्चों की वीमारियां और  
उनका इलाज

सूया

बच्चों का अजान से डरना, ज्यादा रोना, घोंघ घोंघ कर रोना,  
कौरल, खुद को या दूसरों को, नोचना, बिना किसी वजह के बार



बार हुआर आना, किसी तरह की धैर्यपरी कीपारी या कपजोरी, तही बढ़तीसी न होना, जिससे से गहले खास हो जाना, कुछ कार काहे की तरह हो जाना, पानी की तरह रक्त आना और आंखों में हल्की नद जाना यह सब मूले की दीपारी की शिफारिश है । इससे बलवी को बचा कर रखने के लिए सोची कपारन पर

△ ६३ ६३ ६३ ६३ ॥

निब कर मोहनमा काहे आरामगी कराहे मे सी कर गले से डाल है । इसी मे एक बार कराहे के खोल से निकाले बिना तबालन को लोबाल की पूती जल्द है ।

## पसली चलना और नमूनिपा

विशिल्लार्तिरुमानिरक्षेम

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
بِإِذْنِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
بِإِذْنِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
بِإِذْنِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

या हॉं नि, या हॉं नि, या हॉं नि,  
या हुराहिन, परहभिन,  
या शोहो या शोहो या शोहो  
अनलपन केपन

बोली की चलती पर गोरफान और पानी से निब कर एक या दो पूर दूध से ले कर तीन बजा भिनाल । भिनालगी के नीच पर दो तीन दिन तक भिनाले रतना बाहिल ताकि नमूनिपा की अगर पूरी तरह बल हो जाए ।

issuu.com/abdtulnabi/haili/olishat

## कान का ददे

कुन आऊनु बिदिबल प-ने-कि० नील बार पर कर एक बलवा पानी या पूर पर दम कराहे भिनाल ।

## काली खांसी

विशिल्लार्तिरुमानिरक्षेम

या हफेनु या हफेनु या हफेनु  
कर कर कर कर कर कर कर कर

## मालि आतुलमाअ

बोली की चलती पर जल के रग से निब कर पुकड़ शाय गगल गेज पानी से गोरफ भिनाल ।

## विस्तर पर पेशाव करना

कभी कभी बल्ले बड़ी उम तक विस्तर मे पेशाव कराहे है इसका इनाल यह है कि जब बल्ला गल की पगरी नीर हो जाए तो उसके सरजने की ताप हैट कर इतनी आवाज से कि बल्ले की नीर बराब न हो एक बार पूर बकरा की पाली आसद अजोड नाप सीप से मुनिपल भिन गगल तक २१ दिन तक पड़े ।

## मिट्टी खाना

बालन से औलो को मिट्टी खाने की आलत पर जनी है बल्ले भी मिट्टी खाने है इससे तरह तरह की दीपारियां पैदा हो

जनी है तीन बार-----विशिल्लार्तिरुमानिरक्षेम

‘कुरियम मुकलन’ पदकर पूर पर दम कराके बल्ले को भिनाल । जब भी पूर भिनाल यह अल को २२ दिन के अन्तर अन्तर मिट्टी खाने की आलत छुट नाहोगी । अगर मा को मिट्टी खाने की आलत है तो वह पानी पर दम कराके भिनाल ।

## जिद करना

बच्चों को जिद खान करने के लिए ऐसे खाना तबीन कागज पर लिख कर बच्चे के गले में डाल दें।

## पेट में कीड़े

﴿مِنْ دُمُورِ الْبَطْنِ﴾

घाड़े से कुछ रोज़ें लें, केवले हों या छोटे मोटे कीड़े (चुन्ने) इन सबसे नजाल हासिल करने के लिए --- इन आलमना कलकसारा ( पुरी दूध) तीन बार पड़कर पानी पर रज और नजाल पुष्ट लिजिए। येगी यह अमल खुद भी कर सकता है। साथ ही दिन में किसी बड़ल ठहर ठहर कर तीन बार एक एक पकी दूध पड़कर पेट पर पड़कें पोरें। २२ दिन के इस अमल से पेट में किसी भी तरह के कीड़े हो खान हो जायेंगे।

## दांत निकलना

﴿بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ﴾  
﴿بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ﴾

जो बच्चा तेहराबद हो हरमुख या जलीन होवे है उन्हे कभी कभी दाँदों की नजर नगी जाती है हालाँकि यह होना चाली साल है। लेकिन देखने में आता है कि या बाप और माँ बहक कर भी नजर नगी जाती है नजर लगने से यकला बेहैन हो जाता है पूरा पीना छोड़ देता है रोना रहता है जुबान भी हो जाता है दिन ब दिन विहडिखा और कमजोर होता चला जाता है मजूर उमरों के लिए बिसलान्ना शरीफ के बाद इन्ना आलमना कलकसारा० (पुरी दूध)। एकदम बच्चे के मुँह पर पड़कें पोरें नजर का अला खान हो जायगा।

## कान से पीप आना

रात को सोते बच्चा नगी और साँप "हँ के काए पर --- अल्लानी ख-न-का फाला० अल्लानी ख-न-का फ-र-रा० ' एक बार पड़ कर काए पर दाँव और कान में रात को सोने से पहले रख दें

﴿بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ﴾  
हो बार यह अमल करें जब कान से पीप आना बन्द हो जाए यह अमल छोड़ दें।

## बहरा या गुणां होना

बच्चा अगर पैदायी गुण या बहरा हो या किसी चीजगी की बहरा से पर बीमारी हो गयी हो तो इसका इलाज इस तरह करें जब बच्चा या बड़ा रात को पानी नींद से जाद तो उठावे सरसने के रूख सीपी सरप छोड़े होकर एक बार दूध मरकम की पकडी आयल काष्ठ या या जेन साद पड़े। पढ़ने से हट हट अमल अमल पका जाए। इसल में जल्दी या पसाराद से काम न लें। इसलार कः कहिये तब यह अमल जाती रखे अगर मजदूरी में बाँच में गुट जाए तो कोई बान नहीं है लेकिन कौशिया यह होनी चाहिए की कोई दिन न बड़े। भीमल अगर यह अमल करे तो नाग के दिनों में पी कर सकती है।

## मवाब में डरना

हर कल कुछ न कुछ सोचने रहने से है रोनायका जो आसानी निजाल बगली है बिखार कर बहरा हो जाती है नजाल में पिसाग का क हिसा दिव पर शहरी हाकली का अयादा होता है कमजोर पड़ जाता है। और जब यह हालत सामने आता है तो डराने बजाब ज्यादा नजर आते हैं। अगर पिसाग को किसी एक बिन्दू पर ठहरा लिया जाए तो डराने बजाब नजर आता बन्द हो जायेंगे। इसके लिए बलने कितने उठने बैठने जुद और बिना जुद 'अलानु नगीकुनु' का धिरे काने है।

## बच्चों का खो जाना

बिसलान्नाहिरकानिरीम  
या इरातई मिस

﴿بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ﴾  
﴿بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ﴾

يَا بَدِيعُ الْعَالَمِينَ بِالْحَمْدِ يَا بَدِيعُ



## सर के बाल लम्बे करने के लिए

नवनी की उम्र में बाल छोटे होते हैं जो बाल में पतले हो जाते हैं बाल एक दर तक बढ़ जाने के बाद लक जाते हैं और कुछ दिनों के बाद फिर जाते हैं बाल की उम्र बार साल होती है कभी करते कभी आगते बाल फिर जाते भी यह कोई चिन्ता की बात नहीं है लेकिन अगर कभी में बड़े बालों के साथ छोटे बाल भी निकल आते तो इसकी कोई न कोई बच्चा जरूर है जिसे बौपाय का ना दिया जा सकता है। बालों के पतले में पहली अनामक बुराई होती है यह बुराई भिनावटी खाना में इस्तेमाल, तेज खुराक के भोजन, सर पीने में लाइन के इस्तेमाल, खाने में नमकीन और ज्यादा पेटपटी चीजों के इस्तेमाल की वजह से होती है इन चीजों को इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

استریندر استریندر استریندر

‘अलकरीगल आहु बल पपनागुल फाय’

सो बार एक बार इतने पानी पर दम करे जिससे अगली बार सर पुन जाए। इसी में तीन बार इस तरह दम किए हुए पानी से सर धोए। इस आमत की पुनर एक महीना है।

## बुढ़ापे में कम सुनाई देना

استریندر استریندر استریندر

इस की नमज के बार २२ बार — “फुकफागुना सबआ सफावालि बल अली सुअस्तावा अल्ल अली०” एकदर इसी पर दम करके तीन बार धोए बेरों पर बेरों से २२ दिन दू कराना जरूरी है।

## बहरापन दूर करने के लिए

कान के अन्दर हड्डी के ऊपर बाल होते हैं अगर नवनी कान

issuu.com/abulhasanibaili/odisha

की तरफ रहना हो या किसी बीमारी की वजह से ये बाल भूट हो जाए तो अंधापन की चपटे दम बालों की इतना नहीं हिला पानी दिनका सुबने के लिए जरूरी है नवनी में अंदरी कम सुबने सराग है। बहुत कम सुनाता है या हिम्बुल बरता हो जाता है इसके लिए — “गयूस-म-उल्ल मयाग” एक की लीने से पहले और दिन में दोबार की तीसे मय की लीने उजली पर दम करके कान में पुगाए। यही सबद कागल पर लिख कर लकीन की शल्ल में औरती लगे में पहले और पर बाजू पर बांधे।

## वागल में गिलटियां

استریندر استریندر استریندر

استریندر استریندر استریندر

استریندر استریندر استریندر

استریندر استریندر استریندر

‘अलिक साम या भित्तल आपगल किलानिन पुकल० अरहीम अरहीम अरहीम-’ पुनर पाउन निकलने से पहले और शाम की पाउन हूबने के बाद सो बार एकदर पानी पर दम करे और पी से जब तक बीमारी पूरी तरह खत्म न हो जाए यह उपल जागी यही और सुनू फिल बिक्कुल इस्तेमाल न करे।

## बेहोशी से हाश में लाने के लिए

“एक घांठी पर एक बार — ला लायुडू सिनगुज्जा नबपन” एकदर पानी पर दम करे और यह पानी रोमी के हनक में डाल दे और इस पानी का छीटा उसके गुरु पर मारे।

## बहान भाई का आपस में झगडा

जब ऐसी सूरत पैदा आ जाए कि बड़े बहान भाई छोटे से प्यार से पैदा न जाए और छोटे बड़े का अलब न करे तो — “नगुस

यकी रना करावो व अकीर करावो" से बार एक एक लीकियो पर ४० दिन तक रस करे लीकन यह प्यार रहे कि एक लीकिया हूरा इस्तेमाल न करे।

## बारकत के लिए

पर पा करेपार मे बारकन न लेये से तरफ बार को परेपारिया येरा जगती है और पर मे और दिन लहराई कराये हेले तले है ना बार लहराई कराये है तो ओपार पर बारुत उता अतर पड़ता है। ओपार को लहराई सही नहीं होती तो ना बार का अतर व परेपारिया उनके दिल से उठ जाता है और वह ना बार से लहरा लगी है। पर मे बारकन के लिए अल्लाह का यह फरमान बार रखना चाहिए कि अल्लाह फ़िज़ल ज़ावे करने वालों को ना प्यार कराता है कारेबार मे बारकन के लिए यह उल्लाह इस्मा सामने रखा चाहिए कि अल्लाह अल्लाह और ओपार नको सिने से कारेबार में लककी होती है इन उरणी पर जोर रखने के बारकन अगर बारकन न हो तो इस्का लकनी इस्मा पर है

विदितल्लाहिदरमानदरीम

ब स मौम अल अ ह

अ स बार अल अ न

ल न न अ स ह

६६६ ६६६ ६६६

यह नक़्शा लखेद चक्रकार या किसी मोदी कागज पर लिख कर लीकट या दोबार मे छोटी कालो से गाड़ दे। लकीन गाड़ने से पहले बानी को फिरोई बादे।

## बद बख़्सी की वजह से परशानी

विदितल्लाहिदरमानदरीम

या इदरुया यदु या यदु

अल्लाहु ला इनाक इला इला इय्य इय्य इय्य

issuu.com/abulhasanibulhasan

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
الْحَمْدُ لِلَّهِ الَّذِي هَدَانَا لِهَذَا  
وَمَا كُنَّا لِنَهْتَدِيَ لَوْلَا إِسْهَاءُ  
رَبِّنَا عَلَى الْمَشْجَرِ  
وَمَا كُنَّا لَنَجِدَ سَبِيلًا  
لِالَّذِينَ أُتُوا بِالْبَيِّنَاتِ  
وَكُنَّا لَهُمْ شُرَكَاءَ فِي  
الْحَقِّ قَبْلَ الْبَيِّنَاتِ  
إِنْ كُنَّا مُعْتَبَرِينَ

सा इस्मा इला अला मु बकानका इन्की  
कुल्लु मिन जगानिन्मीनो कुल इस्माहु अतर  
मुहिबनाहम कहुबिल्लाहि लकनीना  
अगर अतर इस्मा लिल्लाह

इसा के बार एक तो एक बार परकर रगो पर रस करे और  
शाय लीक-बार केले पर करे। यह अल्ला २२ दिन ४० दिन या  
६० दिन तक जगती रखे मेरे इस्मा हो उसके अनुसार अपन करे।

## बवासीर

बवासीर दो तरह की होती है एक छूनी दूसरी बली। यह  
रोज ज्यादा बहे रहने से, कब्ज, ज्यादा पसालेदार खाने या शाय  
गले से हो जाता है।

## बादी बवासीर के लिए

बादी बवासीर मे पाखाना करने के बाद तबाला इस तरह की  
जग कि बार शाय की बड़ी उरणी बवासीर की जग से तरह बाली  
रहे और तबाला करते बल नमान से — फिअनुन फिअनुन  
फिअल पहले रहे।

## छूनी बवासीर के लिए

"मल्लुन कफीर" तबाला करते बल इली तरह परे जिस

سُورَةُ الْاِنشِاقِ  
۱۰۷

सतर बारी बराबर से फिसलून फिसलून पड़ने की बातगा गया है ।

कभी कभी बराबर की तकदीर इतनी तेज होती है कि तेगी बहने ही लगता है और यह पहराई करता है कि दोरे बराबर की नज़ाब सुलूज चुप रहती है अल्लाह अपनी क़िस्मत में रखे । तकदीर की सतर से तेगी की न उठती है न गिरता है और न ही बहते बने फिसलता है और इस साथ करता हुआ टक़ता रहता है इसका नज़दी का इसल यह है —

तेगी "हुल्लज़ी" ता इलाह इल्लाहु! यह कर शहरात की उनली पर दम करे और यह उनली फकी से दाल है अल्लाह ने चाहा तो तकदीर फीतन दूर हो ज़रूरी ।

सफ़ेद दाग़ **سُورَةُ الْاِنشِاقِ ۱۰۷**  
हुल्लज़ी पुअिन या माअरफ़ून मन्नीन बरु हकीम! बई हिने तर्क ज़ेदी पर निब क़र पायी से योकर तीन बज़न हिए । इस तेग में परली अंता और एरी का इरोमल न करे ।

**बीमारी जो समझ में न आए**  
कामान पर—निब क़र गले से गले है

و ۴ ۳ ۲ ۱  
۱۲ ۱۱ ۱۰ ۹ ۸

अगर बीमारी दोरे की शक्त में हो तो एक लॉजिन जो कर गिला ।

**पिसे की बीमारी** **سُورَةُ الْاِنشِاقِ ۱۰۷**  
पिसे में प्यारी हो या नरत पैदा हो गया हो तो इसके लिए एक बार 'अल्लाहु' का इलाह इन्ना हुल्ल हयूनु कयूनु सुबह लाह और रात फली पर दम करके गिलाह ४० दिन यह अन्न नारी रहे ।

islah.com/abdal123/haili/odisha  
**पावश**

पेसिब साता हो या बूरी, दोनों एरली में इसकी वजह आली में बरता हैती है । इस तेग में नगीन के अन्दर पैदा होने वाली तरकारीया, तेज माली, ज़्यादा नरक पिब और मीठा बड़ा मुक़ासत देता है पुरानी पेसिब का तेग काफी दिने तक बग़ावत इलाज करने से ज़ाल हो जाता है ।

बज़न से बज़न कुछ न कुछ खाने की अलत बढ़ी मुक़ासत हैक सेली है खाने में लागू दाना, पूरा की दाल की छिचड़ी इस्तेमाल करती बाहिए । बकरी के गोमल के शोरबे शेरमक कम हो) तेरी को अच्छी तरह मिमो कर खाल । इलाज यह है—

سُورَةُ الْاِنشِاقِ ۱۰۷

विदिसल्लाहिररम्मिररम्म

'इन्तलाहा काना हिडुली शयदन अलीमा'  
एलन निबज़ने से पयले गुबह नरार पुर्र एक प्यारी पायी पर दम करके एक पहरिने तक हिए । दम किया हुआ पानी पीने के बाद आगे पढ़े तक कोई बीन खाना पीना पना है ।

**पसलियों में दर्द**

एरली, लेगन, कमर या सर में कितना ही दर्द हो कोई दूसरा अलत कुनू, काकै दर्द की जगह सात बार शहरात की उली हो 'या अल्लाहु' निब दे और इस अन्न को दिन में सात बार दोहराए ।

**पाइरिया**

यह बात याद रहे कि दातो की बीमारी का सम्बन्ध लोहे पेट में होता है । पेट अगर लकी है और दात बराबर लाग़ किये जाए तो दातो की बीमारी नही होती ।

प्रादेशिया में पड़ोसों के अन्दर पीष जग कर सड़ जाता है और फिर यह पीष बाहर निकलता रहता है बाकी खादव बीपापी है मुश्किल ही से पीषा छोड़ती है । येर की तरफों और गालों की तरफों के साथ साथ सुखर सूखने निकलने से पहले काफी दिन तक पावल के खड़े पर फुला अन्तर्मुखिता एक बार दब करके पावल की अन्तरी तरत धमसा जाय । इसकी वजह इस बात का प्दान नबै कि पृक हलक के अन्दर न जाय । पावल के पदों की अन्तरी तरत धमा कर पृक से इस अमल की दिन में तीन बार दोहराए और हर बार एक पना बैकल तीन बार बगलए इस अमल के अपने पन्दे बाइ तक न कोई चीज खाल न थिए ।

येर का बढना और मोतया कम करने के लिए

१२	१२	१२	
१२	१२	१२	१२
१२	१२	१२	१२
१२	१२	१२	१२

यह यन्त्रा एक बड़े कागज पर लिख कर राल को लेंने से पहले और सुखर उठने के बाद येर पर धैरों में मिलिया जाय । हर दिन येर को किसी बेगी में राधा जाय । पहले ही येर घटना शुरू हो जायगा जब येर अपनी अन्तरी ब्राल पर आ जाय तो यह अमल बन्द कर दे इस बीच अमल कागज पर जाय तो उसे नला दे और नए कागज पर नया दोहरा लिख ले ।

सिंहिलो या टायो के पड़ोस का बैकल हो जाना

काले तिलों का आधा सेर तेल अपने सामने निकलवा । उस

पर—

कुलु शयनन यमिक इला अगलिनि

प्याहल हजरा बार एक कर दब करे । तारकीब यह है कि तेल किलो सेकल में काढ़ लगा कर रख ले दोन एक बार में शिरोन

isshu. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

कर काढ़े चीज कर सेकल में पूर भर और सेकल पर काढ़ नाल दे इस तरत, प्याहल हजरा की तावर पूरी कर लें । इसीमल का उमरा यह है—येर तीन घागा सेन सेती पर लगा कर बाइ और तीन तीन घागा सेन हल्के हवासे से पुटनी और सिद्धिलो पर मालिया करे ।

## पिप्पी उखलना

पापी में खोप का धेरा या बीनी फेल कर ११ बार ' कुन कुयहू' पढ़ कर दब करे और सेगी को दिन में तीन बार मिलाए । एक बार ही यह अमल कर लेना काफी है अगर बीपापी में जोर हो तो प्याहल दिन नक़ या न्यादा से ज्यादा २२ दिन तक जागे रहे ।

## फुसी, फोड़ा व खाशिश

ल	न	न	ल
ल	न	न	ल
ल	न	न	ल
ल	न	न	ल

बीनी की तरहर चेर पर यह यन्त्रा जाने के जुर राग से लिख कर पापी से घोकर लिख और ७८ के दिन बड़ी खेरे पर लिख कर पापी से घोकर एक बाल्दी पापी में डाल दे और उसे पापी से बाल्दी पापी की फुसिलो के लिए २२ दिन कोही के लिए एक मकाना और घुस को लफाई के लिए एक चेर लेनना चाहना दिन तक दोहराए ।

## पेशाव की बीमारियां और उनका इलाज



## पेशाब में खून आना

३६

पेशाब में खून आने या नलन की दमक बहुत है जेसे गुला या घासाने में पयारी की कनह से घर भिकाया हो सकती है। बहुत ज्यादा पय बर्जो या सल भिब खाने से भी पेशाब में नलन हो जाती है। पेशाब की रोगियों में नुकसान देने वाली खाने की चीजों से परहेज के साथ साथ एक बार —

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
مُرَادُكَ يَا رَبِّ اَلْهَيْفَ اَلْهَيْفَ اَلْهَيْفَ

विश्वस्वातिरंरगानिरेतिम

‘दुखलागुल बीअुलरुलरुल अलमालन दुसना’ पढ़कर पानी पर दम करके दिन रात में आठ बार पिलाए।

## पेशाब रूक रूक कर आना

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
مُرَادُكَ يَا رَبِّ اَلْهَيْفَ اَلْهَيْفَ اَلْهَيْفَ

गुलर सान निकलने से पहले और साप को सुल दूने के बाद प्यास बार — विश्वस्वातिरंरगानिरेतिम

‘अलमालन दुखलागुल अरंरगानिरेतिम’ पढ़ कर पेट पर दूक मारे। जब तक बीमारी से पूरी तरह नलन न पाये यह इलाज जारी रहे।

## पेशाब चार चार आना

रात के जल अकेले में बैठकर सौ बार या ईन या ईनलाग या अल्लाहु पढ़े और पेट पर दूक पार दे। तीन महीने तक यह अलज जारी रहे।

issuu@icbim@hotmail23/mail/odisha

३७

अ	सा	म	ह
क	ख	ग	घ
च	छ	ज	झ
ट	ठ	ड	ढ
त	थ	द	ध

यह मश्रा खाने के जुर रा से किसी मोमी कागज पर लिख कर लिख कर राते में दाते और खेतों पर लिख कर रोपकर गुलर बाग एक एक लेंद पानी से पोकर पिए या कोई दूरी लखब लिख कर पिलाए।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
مُرَادُكَ يَا رَبِّ اَلْهَيْفَ اَلْهَيْفَ اَلْहَيْفَ

सुनाक, अतिरक-

विश्वस्वातिरंरगानिरेतिम

या रफेनु या रफेनु या रफेनु

या बरुड या बरुड या बरुड

या बदीड या बदीड या बदीड

या बदीअल अलमालन मिल बीरी या बदीड

जब की पानी पिए यह अलज पढ़कर पानी पर दम कर से।

## तवाइला रुकवाने के लिए

कैदरी के लिखिले में किसी नगर से दूरी नगर या एक नगर से दूरी नगर में तवाइला हो गया हो और उसे लकवाना हो तो इलाक लिख इला की नयाउके बाद ५६ दिन तक ५६ बार तब्बल करा अभी तक बिना तब्बल(पूरी दूरी) पढ़कर हुआ रहे।



बान में झटके लगना या किसी अंग का जकड़ जाना, इसके बाद खून का दबाव हो या खून की कमी दोनों इतनी तेजी से बढ़ें कि रक्त से जेठे पर चिनें। एक मुसल और एक शाप यानी से पीकर ५५ दिन तक चिगाए।

## टॉक्सिन्स और कंट माता

राख का धूँ (जबड़े से पहले जब धुँ को है जो उज पर राख जमाया गुरु हो जाती है इस राख का कुछ हिस्सा लहेक होता है यही राख का धूँ है) लालतन की उमरी के पहले पोरे पर लगाए। एक बार या बहुत, एकदर उसके ऊपर दम करें और उमरी से प्रभावित जगह को (X) बनाए। अगर रोग फैला हुआ हो तो इसी तरह नवी राख देकर दोबारा और भीखी बार भी करें।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
اَللّٰهُمَّ اِنِّىْ اَسْأَلُكَ  
اَلرَّحْمَةَ اَلرَّحْمَةَ اَلرَّحْمَةَ

टी० बी० (गोलेक)

विश्वस्वल्गाहिरावर्णनरंजय

अनिक नाम या चित्तका आपातुन किताबत मुबिन०

अरंभित अरंभित अरंभित

मीन लोने पर लिख कर एक सुबह एक शाप और एक रात को पानी से पीकर ६० दिन तक चिगाए। टी बी के इलाज में रोगी इतना भी बहुत प्रभावशाली है तबसे में यह बात आयी है कि नीली किण्व के लेने से गले और इलाज में हो पाने वाली फेफड़ी की भी पूरी तरह सेहत चिख गयी है किनाब 'रंग' व 'रोमरी' के इलाज' में दूध पीना और इसके इलाज पर रोमरी खली पानी है।

## जिगर की तमाम बीमारियां

विश्वस्वल्गाहिरावर्णनरंजय

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

issuu.com/abctulhudaibulhasani

कालस बहुत चिदारन मिल कीलोगि लकी एक कारण पर लिख कर लोडिंग बना दिया जाए। ओते पने से पहले और मंद बाटू पर बाणे। इसके अलावा कारण या लोडो पर लिख कर पानी से नगर पुरे लिए दिया का गूँ को बराबरी से अगर लिख पर बरप आ जाए तो क भी इस इलाज से बरप हो जाता है।

## जयानी में वचपन की शक्त

जेहन की वे पेशिगी जो विश्वाजी साख को बकने में लखुजान रबती है अगर किसी बरत से प्रभावित हो जाए तो इसली चेहरा नकली से भी बकने देना नजर आता है इसके लिए चाहिए कि गुनन किबने से पहले और एत को सोते खल तुलू करके विश्वस्वल्गाहिरावर्णन के बाद एक हजारा बार या शाफी एकदर दोनी हथी पर दम हरे और रंग चेहरे पर करें। इलाज की मुदत कम से कम तीन जगने और ज्यादा से ज्यादा छः पहीने है।

## नियान

विश्वस्वल्गाहिरावर्णनरंजय

या शाफी या शाफी या शाफी  
या काफी या काफी या काफी  
का बहुत या बहुत या बहुत  
या रंथीय या रंथीय या रंथीय

एकबार एक पानी पानी पर दम करें और सुबह नगर पुरे पान निकलने से पहले चिगाए को बैककर एक एक करके पी न कब कने वाली व पान सोने में जाए।

जानवरी में दूध की कमी  
विश्वस्वल्गाहिरावर्णनरंजय  
बी १-पा-रंथी चिखी  
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
فِي تَحْقِيقِ حَقَائِقِ

६६	६६	६६
६६	६६	६६
६६	६६	६६

। किंती ऐसी सफ़े लकड़ी पर जिससे बन्दू न हो वह नञ्जलिखिब का लकड़ी में सुगन्ध करके होती से बकरी, गाय, या बिल के गोबर से बना है । अन्तर्गत में बाधा दूध की कमी पूरी हो जायगी ।

## जिंसी कशिश पैदा करने के लिए

कुछ हाथों में ऐसी हातल पैदा हो जाती है कि औतल या मर्द के अन्दर जिंसी जन्मा या तो बहुत कम हो जाता है या बिल्कुल नहीं रहता इन दो रीत करने के लिए एक कामान्द पर 'अल कुरान-अल-कुरान' लिख कर औतल बाँधी में और मर्द बाँधू पर बाँधी ।

## जिंसी चाहत (गैर मर्द या औतल) खत्म करने के लिए

कुछ करके तीन बार

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
اَللّٰهُمَّ اِنِّىْ اَتُوبُ اِلَيْكَ مِنْ كُلِّ ذَنْبٍ  
اَعْمَلْتُهُ مِنْ قَبْلِ هٰذَا وَ اِنْ كُنْتُ  
اَعْلَمُ بِذَنْبٍ اَوْ اَعْلَمُ بِذَنْبٍ  
اَعْمَلْتُهُ مِنْ قَبْلِ هٰذَا فَاصْرِفْهُ عَنِّيْ  
وَ اَعْلَمُ بِذَنْبٍ اَوْ اَعْلَمُ بِذَنْبٍ  
اَعْمَلْتُهُ مِنْ قَبْلِ هٰذَا فَاصْرِفْهُ عَنِّيْ

विश्वाम्नाहिरविश्वाम्नाहिरहेम

'ना इलाहा इल्ला अल्ला तुल्लातका इन्नी कुजु  
मिन्नामिदीकीनो अल्लाहु दुल्लामागिनी बल ओरिंन वा  
मायुगुदु मिन्ना वा मायुगु पादकर एक पानी पर सब को  
और दिनार । पर अन्न खाती दिन तक करे ।

## जिन्नाहू, कफ़ाफ़ेह, ताहिड/नाहिल/वोशिश

ज्यादा तर हातल में जादू का ज्वाल बसने से ज्यादा होई  
मरत नहीं रहता लेकिन जादू से इन्कार भी नहीं किया जा सकता ।  
जादू एक इत्मा है जो कुलजल से बालिका है हकीकत में अगर किसी  
आदमी पर जादू का असर हुआ और कोई जानने वाला होते बला  
भी है कि जादू किया गया है तब यह इत्मान किया जाए ।

(गुनाह सहते उठ कर फूट की नपाज पड़े और सूर-कुल अजन्म  
बिस्मिल फलक पहले पढ़ते सगुन्द या दीया या नदी पार कर ले ।  
सफ़ा के शेरान बाग़ बनाना मना है नदी या दीया पार करने के  
बाद पानी के किनारे पूरा की तरफ मुँह करके उकड़ू बैठ जाए  
और शहरत की उमाली से (हिमाद हासल जाल) लिख कर हाथ से  
पिटा है । लिखने गैर पिटने का यह जमान हल हात में सगुन  
निकलने से पहले किया जाए । किसी जगह सगुन्द या दीया या  
नदी न हो वहाँ आबादी से बाहर कुछ के पानी में जमने दोहेरे को  
बिसे ।

## जिन्नात के लिए हाजिरात

अगर बीमारी का सही पता न बने और यह कहा जाए कि  
इस पर जिन्नात का साया है तो ऐसी की साँसे बिना करे—

विश्वाम्नाहिरविश्वाम्नाहिरहेम  
या हकीनु या हकीनु या हकीनु  
या बदीऊ या बदीऊ या बदीऊ  
या बदीऊ अलजानाहिर विश्वाम्नाहिर  
या बदीऊ  
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
اَللّٰهُمَّ اِنِّىْ اَتُوبُ اِلَيْكَ مِنْ كُلِّ ذَنْبٍ  
اَعْمَلْتُهُ مِنْ قَبْلِ هٰذَا وَ اِنْ كُنْتُ  
اَعْلَمُ بِذَنْبٍ اَوْ اَعْلَمُ بِذَنْبٍ  
اَعْمَلْتُهُ مِنْ قَبْلِ هٰذَا فَاصْرِفْهُ عَنِّيْ  
وَ اَعْلَمُ بِذَنْبٍ اَوْ اَعْلَمُ بِذَنْبٍ  
اَعْمَلْتُهُ مِنْ قَبْلِ هٰذَا فَاصْرِفْهُ عَنِّيْ

बाई सुकून और इन्दीमन के साथ ११ बार पढ़े और ऐसी पर  
सब करे दस करते यन्त्र यह कल्पना होनी चाहिए कि मैं और ऐसी  
होने अंगे गुलजला के नीचे है अगर ऐसी पर जिन्नात का असर

जिस्मानी और रुहानी सलाहियतों की तजदीद

घोरी की आदत छुड़ाने के लिए

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
 يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ  
 يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ  
 يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ

या हकीनु या हकीनु या हकीनु या हकीनु या हकीनु

www.abdullah3naji.org/oclisha  
 رَافِقُ وَالْأَلْبِـرَاقِ

चोट से तकलीफ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
كَلَّ يَوْمٍ هُوَ فِي شَأْنٍ

चलने फिरने से मजबूरी

एक भार—

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
قُلْ إِنِّي الْأَوَّلُ بِمَا تَكْذِبُونَ

“रविभाष्य आताई रत्नकुपा नुकीजिं बानां पदे और पागे मे एक गिरह दे। इस तरह ११ गिरह लगाए और यह गंडा सेगी के नले मे डाल दे टीक होने के बाद गंडा उलार कर नहर या दरिया दे बहा दे।

## वेहरा खुवसुल और आकर्षक बनाने का लिए

कुछ वेहरा ऐसे होते हैं कि ज़राही न होने के बावजूद आकर्षक नहीं होते। इस सल्ल से कभी कभी बड़ी ज़यादा होती है और कोई अतीत लगातार नज़र अंदाज़ होता रहे तो वह कम दिखती का शिकार हो जाता है।

५ बाल कलम व जगुन कलम

न	म	न	म	न	म
ह	व	ह	व	ह	व

✶

अंकी तरह की काली चमकदार रियनार्ड से जुन स्केन सफ़र ज़ात पैपर पर सुन्दर लिख कर फ़ैम कर दिया जाए। इस नज़रा की राल को सोने से पहले तीन बार पिस्ट की रीने से रस या पन्ड्र मिन्द रोज़ देखा जाए। एक ती बार --- काला या गुलाा हाता गनानुन व सेंकड मिज़ा अन० पदकर एक जोरे पानी पर रस करे और उस पानी से पूरे बाल पुष्ट होने के बाद दोनो गाल बरपार तेलिया या कपड़े से वेहरा सुखाए बिना सो जाले अजबता पानी बिखारे या गमने में हलते बालों के बहुरावति न हों। इतान की मुदत कम से कम ज़ादतीन दिन और ज़्यादा से ज़्यादा ६० दिन है। औरते नोपा के दिन पिन कर बाद से पूरे कर लें।

## नौस

इजाने की ज़राही वेहे की छुल्की को बन्हा से बहुत ती बेमरिवा पैरा हो जाती है इती न से एक रोन भैस की है जब डेट नो भैस ज़्यादा हो जाती है तो पर दिन के आयास नया हो जाती है और दिन पर रबाल धराना है और ज़ादती का रस पुदने लगता है पर भैस सर की तरफ़ चली जाए तो ज़्यादा ती सी का सर दर नो बलिया नो ज़्यादा है इसका बन्हा राने की तरफ़ हो जाता है तो इताने ने दर और कज़ी कज़ी सललगाद होने लगती है।

ISJUMI, BIKRAMI/ABDULHADI/PAKISTANI/HEMISTEEN

जाती है जिसकी वजह से वोही ज़्यादा जाती है ज़ाती में पर भैस जगल सगात दर पैरा कज़ी रहे और रसाल कोई इतान न हो तो ज़िगर और ज़ाती की कई बीनारिया पैरा हो जाती है।

बाद में तन्दोही और परहेज के साथ भैस बौनियन का दर, ज़ात का बदन, ज़ाती की बज्जोरी, रसल और इताने बीनारिया के लिए ज़ाद रा की साफ़ एक बिनारिया शीती ज़ात कर ज़ाती पका हुआ पानी बरे और ज़ाती मज्जु करके रसा दे। पानी भरते बरन इस बाल का ज़ाला तले कि शीती का ज़ाती बिस्सा ज़ाती रहे। इस शीती को ऐसी जगह हूा में तले ज़ात सुक़ से तीन बार बने साथ लक़ पूरा रहती हो। साथ के बज़न शीती ज़ात हैं। इस पानी में ज़र्रे के रा पोल कर रोयनार्ड बाल और इस रोयनार्ड से सफ़ेद कौती की तीन ज़ाद स्कोट पर ज़ाला ज़ाला पर नज़र लिखे।

बिस्सलहदिनार्दतीन

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

रियानीना रियानीना रियानीना  
माशा माशा माशा  
रियानीना रियानीना रियानीना  
माशा माशा माशा  
रियानीना रियानीना रियानीना  
माशा माशा माशा

رِيَّانِيْنَا	رِيَّانِيْنَا	رِيَّانِيْنَا
مَاشَا	مَاشَا	مَاشَا
رِيَّانِيْنَا	رِيَّانِيْنَا	رِيَّانِيْنَا
مَاشَا	مَاشَا	مَاشَا

गुहार नमोते से पन्ड्र मिन्द पहले शेखर और राग के भाते से ज़ादा पन्ड्र पहले एक एक स्केट पूरा में किया पानी से गो कर लिए

हस्त करने वाले, दुश्मन को शराहत से बचे रहने के लिए  
 पूजा की उपाय नामों के बाद या तब को लेने से पहले अन्ततः  
 अंगिर ११-११ बार हस्त शक्ति के साथ

विश्वाम्भारिहोवाग्निर्देव

नारायणनारायि व पुनर्दुन कर्ता

पूरे पाते अन्ततः ने बाता हाथ और दुश्मनों की शराहत से बचे  
 रहने। यह अन्ततः के बिना पढ़ने की शराहत से बचे  
 देती हस्त ने हस्तों तब से बचाने के नारायण नारायि के  
 हो जाए कि बड़े आदमी दुश्मनों कर रहा है।

## मर्जों की शादी के लिए

तवीन निबन्ध का तरीका

नीचे दिये हुए नमूना के ऊपर बार्तिक कागज रख कर जाने  
 बना तो और कागज को अलग करके ऊपर विश्वाम्भारि शक्ति निबन्ध  
 और फिर बाते हस्त तब तक कि पढ़ने वह बार जाने निबन्ध निबन्ध  
 नमस्त एक श्रुता गया है फिर नमस्त दो का पर। इसी तब तवीन  
 से आगे जाने निबन्ध उसके नीचे तो शादी करना बायला है उसका  
 नाम और उस नाम के बाद उसका नाम जिससे शादी करना चाहता  
 है लिखे।

विश्वाम्भारिहोवाग्निर्देव

नमस्त नमस्त नमस्त नमस्त

अन्ततः अन्ततः अन्ततः अन्ततः

अन्ततः अन्ततः अन्ततः अन्ततः

ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ

(१)

(२)

(३)

(४)

issuu.com/abdul23

बनम यतिरु सप्त अस्त्रागुरु

कुल अगुरु कुलुन नहु व

यतिरु सप्त अस्त्रागुरु अन्ततः

अगुरु कुलुन व - अन्ततः

ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ

अन्तः

यह अन्तः यतिरु अन्त तकिसे के नीचे रखे। अगर बहुत  
 नमस्त अन्त यतिरु तो दो यतिरु के बीच हस्त बाहिरे रखार नमस्त  
 हस्त यतिरु को खनन कम से कम दो सेर लेना बाहिरे रखार नमस्त  
 खननी हो तो कोई नही लेकिन दो सेर से कम न हो। ये यतिरु  
 नमस्त पर रखे किसी नमस्त, बाकी या तबका पर न रखे नमस्त। यह  
 अन्त केवल नमस्त नमस्त के लिए किया जाए नमस्त नाम के  
 लिए न करे बरना नमस्त होगा।

## सफर में हिफाजत के लिए

विश्वाम्भारिहोवाग्निर्देव

सफर पर जाने से पहले पर या जाने वाले स्थान से निकलने  
 के बाद— या हकीम या बहुत या रहीम या मुहिम या हकीम  
 या बहुत या बहुत या अन्ततः या हकीम यतिरु अन्ततः की तब  
 पूरा करने पूरा बार है। अन्ततः ने बाता तो यतिरु के तब  
 से नमस्त रखे। सफर ने नीली मरद भी नमस्त होगा।

शक्तिरु की कमजोरी दूर करने के लिए

यतिरु नमस्त पूरा पूरा या कुल्लो करके तब यतिरु व सा  
 गुर्बतियर तीन बार पर और यतिरु पर तब करके दो से हस्त अन्ततः  
 को ५० दिन तक नमस्त रखे अगर किसी बरत से माया तो जाए





या किसी जगहोंसे कोई जैसे लाग, बिछु, भिन्न, शरद को पकड़ी  
अधिक के कानों से भी अलग बहू प्रभावित हो जाए तो एक बात—

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ يَا إِلَهَ الْإِلَهِ  
يَا دَاؤِدَ بْنَ جَدِّكَ الْيَسَّارِ

विश्वज्वालाहंरामनिर्दिष्टम

‘या रंघु या अन्नाहु या मुर्दि या रंघु या रंघु  
या रंघु या अन्नाहु या मुर्दि या बर्दाअल अन्नाहु  
मिल बैयरी या बर्दाअल’ पदकर गयी पर दम करके योगी को  
मिला और विक्रमी मिट्टी के देते पर दम करके बार बार सुयाए ।

## दांत पीसने की आदत

सोने के दौरान दांत पीसने की बीमारी कई बार के अगला  
पर होती है इसके एक बरत घेठ में केबले या कीड़े की होती है  
बहरहाल बरत कुछ भी हो योगी जब गडती नींद तो जाए तो उसके  
पास सरखने की तरफ चढ़े होकर इतनी आनाउ से कि नींद खराब  
न हो, कुछ दिनों तक कोई साधन ‘काफ ला या ऐन साद’ यह पढ़ने  
नकल लखने में हट, जल्द की दूरी बरतार होनी चाहिए ।

## दम्मा

अन्नाह के कारण के लाल आदमी असल में रोमनिचो का  
मनुष्य है इन रोमनिचो के ऊपर उसके जिन्दगी का अगला है बहुत  
सी बीमारियाँ रोमनिचो की कमी से पैदा होती है और बहुत सी  
बीमारियाँ रोमनिचो की अभावना से पढ़ने में आती है ।

रोमानी एक तरह की नदी होती बहिक इतनी जिन्दगी में दौरा  
करने वाली रोमनिचो की किसी अगला है हर रोमनी का अगला

ISSUAP... है साफ है लिए हम  
इन रोमनिचो की अगला अगला भी है  
इतनी की कडा से मिलते है और इसकी रियाग पर उतर कर  
किस तरह दूधले है और बिजली है दूधले और बिजली के बार  
रियाग के कई बरत से इन से किस तरह प्रभावित होकर इसकी  
को पैदा करते है इसका एरा बयान ‘रा और रोमनी से इतलन’ में  
भीनुर है ।

दम्मा और नैकुन्नाहा की बीमारी भी रोमनिचो में कैलस न  
होने की वरत से होती है वे रोमनिचो जो एरे जिस में बुरा की  
गर्दिश भेजे की निम्नतर है इनमें सन्तान नही रहता । नतीजे में  
एदो की भेलाहट जो नले एराओं से विकसनी चाहिए वह पूरी तरह  
नहीं विकल पाती और जब यह बुरा एरे जिस में दौरा करके केकुली  
में पड़ जाता है तो केकुली की नतिचो में यह भेलाहट जमा होती  
रहती है इस भेलाहट में गुल में बहने पैदा होती है और फिर वायस  
पैदा हो जाती है जब केकुली इन बहुत सी छोटे छोटे कीटाणुओं से  
भर जाती है तो केकुली का जीवन सिस्टम खराब हो जाता है जिसकी  
वरत से तास भेजे से कानों परताली पैदा आती है और इतने की  
दम्मा की नाम दिया गया है इतलन यह है

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ يَا إِلَهَ الْإِلَهِ  
يَا دَاؤِدَ بْنَ جَدِّكَ الْيَسَّارِ

विश्वज्वालाहंरामनिर्दिष्टम

या कोरिडु या कोरिडु या कोरिडु  
या कोरिडु या कोरिडु या कोरिडु  
या कोरिडु या कोरिडु या कोरिडु





## 59

डिपथारिया (खान्नाकं)

## स्वाद खराब होना

# जिधावतीस

55

ॐ ह्रीं क्लीं

हमजा अ र क

४३८

2	3	4	5
6	7	8	9
10	11	12	13
14	15	16	17

पाठ से परहेज ज़रूरी है, अन्वयता जानुन इस रोग में खाना ठीक है काला घना (छिन्ने समेन) पिसला कर उस आटे की रोटी खाना ज़िन्दाबनीस में खास तौर पर लाभदायक है।

छाना जिपबनीस में छान तौर पर लानदायक है ।

दिमाणं बेकार हो जाना

सामान्य ढँहनी दबाव, असामान्य क्लामिका या किंती और कबल से अणार दिगाणी केकरा रहता ही याति कोरि बाल सामय मे नही आती हे। दिगाणी या किंती सेनामई से तोपान के बाहुल्य ओरे दुक्को सो बेसी गुलन मे कलमी सेनामई से तोपान के बाहुल्य ओरे दुक्को या ए के किंती निहिले जाए और सेनामई से दुक्को के दहको गुल सेनामई या दह कर पनी की नान गुलाना ।

यह कहानि ऐसी कहानि बनाना चाहिए, जहाँ ऐसी ही के अलावा कोई और आदर्श ही न हो। इसके बिना का कहना बड़ा अशुभ है।  
पूरी होने के बाद पुरुषों का यही आदि बन्द रहने आने मिल  
के अन्दर है। गुलाबका फूल मिल गये थे जोसे फेरे कर दिया जा।  
इस कहानि के जेहन में ऐसी कहानि आने जाती है जिसमें मस्ती  
कहानि में मस्ती के तपस में आ जाता है और जेहन के अन्दर  
कहानि का मुकामना करने की ताकत पर ही जाती है।

राग फटने से खून आना

सखा घोट की वजह से कोई राग फट जाए और उससे खून बहने लगे तो यह खतरे की बात है इस सूरत में लाए जाही नहीं जायेंगे। बरतनी चाहिए जल्दी ही इलाज करना चाहिए। साथ ही—

‘कालं यद्वत् सिदान् विकल्पिणी रम्भी’

केट पर खाते के जूदे राग की रोपाई से निबका रोमी को  
बाग बाग भिलाई बेरोमी की सारल में पायी धामने से उगाई हलक  
में काली ।

## कपकपाहट

يَسْبِغُ اللَّهُ الرُّضْنَ الرَّضِيحِيَّةَ  
الرُّضْنَ عِلْمَ الرُّضْنَ حَقَّقِ الْأَنْفَانِ  
عَلَيْهِ الْأَيْتَانِ ۝ الرَّضْنَ وَالْقُرْمِيَّةَ

किसी मोमी कालन पर बिस्मिल्लाहिर्हमगिरहेम

अर्हमाजु अल्लमल कुआन० क्कमकल इसातल अल्लमजुल  
कपात० अशरामु सल क-म-क बिहुरबात० बिबक एक नावीजु गले  
में सतना है और एक लकीज सुबह नकार पुरु रोहन पायी से पीकर  
काफ़ी दिना तक पिपाए ।

## रसौली

يَسْبِغُ اللَّهُ الرُّضْنَ الرَّضِيحِيَّةَ  
يَا بَيْتُهَا الْفَحَائِشِ وَالْبَيْتُ يَا بَيْتُهَا  
يَا بَيْتُهَا



रसौली निरम में किसी मो जगह हो बिस्मिल्लाहिर्हमगिरहेम  
‘या बदीअल अनाओबि बिन कैयरी या बदीअ

(लायरी के काल में निजु बनकर इस तरह काटे कि काल की  
काल बन जाए) कालन या केट राग को गुलाब के ऊर्क से  
बिबककर बिन में रोहन बाग बड़ी पायीनी तक लिए जब तक रसौली  
बालन न हो जाए ।

## शामल्लगी हिमल्लगी रम्भी रसिहमल्लगी

### व कदम वासी

पारे नक रहसुल बिन आनमीन सरकोर से आनम हुजूर  
सल्ल० की निबकान और क्लन बेसी हासिल करने के लिए इना  
की गपान सल काली से निपाट कर राग की सीने से पाले — सामल्लगी  
मलाला अल हकीमहि मुसमहि० शाल्लम०

سَلِّ اللَّهُ عَلَى عَلِيٍّ وَآلِهِ مُحَمَّدٍ وَآلِهِ  
يَسْبِغُ اللَّهُ الرُّضْنَ الرَّضِيحِيَّةَ  
يَا بَيْتُهَا الْفَحَائِشِ وَالْبَيْتُ يَا بَيْتُهَا  
يَسْبِغُ اللَّهُ الرُّضْنَ الرَّضِيحِيَّةَ

बिस्मिल्लाहिर्हमगिरहेम

या वरदु या बदीअल अनाओबि बिन कैयरी या बदीअ  
बिस्मिल्लाहि अल गालिक जल्ला जलामु या हकीजु

सीन सी बाग एदकर आबे बन्द करके पदर भीस फिज हुजूर  
सल्ल० की कल्पना करे और बाग किसे बिना रंगी बनाना की कल्पना  
रखने जु सी जाए । २१ दिन के इस अमल की बरकत से अल्लाह  
से पागन तो हुजूर सल्ल० की जियात और कदम रोमी की सजावत  
नसीब हो जाएगी । जियात की बजावत हासिल होने के बाद भीने  
बालन एका कर बच्चों की खिना है ।

### शादी के लिए

राब कालों से निपाट कर राग की सीने से पाले अल्लम ओबिह  
प्याह प्याहल बाग दलद शरीफ पुरने के बाद राग इज्जतल ४१ बाग  
पड़े । केवल सादी के लिए दुआ करे अल्लम की मुदरत ८० दिन है  
नरा इलाक में पायी या शादी हो जाए तो भी ८० दिन पूरे काला

नरती है और तेरा गाना के दिन निम कर बाद में पूरा कर ले।

## पति का गुस्सा खत्म करने के लिए

मैंने पति के गुस्सेबाने ज्यादा गहरा करने वाली होती ह इससे अन्दर गुड़बन्त का तपस्वी सपुन हो है जिसकी वजह से नरती इसकी का बहुत और बढ़ती जाती है अगर बीवी के साथ पूरी गुड़बन्त की जाए और पति को तारफ से उसे जेहन्नी सुनू मिल जाए तो सारा की अनेकी गुड़बन्त खत्म हो सकती है जिसकी असर सीसे आने वाली नरती पर पड़ता है। पति के बुरे सुनू से नरती पाने के लिए इसी की नमाज के बाद बीवी अन्तत आखिर प्यार प्यार बाद दखल शरिफ के साथ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
اَللّٰهُمَّ اِنِّىْ اَسْأَلُكَ بِرَحْمَتِكَ الْعَظِيْمَةِ

विश्वासलाहरेमजिदरीहम

विश्वासलाहरेमजिदरीहम गुस्से पर बैठ के एक रातही पड़े और हुआ करे। अगर ऐसे हालात पैदा हो जा कि पति तलाफ देने पर तैयार हो या उसके अन्दर बीवी की अलग करने की फिर पैदा हो जाए या बीवी की घर से निकाल दे और बदले के तहत उसे घर में नुलए तो बीवी को चाहिए कि रात की सोने से पहले कुछ कारके गुस्से पर बैठ कर — 'कुल हुल्लानुहु अ-ह-जुन' पूरी पूरा पढ़कर बात बिदे बिना बिस्तार में नसी जाए और तैकरा आख बन्द कर ले और अपने पति की कड़वाह बरती करते तो जाए इस अन्त की मुदत भी ८० दिन है।

## पति के साथ बीवी की ज्यादाती

इस आदमी तीन कमजोरीयो से परा हुआ है — दुख्खन की कमजोरी २- जिस का मतबा ३- गुस्सा। ये तीनो कमजोरीया औरत और मर्द दोनों में होती है। कुछ परानी में औरती में गुस्सा इसका

اِسْمُ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
اَللّٰهُمَّ اِنِّىْ اَسْأَلُكَ بِرَحْمَتِكَ الْعَظِيْمَةِ  
बसान कर चुके है बलाए बीवी के पति पर असर करे।

## मियों बीवी का आपस में लड़ना

हामी दोनों हाथों से बरती है फिर बीवी बीगे बल से थार पर आपस में लड़ने रहे तो उस घर की हालत खराब हो जाती है और जीवन की तबियत में बड़ी खराबी पैदा हो जाती है इस का इलाज इस तरह करना चाहिए कि मिया बीवी दोनों में से कोई एक अनारद की तबियत की खराब खराबी दे और बासोस रहे बास मिलाव तो आपने सुनि होनी एक बुरा सी हालत आए दोनों में से

اَللّٰهُمَّ اِنِّىْ اَسْأَلُكَ بِرَحْمَتِكَ الْعَظِيْمَةِ  
وَبِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

बिती की तबियत में खराबानी की यावता हो तो — 'वन कड़िजनीना' अल गुपना दल-अफरना अविनगीत वलाह सुहजुल मोहोनीन' इस नमाज के बाद तीस बार पढ़कर एक मूट पानी पर रख करके पिए।

## शऊरी कमजोरी खत्म करने के लिए

इंसान के अन्दर दो दिमाग काम करते हैं एक को हल गारद कहते हैं और दूसरे को नयागार कहते हैं गारद लायार की दो दुई लहरीको को कुछ कारके इतने अन्दर हलाय बरती है और हल इन हलाय से काम दिना मिलकाना है अगर गारद कमजोर है तो बल ना शऊरी तारकी को पूरी तरह सुनू नही करता नतीजे में विनयगी में काम आने वाली बहुत सी सलाहियाँ से हल मारकाम हो जाती है और हल 'कृत्य पर हने मुश्किली का सामना करना पड़ता है। गारद की इस कमजोरी को दूर करने के लिए नरद के रा और

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

يَا رَبِّ الرَّحْمَنِ اللَّهُ  
يَا رَبِّ الرَّحْمَنِ اللَّهُ  
يَا رَبِّ الرَّحْمَنِ اللَّهُ

विश्वस्मृत्यादिर्दहमानिर्दहोम

या रज्जुरहीम अत्ताहु या रज्जुरहीम

या रज्जुहराम अत्ताहु या रज्जुहीन

या रज्जुरीम अल्ताड या रज्जुरीम

या ददीअन अजातिवि बिलखिपरि या बदीऊ

यह ऐसा रोग है जो आम तौर से चूहों के जरिए फैलता है

[illegible]

ज्ञानात् परं हि

الملك قوتش. فاما انك بعد وفاءك لغيره  
ياخذون ولا يحل لك ان تتركه بعد ما  
ياخذون من شئ الا انما ياخذوا  
الله فان ختم الربيع بعد الله  
فما رجا عليكم انما انتم به. فلك  
خبر الله فلا تتركوا ما قد

अलाताहूमर्दानि पदमाभुन विमासीक अब तताहिन पिह  
सान० कता यहीन् तनुम अलाताहूमिमा आतय गुमुड्ना शयअन  
इला अय्यप्रापा अला मुकीमा हुदुल्लाहि० फइन पिज्जुम अला  
मुकीमन हुदुल्लाह० फना नुनाता अलवाहिमा फीमफनरूहो बययता  
अब हुदुल्लाहि फजारीका हुनुनगिपून (बका अयत)

[illegible]

## अकूटीना खराब होना

अकूटीना जब खराब हो जाता है तो इन्फ्लून् के सिवाय मे ऐसे कजबहे और बिमार होने लगते हैं जिन से बुद्धा ब रहसू और मजबूत से उकागाहट पानी जाती है और यह उकागाहट गिर आनासारी होती है। अकूटीने की बुगबी और नमीय की क्वागता से नजर न आने क्वाग एक बन्दूगार कोश उसके भेद मे पैदा हो जाता है किमकी बन्दर से यह इनका बेयन रहता है कि उगर्दी पिगल बड़ी से बड़ी बीमारी से नहीं सिजती। अक्ताह धम सब को अकूनी बागल मे रही इस तक्कीफे देन बारी नुक्सात से नजलत पाने के लिए कौरे या मुने हुए छदर या लठठे का एक कुर्मी सिनवाया जल। यह कुर्मी बारी निराम पर एक एक मासिल ज्वाग हो और रखने तर्क नीया हो आलोन मे भी एक एक बासिल खुसी हुई हो। बिती ऐसे कसरे मे लिगमे अकूता हो (अकूता न हो तो अकूता बर बिग जल) यह

ہم مل پیر جانا اور بڑھوں کا  
پہا ہوتے ہی مر جانا

कुर्मा कल कर पदर मिदर तक रखते और दखते रहता— 'अकूतु हिल्लिहि रिबल अलामिन अकूमारे— धीमं मातिक्वापिदिमं' पहले कल पदर मिदर के बार असे ही मे कुर्मा उगा कर तर करले उगी कसरे मे बिती मरफूल नोठ रह है। जेब तक अकूता रहता न हो उती बरल तक यह अमल किया जाए। केवल अकूता राते हैं।

issuu.com/panjabisdishan

## बीमारियां

### हमल पिर जाना और बच्चों का पैदा होते ही मर जाना

ज के देर मे बच्चे की सही परवरिश न होना या बच्चे का पैदा होते ही मर जाना, इन हालत को बन्दर या के हिमाल मे उन रेसी को कजनीही होती है जो बच्चे को पिदाइया मे काम करने है या के हिमाल मे कजनीही की बन्दर अकिमत जेहनी केवली, बंजीरिया और पर का माकुड़ा माहिला होता है हल्ल के जोगन हेन, फल और ज्वाग दवाओ के इस्तेमाल से भी यह हालत पन हो जाती है।

इस सारां बाने या अमल काने के लय ताल गले की बीमारी काना लोनीज नुद रय है बिजले कागज पर लिख कर बिन्दुज गल ही से मा को अपने गले मे पनन सेना बासिल और बर नमाल को लय के बरल काने के कल से निकले बिना लोनीज की नोगन की पुनी देनी बासिल। बच्चे की धराइया के बार यह तर्बान मा अपने गले से उगा कर बच्चे के गले मे पडता है।

### औलाद न होना (वांझ पन)

औलाद न होने की असल बन्दर होती है जेसे यह औरत के अन्दर कोई ब्रालवी हो जाए, या पूरे के अन्दर औलाद के बीजगु न हो। अगर यह और औलाद बीबी की सेहत टीक है और हल्ल नही टकरता तो ब्रालवान पाक की इन आयली की बरकर से अक्ताह



ये बाह्य तो या की गोद पर जाती है । तोबाह —

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
وَبَارِكْ وَسَلِّمْ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَمَّدٍ  
وَالْأَسَاقِطِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ  
وَالْأَسَاقِطِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ  
وَالْأَسَاقِطِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ

विस्मयकारिहर्मवारीहर्म

इकतीसवाँ तन्त्रकालकी छ-ब-क-० छ-न-इल इत्याना निन  
अनकु० धर्मपद० अर्थात् ताम य तिलका अथवागुल चित्तविल मुकीन०

औत इशा की नमाज के बार वदे फिर पानी पर रम करके  
६० दिन तक बुर किए और पानी को भी पिलाए नमाज के दिन पिन  
कर बार से छु करे ।

## माहवारी की वे तर्तीया

माहवारी की वे तर्तीया से औतलो के अङ्कन ती बीमारीया धेवा  
तो जाती है । नवी मे इज्जत होती है पेट बर्दा हो नाना है और  
मुकुर दिती से पहले सखा वद से गुजरना पड़ता है । इह की धेवा  
पया है कि अगर माहवारी सही चला और पूरी भुल्लत तक न हो  
तो औतल के धोरो पर बान निकल आती है । वे तर्तीया की शिकायत  
अगर पुरानी हो जाए और रोग की शिकायत से तो रक्त मे वाम  
आ नाना है जिसकी वजह से औतले बयान पैदा करने के काबिल  
नहीं रहती । इसका असर पय पर रूप पर भी पड़ता है और बदन  
पुल्लना शुरू हो नाना है बुरा पचना और गादा हो सकना है और  
कमर से वद और अंगो की टूट पड़ हो भीमारी भी हो सकती है  
अगर माहवारी का निजाप धीरे धीरे कम होकर जा से पहले भिल्लुल  
बन्द हो जाए तो औतलो के अन्दर मरदाना किमनाए पैदा होते छु  
भी धेवा पानी है । जिस तरह खाना खाने के बाद और पानी पीने  
के बाद पित्तो तो पय योगाव पायाने का होना नरन्तो है इसी तरह

माहवारी धी औतलो को रोहन के लिए अर्जवाह है इसके लिए एक  
विस्मयकारिहर्मवारीहर्म विस्मयकारिहर्मवारीहर्म  
विस्मयकारिहर्मवारीहर्म विस्मयकारिहर्मवारीहर्म

माहवारी की वे तर्तीया मे अगर कपार मे वद हो तो यह तर्तीया  
कपार पर इस तरह बाधे कि तर्तीया रीह की हड्डी के ऊपर जोड़  
से छुल्ल रहे । नवी मे इज्जत हो तो यह तर्तीया नगी के ऊपर बाधे ।

(क) तर्तीया को नगी मे बाधा जाए जिसका रग नानगी हो  
नरन्तल से या पाण्डने नवी वज्रा की तर्तीया जिससे वे अलग न करे ।  
तर्तीया की सीप नाना कर लिया जाए, ताकि पानी पड़ने से तर्तीया  
के ऊपर लिले छु नरन्तल खानव न हो । तर्तीया यह है —

त०	म	क	इ
म	क	त०	इ
क	म	इ	त०

७	१	८
२	५	९
३	६	४

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

विस्मयकारिहर्मवारीहर्म

## माहवारी की ज्यादाती- विस्मय

लाहिर्हर्मवारीहर्म

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
وَبَارِكْ وَسَلِّمْ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَمَّدٍ  
وَالْأَسَاقِطِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ  
وَالْأَسَاقِطِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ  
وَالْأَسَاقِطِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ

या अनादितल बाधे व या दात अलखलक

जुद रोमवाई से तर्तीया लिख कर पन्ने मे डाले । जुद हो तो  
केवल तीन दिन तक एक एक तर्तीया रोज पुनर तबत मुह पोहर  
तो हो ।

## लीकोरिया और रहम की बीमारीयां



विश्वविद्यालयीय

श्री सत्यनारायण	मित्र	कुल
६६	६६	६६
६६	६६	६६
६६	६६	६६

मौनी की चेतने पर जड़ रंग से लिख कर एक एक लेट गुच्छ दोपहर और रात की घामों से पोखर पिए। नूतनत्व के कलन नव रूप उतरने लगे तो यह अमल चोड़ है।

## धनैला

धनैला एक ऐसी बीमारि है जिसका अगर सही इलाज न हो तो कैंसर की बीमारि हो सकती है इसके नजाना होसिल करने के लिए तीन बार ---

بَارِكْ لِلَّهِ مَا فِيهِ

'मा फी कलिब गालतहि' एकदम एक बड़े प्याले में अपना गर्म पानी पर रख करो। तीन घूंट पानी पी लें और बाकी पानी से प्रशस्ति छाती को कोरे। ज्यादा ते ज्यादा तीन बार

## सीने का सपाट होना

सीने का सही उपाय ओलेते है दुस्न का एक नुस्खा हस्ता है मिना और बच्चों की सही बढोती का असल की इसी पर है सीने का उपाय हुआ होना पर औरत की परवाना भी है जो ओलेते इस दुस्न से परहस होती है वे बढते के लिए ओलेते नही रखती इस इसी को दू कराने के लिए सूः बर्तीन की एकरी पाया

बर्तीन बज्जब नुस्खे

وَالْبَرْتَيْنِ وَالْبَرْتَيْنِ

रात को सोने से पहले तो बार पर सोने पर रस करें और बात लिख बिना सो जाए। ६० दिन इस अमल से सीना उबला हुआ और सुरक्षित हो जाता है अमल के साथ साथ तीन महीने तक तेजाना एक डरक पानी में इनेमल किया जाए।

## वेहरे और निराम पर ज्यादा बाल

अल्लह ने तुझे अल्लह ने इंसान में इंसान के साथ पैदा किया है। औरत और पद में यह सही पाता ही इन्फार्मेशन कायम रखनी है।

इन्फार्म के अन्तर बुरा सौदा करता है। इन्फार्म और कामासिक किराना के जौए जूए की एक मांग पासा निराम पर इन्फार्म की निरामि के रूप में का आधार है इन्फार्म के अन्तर लोका होनी रहती है यह जूए ओले ओले सुलाहों के जरिए एसीने की सजा में बाहर निकलना रहता है यही बन्ध है कि बाल इतने हिसते पर ज्यादा होते है जिस जगह बुरा का दबाव ज्यादा होता है। मर्दों के बेहरे पर बाकी होती है लेकिन ओलेते के बेहरे पर बाल मर्दों होते इसकी वजह यह है कि ओलेते में बुरा का यह जूहलता अत एक ब्राम निजाम के तहत इत महीने निकलता रहता है अगर इस महीने जाने निजाम में जूहल पर जाए तो इस जूहल पा कभी की वजह न ओलेते के बेहरे पर बाल निकल जाते है इसके लिए जरूरी है कि पाठ्यपत्र को बारफार रखा जाए।

एक पाठ कलौती पानी से पोखर एए में गुझा लें और खुले गुरु की साफ मीने रंग की शीर्ष में भर दें। इसा की मालय के बाद तो बार ---

بَارِكْ لِلَّهِ مَا فِيهِ

की शिवाय अन्धविश्वास मुन्धस्वभाव अमल जगह 'एक कर कलौती पर रख कर दें और मौनी का डकना बन्द कर दें इस तरह २१ दिन तक करें २२ वे दिन से सुक नंतर पुन बौपाई चाय का बनवा कलौती गुरु में डाल कर दो तीन घूंट पानी के साथ निराम में। कलौती खाते के आगे यह बार तक कोई चीज खाना पीना नमा है एक पाठ कलौती खान होने तक यह अमल जारी रहे।

## हिस्तीरिया

बंगाली को सज्जन ने तर्कीज नई रोजगई से लिखकर बनी बना है। बनी को हई में नईद कर फकीला बजकर पी या जेबून के लेन से ऐसी जगह जगह अहा रोमी को पूरा नसे।

टिप्पणी	टिप्पणी	टिप्पणी
टिप्पणी	टिप्पणी	टिप्पणी
टिप्पणी	टिप्पणी	टिप्पणी

या फ लाहु या फ लाहु या फ लाहु या फ लाहु या फ लाहु या फ लाहु या फ लाहु या फ लाहु या फ लाहु या फ लाहु

प्रशस्तिन से शोही पी नीमी बल कर आग पर रख दिया नए ध्यान रहे कि बोंनी जनेन न पाए नब बाउन पर हो जए नो नीसे उमर कर आमी पानी पनी इरसे इनकर टाकीन जो जए नो नीस, नए एक एक करके प्यार नमीन लगाना प्यार दिन पिलाए और मुने हुए नारीन का काजज जना है। खाने में अंग तौर से विनाना नयक खया जना है उरसे नीन चोपाई फनी का पी जए और बाजार का पिला हुआ नयक बनी इरसेनान न किया, नए नारीन लाहु नयक पर है पीता कर एलेमान करे।

## गुस्से की ज्वावती

अंग तौर पर देखने से अंग है कि कश्मीर अंगार के नोमोको गुस्सा ज्यादा आता है और छुड नोप महीन की गच्छी, एरहाता परन्तो पा एरहाता बरतनी की बरत से मो प्यारा हो जने है पर मो देखा पया है कि पर से बाहर पाए दोनो से बड़े दूने खगल जले नोने परा में बीवी बच्चो के सानने गुस्से याने बने जने है ऐसी नोमोको फिका न फिकी तरह डूकूक करने की पयाना बनी है अंग इरा गुस्से से विजान पावे की बाहल हो नो गुस्से के वजन पानी पर एक बार 'पा बरतु' परकर रन करे और नीन लागे से का पानी

जिस पी है पा के नीचे नीचे, जिस पा, फल जेमी के गुस्से से से पहले एक छू पीकर एक बार 'पा बरतु' रन करके नारा पूर पिला है। अगर यह गुस्सेन न हो तो यह रन किया हुआ पानी उरा एराही या बटके में डाल है जिससे से राब पर बने पानी नीने से। अंग की फुलन ज्यादा से ज्यादा पानीन दिन है।

## फासिज और तकवा

फिज्जल 'रा' और रोजनी से दलाना से बसने फासिज, फीजिकी और लकड़े की बरत पर खुल कर रोदनी डाली है एक लामब नीतर, कि दिमाग के अन्दर रोदनीयो की इरा तकलीम से पर दिमागी, अंगारो और विजयानी सेल का अंगार है।

रोदनी जब दिमाग से गुजरती है और कोई ऐसी बरत हो जाती है कि इराके बीच कासिक फिज्ज आ नए और अपनी जगह से कम से कम बाग इरा रासी राफु बडी हुई हो नो बाकी निजाम बकर हो जना है इराका अंगार कसे से पर नक होता है इरी की कालिज या फीजियो का नाम दिया जाता है।

लकड़े का गान्धुके अंगार से है यह कैल दिमाग की बरत से नहीं होता। दिमाग के रोनी की बीच की कि पिन जब एक तरफ ओर डालती है और उरका इरसेलन केरे की किती फिज्ज से हो जाता है तो केरे के अंगो को देखा कर देता है इराका अंगार सीधे कानो, आंखो, नाक और जन्ही पर पड़ता है। कभी कभी की इरती प्रवाहित हो जाती है नाक की बाइज्या मो देही हो जाती है और नकदे का नो हिस्सा पानी को समाने हुए है यह की प्रवाहित हो जाता है इराका इरान यह है।

विजिलान्तिरन्गारदलीम  
रम्यो फुल्ल दाम  
१८ १७ १८ ३६ ३१ ४१

بسم الله الرحمن الرحيم  
الحمد لله رب العالمين  
والصلاة والسلام  
على سيدنا محمد وآله

बाने क जई रंग को पानी से घोल कर रोयानाई बना में इस रोयानाई से लोकर पिचाल और कहीं लकीज इसी रंग को रोयानाई से बिकने और मोटे एक बालिल कागज पर बिजकर सत, गुदरी, येगानी और चेदरे पर दिन में तीन बार मली । इतान में पोलिज और लकड़े से प्रयोजित गुलाबिलक परहन जो बार जातने है नजरसे ।

## भगान्तर—

عَنْ الزَّيْنَبِ  
بْنَتِ أَبِي سَلَمَةَ  
عَنِ النَّبِيِّ

बगान्तर इस्तेनाओ

यबूकरइ मिन्नुमा अन्नुतुब बरमजलीन

बिकरी लोही कागज पर जातरीन लकीज रोयानाई बाने के जई रंग से बनाए, एक लकीज रोज़ एक मलार पुर्न जातरीन दिन पानी से लोकर धिए । इस रोज़ में कुछ बिब और हर वरक के गोतल से गोपिज से अडा भी जातिल है । इतान के रोगान परहन करे ।

## कर्न की वसूली के लिए

عَنْ زَيْنَبِ  
بْنَتِ أَبِي سَلَمَةَ  
عَنِ النَّبِيِّ

एक कर्न के लिए या इन्नुअरइ या कर्नारइ  
या कर्नाइ या कर्नाइ या कर्नाइ

एक कर्नान पर (बिकरी भी रोयानाई से) बिब कर इस कागज की बाट लो करके लकीज बना से और उसे दो परतरी के बीच

ISLAMIC LAW/IN THE COURT OF THE HON'BLE JUDGE  
पदार को कर्नान से कम दो सैर लीने करके बिना नमस्त  
हो लोकि लकीज पर ऊपर के पदार का बदन एही नगर पढ़ना  
है ।

नोट—लकीज को जोर दार और दार बनाने के लिए उता  
आरती का नाम उताकी सो के नाम लीने जितनी कर्न बालू करती  
है लकीज मोड़ने से पहले लिख दिया जाए ।

हुआ की नमन के बाद ४१ बार अंगुलि कुली अंगन तक  
पढ़कर हाथों पर सप्त करे और हाथ तीन बार घेरने पर करे इसके  
बाद कर्न बालू होने को हुआ करे । अमन की पुदतल ८० दिन है  
औरने मांगा के दिन पिन कर बाद में पूरे कर ले ।

करने उतातने के लिए—अबल आगिर एक बार दस्त  
गर्कि एक बार बिमिन्नाह और एक हजार बार फुलाइ सोने से  
पतने ८० दिन तक पढ़कर हुआ करे और बात बिब बिना सो जाए ।

## कैदी की रिहाई के लिए

लकिज को बाट से बरने वाला लकीज कैदी लो में पहले और  
हर नुमगान को शाय के बरन लकीज को सोम जामा और कादरे के  
कवर से निकाले बिना लोबान की दूरी हो जाए ।

## कर बढ़ाने के लिए

عَنْ زَيْنَبِ  
بْنَتِ أَبِي سَلَمَةَ  
عَنِ النَّبِيِّ

अगर कर कम रह जाए और इस बढ़ाना हो तो—  
बिस्मिल्लाहिर्हाम्दिलिर्हो

अबिस लग रा बिलका अंगुलि बिनाबिल मुदीन  
अरहीमु अरहीमु अरहीमु या अल्लाह या मुबारक

जुई के रंग और गुणों के अर्क से तीन स्तरीय पर लिख कर एक चंदर पुच्छर मरदा मुँह, एक अरु के बाद और एक पात की सौते बगुन पानी से धोकर छ महीने तक लगाता भिन्न इलाके अलग २४ घंटे में कम से कम बारह घंटे सैदने के प्रयोग पर अमल करें। लौटने बगुन इस चीज का प्याज रखा जाए कि टनी बगुन की तरह न हो बल्कि तीली रहे। सरसता उठा रहे नाकि बूट का दौरा पैरों की तरफ ज्यादा रहे।

## डुआ के कबुल होने के लिए

डुआ कुजुल होने के लिए जियादा बाला अन्कन रहनुदर की नपुसे अरु करके अजबत आँख पराह प्याह बार दबदे इश्राहीन (जो दबद नमान में पदा जगा है) के साथ तीन सौ बार जियादा बाला पर कर डुआ करें। अल्लाह ने पाला तो डुआ कुजुल होगी।

## कैसर या सरतान—

कैसर बूट को नुक्रानन पुर्दवाने बाला एक रोग है इसकी खुश बनने से है—

कई इंसान जब एक या दो या कुछ ज्यादा बिचारी से अपने को गिरफ्तार कर लेता है तो वह बरकी लहर जो बिचारी के ज़रिए अमल बनती है नुक्राननी हो जाती है यह नुक्राननी लहर पुरी बूट के अन्दर भी जरूर धेरा कर देती है इसलिए इस लहर की बहार से बूट में बहुत ही महीन कैंटागु बन जाती है ये कड़े किती एक जगह पर बना लेते हैं वह बरकी लहर जो जिरांगी के काम आती बाधिए इन कीड़ी की बुराक बन जाती है नतीजे में बुराक का छोटे से छोटा कम जो बरकी लहर के साथ बूट में दौरा करना है बग़ार प्यारहे के नुक्राना पदुबाला है। इन कीड़ी को बुलाक बूट के में का लेते हैं जो पुच्छ का या आँठ चींठ कालाने है सी—पैरे रोगी के अन्दर पुच्छ का खस होकर एकदम कणों की सख्या बढ जाती है और ये निजाम के लिए उर्जिन नहीं रहने चुनवो से लोहर कला एक या बग़ार का कर बार निबनने बगाने है और इसीने

इस पात्र में दिखाए हैं कि इसमें भीषण वायु, शिरिख का दायरा बन कर भीषण है गुण *phlegmatica* *colic* *sin*

कैसर की दुराती किस पर भी है 16 नुक्रानने कम एक जगह ज्यादा हो जाती है इसके जगह हो जाने से ये रोग पल जाती है 1 जो इस नुक्रानने के पास होती है महीने में बूट के निजाम में एक बड़ल परी कपी पैदा हो जाती है और इससे भील तक हो जाती है।

यह तो बूढ़ बरस की बुझी अजाला। अब पुच्छर कि बलानी इन्क की से कैसर एक ऐसा रोग है जो शरीर मरदा और वा अग्नियारा है जो पुना है मरदा करता है अगर उरते देखती कर ती गार और कभी कभी अकेले में नरबकि रोगी तो रहा तो उसकी बुग़ारान कर ती गार और पर करल जाए किंसा वुन बड़े अच्छे सेकसन हो पर आदमी बहुत परेशान है इसे माफ़ कर दो अल्लाह नुके इराफा इजाम देगा तो कैसर रोगी को छोड़ देता है और दोस्ती का राफ़ी देता है।

इसके अलाला पुच्छ रंग में जो बरकी लहर देखती है बरी कैसर की बुग़ार है इश्राहील बूट के पुच्छ कणों के अन्दर दौरा करने वाली बरकी लहर कैसर की बुग़ार बन जाती है और कैसर का रोगी जिरांगी को कापस रखने वाली बरकी लहर से परलस होकर बल हो जाता है बुरी बूट में दौरा करने वाली पुच्छ रंग की बरकी लहर ही कैसर की बुराक बनती है इसलिए इस बाल का इजामन किमा जाए कि रोगी के महीन को पूरी तरह पुच्छ का धिया जाए जैसे जिरा कपड़े में रोगी रहता है उस कपड़े की देखने के निजाम परा नक कि रोगी के पयनने से कपड़े पर पुच्छ कर दिया जाए। इसके पाला परा धाने से पोषकर रोगनई बग़ार। उस रोगनई से सीधे पुरी 49 लौटान लिखे जाए।

1	2	3
4	5	6
7	8	9
10	11	12
13	14	15
16	17	18

99 98 97 96 95 94  
 93 92 91 90 89 88  
 87 86 85 84 83 82  
 81 80 79 78 77 76  
 75 74 73 72 71 70  
 69 68 67 66 65 64  
 63 62 61 60 59 58  
 57 56 55 54 53 52  
 51 50 49 48 47 46  
 45 44 43 42 41 40  
 39 38 37 36 35 34  
 33 32 31 30 29 28  
 27 26 25 24 23 22  
 21 20 19 18 17 16  
 15 14 13 12 11 10  
 9 8 7 6 5 4  
 3 2 1

अबराहम शाहु  
एक बलकलम साद बलकलम साद बलकलम  
एक तावीज तोपी के गाने में हमेशा पढ़ा रहने है और नाकी  
४० तावीज तोजाता एक के हिसाब से ४० दिन तक पानी से धोकर  
दिता है ।

۞  
 اَللّٰهُمَّ صَلِّ وَسَلِّمْ عَلٰى  
 رَسُوْلِكَ  
 ۞

हलत दीविल कजाफ़ मुलिक्क०

एसाफिना कुजुवा हो जामा है । एसा बीमापी हो कुआन हो आपन॥

ॐ

जेहो को गालन पुखुलो रहने है उहेहें ताकन एसाफो का जीता कजाफ़  
 एसाफजान हो सिमामन एहो कुआन हो काफ़ि हो तलन कजाफ़  
 बरहो लहर हो जो दिमाग हो जमा होहो दिमाग हो तामप रागो है  
 जामा कजाफ़ी हो आपन को तलन कजाफ़ी तलन कजाफ़ी हो  
 एसाफा हो जो आजाफ़ को तलन कजाफ़ी हो तलन कजाफ़ी आजाफ़ि  
 वजल हो बरहो लहर को तलन कजाफ़ा बाजारा नही है जो पीने को  
 एसाफिना कुजुवा और नर हो जमी है एही वजल हो  
 एसाफिना कुजुवा हो जामा है । एसा बीमापी हो कुआन हो आपन॥

का बिंद बार बार-किया जाए और जब भी पानी पिए खाने पर यही आयात दम करके पिए ।

is is the title of the book by the author of the book.

اللَّهُ تَوَكَّلْ عَلَى السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ  
एक बड़े कागज पर—  
अन्तार् नृलसमावाति बलार्जि०

लिखकर पाव या दस सेर पानी से घो से और उता पानी को  
खेन में छिड़क दे। केवल एक बार यह अमल कर लेने से जर्मीन  
को धेदावार बढ़ जाएगी।

काम में दिल न लगाना

गिर मुक्तकिल मित्रांनी और अधिक कृपा में रहितवसी न होयें  
को खत्म करने के लिए हर नमान के बाद बिरिमल्लाह शरीफ के  
साथ सौ बार ---

يَعْبُولُ وَقَوْلُ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ الْمَعْنَى  
الْعَزِيزُ الْجَبَّارُ الْمُتَكَبِّرُ

नमोऽस्तुते भगवते ।  
नमोऽस्तुते भगवते ।

पढ़कर हुआ करें। अगर रोगी बहुत ही काहिल हो तो बीदा या कोई और रिश्तेदार यह चन्नीका पढ़कर उसके लिए हुआ करें। अमल की मुदत २१ दिन है और ज्यादा से ज्यादा ४० दिन है।

## कुत्त का काटना

पारा ६ सूर्य माइदा की आपत-३

يَسْأَلُونَكَ مَاذَا أُحْضِلَ لَهُمْ  
إِنَّ اللَّهَ سَرِيعُ الْحِسَابِ ٥

यसअनुक मान्ना उहिला खुशम से इन्तलाहा सराउला  
हिसाब० तक ११ बार पढ़कर पानी पर दम करके तीन दिन रोज  
तीन वजन पिलाए ।

## कदरू दाने और केघवे

पेट में कदरू दाने और केघवे होने से तेज़ कृती तरल प्रवाहित हो जाती है जल्दा लगने की वजह से कड़े की छूटकर चन जाता है। येद फूला रहता है और येद भाग्यागने से दोल की तरल की आवाज़ होती है। पेट में जब कड़े या केघवे होने से तो लोने में कुछ से रात बरती है और लोने का पीसना है। दूरआन पाक की आवाज़ —

نَدْرُ دَانَةٍ اَوْ كَغْوَةٍ  
لَا يَدْرُ دَانَةٍ اَوْ كَغْوَةٍ

मुर्तबिह डूना अबनाअडुन व यसात पूना निसा अडुन

द फी आतिरुस बानाप्रप मितिबकुस अजीद०

कान्नी रोचनाद से कागज पर लिख कर लकीन मने में डाल दे और यही आचम लकीन की लोने पर जाने के जद रग से लिखकर पुष्क रास और रास को लोने से फाने पानो से लीकर पिनाए। लीन दिन और ज्यादा से ज्यादा प्यारा दिन तक।

## गुर्दे की वीमारियां

نَدْرُ دَانَةٍ اَوْ كَغْوَةٍ  
لَا يَدْرُ دَانَةٍ اَوْ كَغْوَةٍ

गुर्दे की वीमारियां

मितिबकुस अजीद०

अनजिहून कुदरू अरवाचानरिहम  
७६५ ७६५ ७६५

गुर्दे में दद रियाही हो या पयरी का हो दोने डालने में मोने जाय। इस ताबलज की याकर पिनाया की बड़ी लोमभोके है दद डाल की जाता है और अगर गुर्दे में पयरी है तो यह रेल बन कर केनाब के गाले बाहर हो जाती है।

## गंज

साह आवाजनी रग की शोरी या बोलन में खलिस मिली का मिल पयकर रास है और एक लकीर—

نَدْرُ دَانَةٍ اَوْ كَغْوَةٍ  
لَا يَدْرُ دَانَةٍ اَوْ كَغْوَةٍ

अलि साम ग मिलकी आवाजिन किनाबुल मुबान०

अरं हीमु

अरं हीमु

अरं हीमु

पयकर ५५ दिन दम करे ५५ की पात से रोचना लोने बरती केन अच्छी तरह सर में डाले।

## गठिया और घुटनों का दद

इसके लिए फाजिल का इलाज देखिए यही इसका मो इलाज है।

इन्जिनारी  
نَدْرُ دَانَةٍ اَوْ كَغْوَةٍ  
لَا يَدْرُ دَانَةٍ اَوْ كَغْوَةٍ

एक बार—

सा मुदीकुल अबगास व हुवा मुदीकुल अबगास०

पयकर राहाल की उज्जी के फाने पोरे पर दम करे और बूक नाग कर रोजनारी की जाह से। कुछ दिन के इस आचम से रोग जल हो जायगा।

## चू लगना



## بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ هُدًى وَنُورٌ يُبْدِي السَّعْيَ الْخَيْرَ

मिरिलिगारिहमनिगिहमि

हुसल्लहुल बारिक हुसल्ल अलमाल हुसल्ल

एक सहेर कागज पर लिख कर बिना मोपे जाने के सहेर कागड़े की धब्बों में बांध कर मोने में रख दे सू के अगलत बाध होने पर तालीज और कुर्रान दोनों जला दें। कच्ची खाद के शाबल पर पानी आयात दम करके पी से इसी आदमी नू के अगलत से प्या रहता है।

## हुँह से बदवू आना

मोदे में रूबू, और बदवू की जगह से गैस जब ऊपर की तरफ आती है तो गुर से बदवू आने लगती है। अगर मागुली के अन्दर या दाती की मिट्टियों में जाने के ठुकेने जमा होकर रह जाए, तब या गुर से बदवू आती है लेकिन यह बदवू भी पस के ब्या में गुर से निकलती है दूसरे लोगों के लिए बड़ी परेशानी और जकड़ने तकलीफ का कारण बनती है। तेगी को इसका इतना अहसास नहीं होता लेकिन सामने वाले के ऊपर इस बदवू का झुटा आता पड़ता है इसी बजने के लिए जाने में सावधानी बरतने की जरूरत है। बसल में बसल कोई भीज न खाई जाए तो कुछ भी खाना हो केवल उस बसल ही खाना खाई जाए। जाने इन्के ठुकेने जगह होने वाले हैं। जब भी पानी पीए तीन बार—मरकूना लकूनी पढ़कर दम करके पिए और जुलर की नमज के बाद मरकूना लकूनी—एक रातबीह पढ़कर एक पीड अरसी शहर पर दम करें। यह शहर, दिन में तीन बार हुसल नगाल से पहले दोपहर और रात को जाने से पहले एक एक धामनी सुरेखमल करें। दात हल बसल निम्नल सांरू तबो मोदे पतन है या मिरलक है।

मकान या किसी दूसरी जगह को धाकी करना  
إِسْلَامٌ فِيهِ نُورٌ وَبَرَكَةٌ وَنُورٌ وَبَرَكَةٌ

जोने के बाद या किसी जगह को धाकी कराना हो तो इसा की नमज के बाद तीन बी बार—

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

“व अलकल या फीहा व तजल्लल” पढ़कर आगे बन्द कर है और किएदार की कल्पना करके फूरे भाए दें। अलत की दुइतर कम से कम धातीस दिन और ज्यादा से ज्यादा ६० दिन है।

## मिरगी का दौरा

कभी कभी बिमारों में इतना बोल हो जाता है कि बिमारों की वह सन्निवत जो बिमारों की बाटली है प्रभावित हो जाती है अगर ऐसी हालत में पानी सामने आ जाए तो बिमारों काप करना छोड़ देना है और मिरगी का दौरा पड़ जाता है जब तक बिमारों का बोल मागुली से ज्यादा रहता है तेगी बेहोश रहता है और जब यह बोल बंद जाता है तो तेगी को होश आ जाता है दौर से बचाकि पूरा निमस बेकार सा हो जाता है इस लिए दारकाल देर में होती है इसका इतना यह है तेगी के सर को जमीन से ह्राय पर केवल एक इंच ऊपर उठा लिया जाए इसी ज्यादा नहीं। दो तीन बार सर की हल्की जूबिया से हिलिया जाए दौरा खल हो जाएगा फिर भी आंखों की पुतलियों को देखने वाले को निगाहों से टकणाल और जबर बसल से लम्बेदिया है देखने वाले को निगाहों से टकणाल और जबर बसल हो जाए। मिरगी के तेगी को एक पड़वान यह भी है कि पुतलियां अपनी नमज से कुछ न कुछ ऊपर की तरफ हल जाती है। मिरगी के तेगी का सन्निवत में इतना यह है कि धातीस दिन तक हुसल नगाल गुर एक नोट पर

النَّاطِقِ النَّاسِ وَالْأَجِنَّةِ وَالرُّوحِ الْعَبَادِ  
الْمُتَّحِدِينَ فِي الْكُونِ

अनुसक्तु न्नातु वल अडिनन्तु वरुतु अल अडिवाडि रसार्तिर्नाना  
फिलकवर्तिन

लिखना पानी से प्रकार मिलाना साध ही एक बड़े कागज पर लिखकर सार से पाथ तक कागज को पूरे विरास पर मले कागज फट जाए तो दोबारा लिख लिया जाए। इतान के दौरान इस बात का ध्यान रखें कि सेनी को कब्ज को बिक्रीकान न हो।

मर्दा मे जनानापन

कर्मियों में से १२ जसने हीनें से और एक जसने के रंग से सामाना रहतीं  
 रंग हीनें से मा के अपरा एक जसने के रंग से सामाना रहतीं  
 है तो बच्चा पूरते बरतन बरतन है और अपरा एक जसने के  
 रंग मा पूरते बरतन पूरते १२ जसने के रंग के बरतन है तो बच्चा  
 से हीनें बरतन से बरतन जसने के रंग जसने से बरतन जसने से तो बच्चा  
 बरतन एक जसने के रंग के माया बरतन जसने मा बरतन के रंग  
 जसने मा बरतन के रंग है तो बच्चा मा बरतन जसने जसने  
 अपरा जसने बरतन है बरतन के रंग, बरतन बरतन जसने जसने  
 पूरते से जसने मा बरतन है से बरतन के रंग जसने, अपरा  
 को बरतन हीनें है बरतन पूर के रंग पुनः अपरा कल और  
 रंग को बरतन एक बरतन जसने

الرَّجَالَ قَوْمًا عَلَى الْإِنْسَاءِ

अभिज्ञान कथा पूना अल्मिनाइ का विद किया जाए ।

नॉद कद आना या बिलुत न आना

नींद न आने की वजहों से बड़ी बल्लह दिमाग में खुदकी, आराधना, विमर्श, क्लान्धकरी या दूसरे शब्दों में दिमागों अपसेट, क्लान्धकरी, दिमागी क्लान्धकरी या दूसरे शब्दों में दिमागों अपसेट,

ISSN 0013-788X/90/0005-0000\$05.00/0

[illegible]

नवमीर फूटना

सफेद कागज पर तीन बार काली रोशनाई से 'या बर्दा' लिखे। कागज को जला दे जला हुआ कागज जगलिया से मसल कर नक्सी के रोणी को गुंधाएं। कुछ देर बाद यह अमल करने से नक्सी की बीमारी खल हो जाती है।

पुस्तका नमूना

ऐसा पुराना नज्मा जिसका बज्र है दिमाग से बदन, आती है, नाक बदन और आँखें भारी रहती हैं, कानों से आवाज़ें आती हैं, जो महसूस होता है कि दिमाग में कोई चीज़ भारी हुई है और आदि से नज्मा खिलाने करने के लिए

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
يَا أَيُّهَا زَيْلُ يَا إِصْرَافِيلُ يَا سَمَوَاتِ يَا زُرَّائِلُ

विशिष्टत्वादि रहमानि रहीम

या भाकाईल या इसराफेल या सभवाईल या फराजईल काजना  
 र या चीनी की पेटो पर लिख कर तीन वरुन पानी से पीकर  
 पिताए खाने में ऐसे खाने देने से परहेज करे जो पेट को खराब  
 करते हो ।

## नाक से खुशबू और बदबू न आना

एक एक गेग है जिसमें अरबी एरुने की सलाहों में मारुफ हो जाता है उसे खुशबू आती है न बदबू। वह सड़े हुए खाने से भी पैदा नहीं कर सकता। इस गेग का सम्बन्ध दिवाण के उन थोड़े से हैं जो एरुने की भावना को कञ्चुन करते हैं इसकी बहुत सी बातें हैं जिनके बारे में इस छोटी सी किताब में बयान करना आसान नहीं। इतना पता है जब की पानी पीए पानी पर एक बार

‘यल्ताडु यज्जामसु चिनाश्मद’

يُطَاوِدُ يَجْجَامِسُ

एकदम दब करके लिए पानी पीने के अभाव में एक चुले गुरु का कूड़ा हुआ बर्तन या स्टेल्स स्टील के प्याले में नमक मिला कर पानी पर कर दब करे और इस पानी को मुँह में नहल मुँह और रात को सोने से पहले पाँच पाँच बार नाक में बसूलें और निकालें। नाक की पानी प्याले में न गिरें बल्कि कच्ची जमीन पर गिरना चाहिए। इतना देती का है चिना किसी घबराहट के कारो बरत तक नहीं रखें अल्ताड ने पारा गेग से नयान बर्गिल हो जगणी।

## नाफ़ टलना

ये ताले इस तरह बनाए कि एक ताले में दूसरे ताले का कुन्दा आ जाए—



और एक सड़क कागज पर बना कर उसे मोड़ कर तालीज बना से मोम जमा करके शरी के साथ धर पर इस तरह बांधे की तालीज नाड़ी के ऊपर रहे। नाले मोने की सूख में तालीज बना रहने है अगल होने पर पीतले दस्तगीर हजारत मोहिमुदीन अखतुल कोर जैनानी तरेहो की सूख की सहाय पहुँचाया जाए।

## इसरो, ठकी, झरतल, छिछी, नी, ती, ठिषी

नया बरतने वाला आदमी जब पहली नीर से जाए तो उसके हाथों की तरफ बड़े होकर सू, अल भादरा की आवाज ६० —

يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي  
يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي  
يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي

या अयुधलजीना आनद इन्मन शारत बल मयारिक बल अन्मातु बल अन्मातु रिमिनुन मिन अन्मिरावमानी एन तमिनुत तलअनलक—  
बु फलिदुओ

एक बार इसकी अवाज से एकदम सुनाए कि सोने वाले की नीर खुराब न हो बल्कि दिन के देस अमल से नये की आवाज बल हो जाती है।

## नाक की बीमारियाँ

नाक में हड्डी का बड़ जाना, सास रुकना, नाक के अन्दर हिक्की का खराब होना, नाक के अन्दर और हड्डी का पैदा हो जाना, नाक के अन्दर चुन्नी निकल जाना, नाक की बदबू और नाक के अन्दर फोड़ा होना इन सब बीमारियों के लिए किसी भी भी कागज पर

विस्फुल्लितरिथपानिरेहीय

٧٧٧٧

XXXX

बा बद्रीक ता बद्रीक या बद्रीक

يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي  
يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي  
يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي  
يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي  
يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي  
يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي يَا لَيْلِي







के पढ़ने लाठीज को कपड़े के कवर से निकाले बिना लोबान की दूजी है ।

## बच्चों के दिल में सुराख

अजल अजीबार प्यारह प्यारह बार हस्त मरिफ के साथ प्यारह करता था—

फुलवला इला अरिन्दही या अमकान पाकजुलाल कुलधु मारकशान एक गुरह डेर कर पदकर आया हार अजली गुरह पर दस करे यह गुरह गुरह गाम और रात को बिजला । बुराक की उस के लिहलज से हो कर । छोटे बच्चों को उजली से बजल और दस साल से ज्यादा उस के बच्चों की पाय की छोटी बम्बकी तीन बरुन बिजल । इजान की मुदल घ. महीने है ।

## बगल और पैरों से बदवू आना

बगल और पैरों से बदवू आना बुरा कद पायक पैग है ऐसे पैरों नज किमी नजिलत में देखते है या नज़े उजाते है तो बदवू का ऐसा बदक निकलता है कि पास बैठने वाले लोग परेशान हो जाते है । इस पैग से नजाल पाये के बिन् प्यारह हो बार -----

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
اَللّٰهُمَّ اِنِّىْ اَسْئَلُكَ الْعِزَّةَ وَالْمَلِكَةَ وَالْجَبَرُوتَ  
وَالْمُتَكَبِّرَاتِ اَنْ تَجْعَلَ لِيْ رِجْلَيْنِ يَخْرُجُ مِنْهُمَا  
الْبَدْوُ

बिस्मिल्लाहिरेरागिरिगम

इन्जाम हराम अनवकुसुन भयतला बददमा न नहपान भिन नज़ीर दमा उहिल्ला बिहि लिगप हिल्लाहि

पदकर एक पीर आतली गुरह पर दस करे और गुरह गाम रात को एक बम्बकी गुरह इजान के दौरान जानो न नमक की गामा कर से करे राख है ।

isslमोहिम्मो/abcul23/hai/01563d

जगपहरद गुजार अगर मुदल पूरा होने से पहले उजार दिया जाए तो कमी कमी बच्चों को पोलियो हो जाता है जब यह पैग इजान आम हो पाया है कि इसकी मायाका करना जरूरी नहीं है । एक गुदकी बीनी और एक बर्राक से बर्राक सूई से रेटनली रटिल या बालों के कटोरे में दो तीन पूरे पानी पर से एक बार

या बरदु

पूरे सूई पर छूके पाते और सूई की नीक बीनी से छुकर पानी में डुबो दे जब सूई को साफ लपेट करदे से अच्छी तरह साफ कर न । इस तरह कि सूई पर पानी का कोई अंतर न हो इसी तरह सूई डुबोने का यह अमल एक ही एक बार करे । इस पानी में जगरतान शामिल करके रेतनार्द बना ले और उस रेतनार्द से—

तरीज फुई अमलाम  
७८ ११ २८ २७ ३१

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
اَللّٰهُمَّ اِنِّىْ اَسْئَلُكَ الْعِزَّةَ وَالْمَلِكَةَ وَالْجَبَرُوتَ  
وَالْمُتَكَبِّرَاتِ اَنْ تَجْعَلَ لِيْ رِجْلَيْنِ يَخْرُجُ مِنْهُمَا  
الْبَدْوُ

तीन चलेते पर बिज कर गाम और रात को पानी से पीकर बिजला । यह लाठीज उसी रेतनार्द से बालितल पर बिजने और पीर कागज पर बिजकर प्रभावित होने वाले आम पर दिन में तीन बार चढ़ी की छुईयो की गरदन के अजुला पले । यह कागज पर जाने पर दूसरे कागज पर लाठीज बिजला जाए । इजान देती का है यकीन और बिजल के साथ जाती तब फायदा जरूर होगा । बालों में ठंडी और बारी लाठीज और नमक का पूरा परदेज जरूरी है ।

नोट— अल पर मतने वाले लाठीज पर ---  
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
बिस्मिल्लाहिरेरागिरिगम लिखी जाए ।





खराब हो जाता है और इससे तरह तरह की बीमारियाँ पैदा हो जाती हैं जिनमें खून की खराबी भी शामिल है।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

1	2	3	4
5	6	7	8
9	10	11	12
13	14	15	16
17	18	19	20
21	22	23	24
25	26	27	28
29	30	31	32
33	34	35	36
37	38	39	40
41	42	43	44
45	46	47	48
49	50	51	52
53	54	55	56
57	58	59	60
61	62	63	64
65	66	67	68
69	70	71	72
73	74	75	76
77	78	79	80
81	82	83	84
85	86	87	88
89	90	91	92
93	94	95	96
97	98	99	100

विरिमल्लाहिरमाभिरसीम

1	99	99	99
2	99	99	99
3	99	99	99
4	99	99	99
5	99	99	99
6	99	99	99
7	99	99	99
8	99	99	99
9	99	99	99
10	99	99	99
11	99	99	99
12	99	99	99
13	99	99	99
14	99	99	99
15	99	99	99
16	99	99	99
17	99	99	99
18	99	99	99
19	99	99	99
20	99	99	99
21	99	99	99
22	99	99	99
23	99	99	99
24	99	99	99
25	99	99	99
26	99	99	99
27	99	99	99
28	99	99	99
29	99	99	99
30	99	99	99
31	99	99	99
32	99	99	99
33	99	99	99
34	99	99	99
35	99	99	99
36	99	99	99
37	99	99	99
38	99	99	99
39	99	99	99
40	99	99	99
41	99	99	99
42	99	99	99
43	99	99	99
44	99	99	99
45	99	99	99
46	99	99	99
47	99	99	99
48	99	99	99
49	99	99	99
50	99	99	99
51	99	99	99
52	99	99	99
53	99	99	99
54	99	99	99
55	99	99	99
56	99	99	99
57	99	99	99
58	99	99	99
59	99	99	99
60	99	99	99
61	99	99	99
62	99	99	99
63	99	99	99
64	99	99	99
65	99	99	99
66	99	99	99
67	99	99	99
68	99	99	99
69	99	99	99
70	99	99	99
71	99	99	99
72	99	99	99
73	99	99	99
74	99	99	99
75	99	99	99
76	99	99	99
77	99	99	99
78	99	99	99
79	99	99	99
80	99	99	99
81	99	99	99
82	99	99	99
83	99	99	99
84	99	99	99
85	99	99	99
86	99	99	99
87	99	99	99
88	99	99	99

यह नक़्शा चान के हिसाब से ज़रूँ के रंग और गुणाब के अक़  
से लिखकर सुबह शाम और रात को एक एक पानी से धोकर  
६० दिन तक पिएँ ।

नोट-कोनों में दिए गए अंतर नक्शा की चाल को जाहिर करता है नक्शा में ये अंतर नहीं लिखे जायेंगे।

## रात को सोते में चलना

यह रोग काबोस की अलामत है नीचे वाला तार्वीज दस अदद लिखें जाएं एक को मोम जामा करके गले में डाल दें और ६ तार्वीज

एक एक करके गुरु नारायण की प्रार्थना से प्रत्येक रोगों को घिनाए। इससे दुर्गमोदक-विधि या चूर्ण/गोक्षिपिठोत्सावनिधि या कंठ पर लिखे। दोनों सूत्रों में फायदा होगा।

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

ج ع ل د ق

الْكَرِيمُ الرَّحِيمُ      الْكَرِيمُ الرَّحِيمُ      الْكَرِيمُ الرَّحِيمُ

تَنُومُ الْعَرَبُ وَالْعَجَجُ

विश्वरूपल्लाहि रं हमानिरं द्रोम

साद अं पु र क

X.X.X-X X अलकणिम् अरक्षिम् अलकणिम् अरक्षिम् अलकणिम्

अधिकार

नवमूल अरु दल अजम

जवाल के बाद वेहेशी का दौरा

दुस्मान के अन्दर दो हिमाग काम करते हैं लेकिन ये दोनों हिमाग एक साथ एक जगह से पूरी तरह हटकर ये नहीं रहते एक हिमाग बरफों में जकड़ा रहता है और दूसरा गतिविधि। अगर किसी बरफ से गतिविधि और भाग्यवान रहने का अभाव प्रभावित हो जाए, तो बरफ के बार बेहोशी के दोरे पड़ने लगते हैं। इसका दुस्मान यह

रोगी को चाहिए कि दौग पड़ने के वक़्त से आधा घंटा पहले आराम देह बिस्तार पर लेट जाए और या हफ़ीज़—का बिर्द कराला

ते मंद आए तो सो जाए या प्रहसन का बिंद उस बाल तक क्रिय जाए जिस बाल दौरा चला है लेकिन दौरा पड़ने के बाल के बाद भी एक पन्ने तक बिस्तर पर रहे । इस अवस की मुदत घातीस दिन है ।

## कारोबार में वन्दिश

कमी देता भी होता है कि अच्चा खासा बन्ना हुआ कारोबार उठ हो जाता है और दुकान या कारोबार में ऐसी बन्दिश हो जाती है कि नयाय सामान व सामन लेने के बादन्द बिचो नही होती और आइड आइड भी यही अतो कही से आइड बिचता है तो उसकी तबन्ना नही होती । दुकान में खरीददार आते हैं माल को परन्द कलते हैं लेकिन बहीरे उन बिना कारा वले जाते हैं और वही सामान दूरीत दुकान से न्याय कीमत पर खरीद लेते हैं । इसी छुटकारा पाते के लिए यह अवस को---सुबह सहेरे उठकर जुम् कुरे । दुकान या रक्मर में ऐसे वजन गुरुवे कि अभी दूरा न निकला हो एक बार ---

कुल आउनु बिरोब्बनातः

بُورُكُ بَیْرُكُ

पूरी पूर परकर दुकान या रक्मर के रक्माने पर रक् करे । पाव बन्म पीते रटकर पीते के दोनो नुगे उगा ले और नुगे को लप में ले कर तीन बार इस तरह झाड़े कि नुगे के तलवे एक दूरीत से टकाए और नुगे पवन कर दुकान या रक्मर के अन्दर जाकर सेवान की पूनी दे । यह अवस केवल एक बार कर लेना काफी है इस अवस में एक बाल सामने रबडी बाहिरे कि नुगे सेदर सेब के हो ।

## किमी सवाल का जवाब देते वक्त नुवान का रूकजाना

नतीस मेस की बरत से आरमी के उजर अननाना डर छा जाता है इसके बादन्द कि वह सामने काने के सवाल का जवाब

[issuu.com/abul123/hail/bolishan](http://issuu.com/abul123/hail/bolishan)

देने की पूरी साक्षियत रखता है मगर उससे बच कर उसकी मार का जवाब नही दे पाता और बाद में दिन ही दिन में दुकान है । इससे नजला पाते के लिए सुक सूल निकलने से पहले जुम् कुरे एक बार---

या वरदू--- ۵۵۵۵۵

रुदे और सल बार हब के बुल्ल में ताजा पानी लेकर पात बार नारक से बगल और निकल दे यह अवस पूरी तरह ठीक होने तक जाती रहे ।

## कांच निकलना

जिस तरह बूने को बगतीर की तकलीफ होती है और पापना करने बजल मल्ले बादर आ जाते हैं इसी तरह बच्चों को भी यह मारी हो जाती है कि पाबाना करते बजल काब बादर आ जाती है जबसे रोते बिल्लाते हैं और उस मोल या काब की उरनी से हो कर अन्दर कराना पड़ता है । इसका इलाज यह है कि बच्चे को तबलात इस तरह कपाल कि जल्द होय की बड़ी जगली पापाने की जगह से राइड छाती रहे तबलात करते बच्चा नुवान से---

कि अलन कि अलन-कि अलन--- ۵۵۵۵۵

पढ़ने रहे । दो तीन बार के अवस से यह रोग खत्म हो जाता है ।

पर में सब लेनी का बीमार रहना

सेबल के जल्दी को देखते हुए यह बहुत जरूरी है कि घर गणके भुसा रहे और घर में सेवान न हो इसके साथ साथ घर के मर्दान को साफ करने के लिए सेवान की पूनी देने रहना चाहिए और लतावा करना चाहिए कि घर के सब लोग यही बीमार रहने हैं । अगर कोई बन्दर समय में न आए तो यह इलाज करे ।

△ 2296989299690°

2  
3  
4  
5  
6  
7

लिम्ब का ऐसी जगह लगाए कि तार्वान हवा से हिलता रहे ।

मुं में खुन भरना

दिनाग, लतक, मारुहो और केकड़ो के प्रभावित हो जाते हैं या किसी ना सामान्य वस्तु के दिन या रात को तोते वस्तु गुरु में खुदो मत जाता है और ऐसी की बात या बूझ की कुलिया कासी पढ़ती है और इस तरह प्रत्येक का साया खूब निकल जाता है यह हालत बड़ी आनन्दक है और यतनामक है इत्याद यह है—बहिद्या जलनी लंदे ने कार दो कालो पर एक कार

يُسَبِّحُ اللَّهَ الرَّبَّ الرَّحْمَنُ  
يَسْبُحُ اسْمَ رَبِّكَ الْأَعْلَى الَّذِي خَلَقَ  
قَسَمِي ۖ وَالَّذِي قَدَّمَ قَهْدِي ۖ وَالَّذِي  
أَخْرَجَ الْمُرْعَى ۖ فَجَعَلَهُ غَسًّا ۖ  
أَحْيَى ۖ

विश्वरूपमन्त्रिर्हृदयनिर्दोषः

राष्ट्रियवादी रणनीति आला। अन्तर्गत युक्त-क-काला। दलाली

012-43 1224

दत्तजी अष्टांगन पराओ फज-अन-हु गुला अन अहवाओ

issuu.com/abdul23niallodisha

पढ़कर दम कर आ एक कपा शक्ती कानी में तात को सेते  
बसल राख ले। अगली रात ये काये निकाल कर दूसरे दो काफो पर  
दम करके कानी में राख ले। अमल की पुदरत सात दिन है। काये  
जमा करके बरते पाणी या कूए से डाल दे।

अलार्म के बूनाम की बकरी है बहुत आलसी की साथ यह तोया बरतती है जाता है। ऐसे कही तोमी भोरे रात गए गए जो पहरीना है आलसाला में पाछिला है। आलस होना य प्रयोग है कि पाछा नूना कहां से आता है तोमी को बाबा बूना दिया जनाय या और यह बूना भी पुरु के राते निकल जाता था। इस प्रकार है अलार्म बकरी के साथ अलार्म किया और साथ तोमी अलार्म की कूपा से उठक हो गए। आलसी के लिए यह बात भीअना बनी हुई थी कि यह बूना किस तरह बन्द हो गया।

नौकरी या कारोबार की तलाश

ऐसी हालत है जब कोसियों का कोई नतीजा न निकले उम्मीद  
बंद और हार जाए। हिन्दी हकमी और मलिनगी बाँटिके सलती हकमीकी  
यकका ललणे के बादलू नौकीनी न मिले या कोरोबार ये बारकाल  
न हो तो नौकीनी या कोरोबार के बारकाल के लिए न नुकील बाजु  
एल बायो या गलने के एलने और हल हकमी नुनू या वेहुनू उलने केवलने  
एलने फिरले सीले नगलने या हल्यू या कलुपल ——— का बिंद कलने  
है।

اللَّهُ أَطْيَبُ

يَعْلَمُ يَزْنَقُ

من قيس بن وهب

١١	١٢	١٣	١٤	١٥	١٦	١٧	١٨	١٩	٢٠	٢١	٢٢	٢٣	٢٤	٢٥	٢٦	٢٧	٢٨	٢٩	٣٠	٣١	٣٢	٣٣	٣٤	٣٥	٣٦	٣٧	٣٨	٣٩	٤٠	٤١	٤٢	٤٣	٤٤	٤٥	٤٦	٤٧	٤٨	٤٩	٥٠	٥١	٥٢	٥٣	٥٤	٥٥	٥٦	٥٧	٥٨	٥٩	٦٠	٦١	٦٢	٦٣	٦٤	٦٥	٦٦	٦٧	٦٨	٦٩	٧٠	٧١	٧٢	٧٣	٧٤	٧٥	٧٦	٧٧	٧٨	٧٩	٨٠	٨١	٨٢	٨٣	٨٤	٨٥	٨٦	٨٧	٨٨	٨٩	٩٠	٩١	٩٢	٩٣	٩٤	٩٥	٩٦	٩٧	٩٨	٩٩	١٠٠
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

الشيخ الفقيه

925

99	98	99
998	97C	99
92	9	92
99Y	920	99Y
E	E	E
99E	99E	9Y
92	92	92E
90	9	
92M	99E	

कोनों में हिंदू गए अरब नज़र की बात को जाहिर करते हैं  
इन्हें अरबों तर्जान में न दिखा जाए।

नमो भगवते

नन्दा लाना एक ऐसा अमल है जिससे इकट्ठा मुक्तिपत्र नहीं है नन्दा बड़ो, छोटी और जानबारी को भी लाने जाती है और उसकी अलगा अलगा प्रभाव पड़ने है उसे एक कि किसी लड़की को नन्दा लाना और उसकी शादी न हो बिना कि वह को नन्दा लाना और उसकी शादी प्रभावित हो जाये और सोचने समझने की क्षमताहीन बना हो जाए और उसकी आम जिन्दगी के मामलों में प्रभाव पड़ जाए ।

दूध देने वाली जानवर अगर चुती नज़र का शिकार हो जाए तो वे दूध देना छोड़ देते हैं या दूध की बजाए शर्बतों में से खून आने लगता है या दूध में मक्खन कम हो जाता है ।

ऐसी सूरत में कि लड़कियों के स्थिते आते हो और नज़र का  
दज़र से तय न हो पाते हो तो लड़की की मां या छुद लड़की

إِيَّاكَ نَعْبُدُ وَإِيَّاكَ نَسْتَعِينُ

अलक्ष्य शरीर इस तरह पढ़े कि जब----इयाका नाअबुदु व इयाका  
न्यातअन० पर पहुँचे तो इस आयत को ग्याह नार पढ़कर सूःपूरी

माल की मुद्रत ४० दिन है ।

शादी में रत्नावट के अलावा नजर उतारने का तरीका यह है कि नीचे बताए तादीन को निम्नकार कुछ देर सर पर रखे फिर जलता है। एक तादीन से जुटी नजर का असर खत्म न हो तो तीन तादीन लगादी है

$$\triangle + 9 + 3 + 5 + 6$$

$$\frac{+1 + 3 + 5 + \dots}{\text{الضامات}}$$

आनवरो पर से नुती नजर छल करने के लिए यह नगरा दोरी का लकड़ी या किसी ऐसी लकड़ी पर लिख का जितने बदन न हो प्रभावित आनवर के गले में डाल दे ।

खास इसमें  
आजम यानि  
अल्लाह के नाम

हज़ार सलामों का श्राव है कि बेलाक अल्लाह के ६६ नामों का जो कोई याद करेगा उसका उनका दिल में रुबूपा अल्लाह पाक उसे नज़ात में पाछक करेगा। इस श्राव के अन्ता बहुतों ने भीतिपा और दुजुगों में अपनी किताबों में अल्लाह पाक के नामों की बेमुताबिक किताबका लिखा है यैसे मो इराफ़ी अकल या मानकी है कि ये उस पख़ाल हसि के नाम है जो तैरी ज़ना का पालनकरा है मो ज़ादिर कि इतनी किताब आसत तैगा।

यहां नीचे हम इन नामों के जुरिए जलरातो और कामनाओं को हासिल करने और हर तरह की सफलता के लिए अल्ताह के नामों को अलग अलग तफसील से बयान करते हैं ।

(9) अल्पादि

बहुत से बहिरंग के विकार यह शास्त्र इसी आशय हैं। अगर इस शास्त्र की तरफ़ से किसी को ज्ञान हो जागी जमीन के पदों के कथन और सारे धनुषों के धातों की योग्यता से जानकी हो। यह शास्त्र नगीरिजिया फाल फान है जिस तरह अन्तराह की जगह हर मुहूर्त से हो एक है इसी तरह यह शास्त्र भी हर जगह से पायी है। अगर इसी योग्यता एक जगह या एक जगह हो तो ऐसा व एकान्त मनुष्य को जाना जाय तो फाल की जगह हो अन्तराह की मनुष्यता

آلہ

99E

हो जाए। अल्लाह का विश्वास तो बुरा ही है कि मानने से अच्छा हो जाता है और जगह अपने में तयाना तीन हजार बार अल्लाह का नाम लिखा जाए तो सब सुख बांधे तो यकीन हो जाए। बहुत लोग जिस प्रकार के लिए चाहें अल्लाह का नाम ले पूरा होगा यह भरोसा दियाना है।

इष्टान् हि ।

(२) अरुहमातु

राहमान के मापने राहम करने वाले के हैं। इसमें शक नहीं कि उससे बड़ा राहम करने वाला कोई नहीं। इस इस्तेमुआक को अगर मुसीबत वाला पढ़ेगा तो अल्लाह का राहम काम उस पर होगा। सुबाह की नमाज के बाद २८ बार पढ़ने से हर मुश्किल आसान हो जाती है कोई भी मुश्किल हो अरहमान का वर्णोपा करना चाहिए।

(३) अरुहामु

अलग-थलग के द्वारा नाम के पानेसे धना है बहुत कम करने वाला। इसीसे बना है। उसके बाद नाम की कदम पर मुकदमे के नतीजे की बात खतनी। इस नाम को कई जगह आदेश बना था। तेजनाम यह तो मानावत हो जाए। अगर इसे तर्जान बना कर लोके तो तेजनाम से बनने को हो अगर वे मुकदमे से बना रहे। दूसरा एक लिखक नाम है। तेजनाम से तेजनाम में बदला हो। सत्यन यह कि हर आना में तेज अर्थना का बनीका करना चाहिए।

(४) अल मालिकु

अल्लाह के इस नाम के मान्य हैं बाराह। यर्कानन तां नाम का शराह है। इस नाम का वर्णिका करना अपनी इ । तां नाम को बदला देने का सबब है। इसको रोजाना पढ़ने वाला दीन र दुनिया दोनों में सुख र होगा है और कामयाबी उसके कृप धारिता है अगर कोई नेक भीदीसी से इस नाम का वर्णिका करेगा तो अल्लाह

۱۱۱

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

पाक का दीवार शामिल होगा। उसका महत्त्व था एरा होगा। अल्लाह के बारे में इल्म शामिल होगा। इस नाम की महत्त्व से बहुत से जुड़ना में केन पाया है।

## (५) अल कुरसूसु

इस नाम के मायने होते हैं पाक, वे पैदा, इस्ते कया शक है कि अल्लाह वे पैदा है। इस नाम की पहले खने से और सलीम बना का पढ़ने से साथ आसपास व जीवन की आदमी से विश्वास होती है इस मुबारक नाम की जुड़े की नमाज के बाद पहले वाले को दुनिया की जुड़नी और कुछ आदमी की दीवार शामिल होती है। इस नाम का वनोफो काल से दुनिया दोस्त बन जाते हैं। इस शब्द की इला की नमाज के बाद पहले वाला अगर किसी से मुठभ्वात करता हो तो यह सब हो जाएगा। बदलात इस नाम का वनोफो केलात हो है।

## (६) अल अनीनु

इस नाम का मतलब है गतिब। वकीलन यह सब पर गतिब है। इस नाम की रोनामा पढ़ा करे तो दुनिया में ऊँचे दर्जे शामिल हो और जगिबल में नमाल शामिल हो। इस शब्द की हर नमाज के बाद ही बार पढ़कर बुरा से हुआ पापा करे तो अल्लाह उसे गतिब से मानदार बना देगा।

## (७) अल खातिकु

इसके मायने हैं पैदा करते वाला, बनाने वाला। इससे क्या शक है कि इसे जतने में तो बनाया है। इस नाम की हर बहाने पहले उठना चाहिए। इससे सारे मुकामिल शामिल होते हैं। इस नाम की पहले वाले का दुआन कभी कायमान नहीं हो सकता नाम की पहले से दुनिया में भी उठना दर्जा शामिल होता है।

## (८) अल वारिक

issuu.com/shorba/india/गतिब/होस्टिंग/होस्टिंग

इस नाम का मतलब है पैदा करने वाला। जगिब है कि खुदा है। इस नाम की हर बहाने पहले अपने काम में कायमान शामिल करता है जैसे गतिब इल्म पढ़ा करे तो कर्मी फैल न हो। इस्तिफा नके तो कसी हादसा न हो, हकीम पहले तो उतावे हवा में सिफा बकले, दुकानदार पहले तो किसी और मुजफा बदे, मुताफिर पहले तो मजिद गक आगामी से पणुब जाए। यह इस्ते अनजम है।

## (९) अल मुसविबुर

मतलब है धूल बनाने वाला। ऐन रोमान की तरह। जगिब है कि खुदा से बहुत कोई आदिब नही। खुदा का यह पन किनता जनीबा है कि लखी करोड़ी इज्जत इस दुनिया में बहते हैं हर इज्जत के आगे की बनाने एक जेती है वही आज वही कान वही नक हाथ पाल सब वही लेकिन फिर भी हर शाल आमा है। कोई उस जेता कलाकर वकीलन नही है इस इल्म का बिंद करने वाला दोनों जता में इज्जत पाला है अगर दुनिया के दुखों में पड़ेने बीन बिया हो तो इस नाम का बिंद करे। किसी सुफे शामिल होगा। अगर २७ दिन किसी बाबा औरत को यह नाम पाक पानी पर रम करके पिलाए तो अल्लाह उसे भीलात प्रदान करेगा।

## (१०) अस्सलामु

इस नाम के मायने हैं सलामती वाला। शेरक यह सबसे आखे नामो वाला है अगर इस नाम को जेबेता बिंद किया जाए तो सारे मुकामिल पूरे हो। इस नाम की पढ़ कर रोनी पर रम करे तो यह अज्जा हो जाएगा। गतिब इल्म की पानी में रम करके पिलाए तो इल्म में सरकती हो। किसी दुआन को पिठाई पर रम करके खिला दें तो यह बहते में हो कर दोस्त बन जाए। अगर किसी इज्जत को इस पाक नाम का रम किया हुआ पानी पिलाए तो वह बहुतुर बन जाएगा।

(११) अलवह्मावु

मानने है बहुत ज्यादा देने वाला। जाहिर है कि अल्लाह बहुत ज्यादा देने वाला है इस नाम को हर बच्चा पढ़ने वाला फकीरा भी अमर हो जाएगा। अगर कोई जरूरत पेश आए तो रात में आमागाना लो की तरफ दुआ के अन्तर्गत में हाथ बुलन्द कराके सी बार एक पुकार के नाम पढ़े तो अल्लाह जरूरत पूरी कर देगा

(१२) अल गङ्गाकर

गुप्फरा के मापने हैं बखाने वाला। इसमें जरा भी शक नहीं अल्लाह से हमारे गुनाहों को बखाने वाला है। इस नाम का बिंदू करने वालों के गुनाह अल्लाह माफ़ कर देते हैं। इस गुप्फराक नाम को पढ़ने वाले और अल्लाह से सफ़ाई के दुआ मांगने वाले पर दोनख़ की आग़ हाराम है।

(૧૩) અલભુઆંબં

यदिन इन्द्रजल देने वाला । अलगाह ही हर आदमी को इन्द्रजल देने वाला है इस नाम को श्रा का नामान के बाद कम से कम ५४० बार पढ़ने वाले का दुनिया में दर्जा बढ़ेगा, दुखमन दोस्त होंगे और जसे कोई सता नहीं पाएगा, उसको सारी जन्तुते पूरी होंगी ।

(98) अल ख़ाफ़िज़

इसके मायने है पतन की तरफ से जाने वाला। इस नाम की धारकन है कि अगर हमेशा कोई पढ़ता रहे तो उसके दुश्मनों का पतन हो जाएगा।

(१५) अल मुजिबिल्लु

इसके मायने है जर्नील करने वाला अगर कोई खुदा की

۱۰۰

二

五

آب

الحمد لله

ISSAAR.COM/abody.in/नाला/बुद्धिमान के नाजगी मिले व पैसा व

जुल्ल से नज़ात पाएगा ।

(१६) अराफंअु

इस नाम को बरकत से पढ़ने वाला गुना हा जाएगा ।  
दुनिया की ज़रूरत पूरी होगी और दुनिया को हर तकलीफ़ दूर होगी

(१७) अल अलीमु

इसके पानने के जनाने वाला। एकदम से अल्लाह के बात आने लगे।  
 है और कोई राज ऐसा नहीं जो उसने बिना ही। कोई नाम न जानता  
 येना आए। बात यह है कि तबक नाम पर ही नाम के बा  
 एक हजार आने के नाम पर ही काम पूरा हो जाएगा। इस ना  
 का पदना मान्य बना है तो अल्लाह उसको हक का इफ्तान अ  
 कने। अल्लिया कितान इसी दर कर्न परने रहे है।

(१८) अल वासितु

प्रापने हे कुशादा करने वाला, फलाने वाला। इस नाम का पद  
वाले की हर दुआ कुबूल होती है।

(१६) अल कावियु

प्रापने है तन कराने वाला। बुद्धा का हर बात पर के ब  
 यह वारे तो किलए वारे तो तन के। इस नाना को ध्वने के ब  
 पढ़ने वाला कभी फाफे का शिकार न होना। हथिया हार नमान  
 बाद पढ़ने वालो तन दोनूज की आला हराय है। उस पर कोई दुःख  
 फलत हासिल नही कर सकेगा।

(२०) अल वसीर

पापने है देखने वाला । अल्लाह से कोई बात छिपा नही ।

البر

الحل

تاسط

١٠٠

بصیر

हिले की बात से भी परितप्त है इस नाम को हरेया पदना हुआ के दरबार में अपने को मकसूद बनाना है। हर अरब की नमाज के बाद पढ़ने से बचाओं (खलाओं) से बचा रहेगा।

### (२१) अल हकी मु

मानने है हिकमत वाला। फैसला करने वाला। अल्लाह के दावात कौन हिक्मत वाला है इस नाम को अगर कोई योजना पड़े तो कभी किसी नज्मत में परखान न हो। जूने की रात में पढ़ने का मासूम बना दिया जाए तो अल्लाह का कुछ हासिल होगा। सुमार बार पढ़ना चाहिए।

### (२२) अल अवतु

मानने है इत्साफ करने वाला। अल्लाह से बड़ा नज़्म और कौन हो सकता है इस नाम को हरेया पढ़ने वाला सारे लोगों में इज्जत हासिल करेगा। कोई छत पर नुस्ख न कर सकेगा। कोई मुकदमा या इस तरह की कोई मुश्किल पैदा जाए तो इस पाक नाम का कज़ीफा करना चाहिए। हर नज्मत के लिए इसका विद किया जाए नज्मत पूरी होगी।

### (२३) असामीक

मानने है सुपने वाला। अल्लाह हर बात को सुनता है चाहे हिल से ही क्यों न कही जाए। अगर कोई इस नाम की भी बार पढ़ेगा तो हर दुआ जो नेक मकसद के लिए मांगी जाएगी पूरी होगी

### (२४) अल लतीफु

बेहरवान और बेहरवानगी करने वाला, अगर कोई अपनी लड़कियों को शादी के लिए इस नाम की नमाज के बाद पढ़ेगा तो अच्छा रिश्ता मिलेगा बच्ची अगाम पाएगी। जो पढ़ने के लिए हरेया का मासूम बनाएगा उसकी हर दुआ कुबूल होगी

### (२५) अल ह-क-मु

मानने है फैसला देने वाला। अल्लाह से बड़ कर फैसला देने वाला कौन है। लोगों में लोक भिखत हासिल करने के लिए इस नाम का विद करे। यह खास इसले आजम है इसकी बारकत से दुश्मन दोस्त हो जाएंगे और हराय करने वाले अपने ही जाएंगे। जुदा चाहने वाले नके हो जाएंगे दोस्त पढ़ना बारकत का सबब है।

### (२६) अल फताइ

मानने है छेलेने वाला। यकीनन वह अपने नेक बन्दी पर रहमत खोलने वाला है। इस नाम को हरेया पढ़ना चाहिए इसकी बारकत से ज़मीन व आसमान की सारी आपर्तों से हिशमत होगी और दुनिया मातहत होगी।

### (२७) अलखवीरु

अगर किसी की तबीयत नेकी व भलाई की तरफ न आती हो तो इस नाम को पढ़ने के लिए करे। अल्लाह ने वाला हो इसकी बारकत से नेक बन जाएगा। इस लिए इस पाक नाम की एक विशेषता यह है कि इसे इना की नमाज के बाद १०० बार पढ़कर हो जाए तो वह दिल बाल को नानना चाहिये ख़ाब में मासूम होगी इस नाम में बड़ी बारकत है।

### (२८) अलमोमिनु

मानने है शान्ति व सुकून देने वाला। चाहिए है कि कही शान्ति देना है। इस नाम को पढ़ने वाला दुश्मनों से नज्मत पाएगा और शोषण उसका कुछ न बिगाड़ सकेगा।

### (२९) अलमुहयमिनु

मानने है शान्ति व सुकून देने वाला। चाहिए है कि कही शान्ति देना है। इस नाम को पढ़ने वाला दुश्मनों से नज्मत पाएगा और शोषण उसका कुछ न बिगाड़ सकेगा।



पायने है परदा देहे बाला, निगमनी करे बाला । अग कोइ इस नाम को तेजना पढ़ेगा तो सारा मुक्तिमें से अल्लाह उसे बचवाएगा । उसे हक की राह मिलेगी और अल्लाह जन्तु प्रदान करेगा ।

### (३०) अलमुत-कविह

पायने है परदा देहे बाला । परदा केवल धुन भी के लिए है जब भी कोई नया काम शुरू करता हो इस नाम का हिंद करे कामयाबी शर्त है । इस्मा बिना जल्लत पढ़ना भी नुकी व फायदे है ।

### (३१) अल कद्दूस

पायने है प्रकोष व गुस्सा मांशिर करने वाला । अल्लाह अगर रकीम है तो प्रकोष वाला भी है उसके प्रकोष से बच सकने परमात्मा चाहिए इस नाम को जो आदमी तेज पढ़ेगा अल्लाह उसके दुश्मनो पर अपना प्रकोष करेगा ।

### (३२) अर्जनुक

पायने है तेजी देने वाला । शेरक इसे बर्त तेजी देता है । इस नाम को पढ़कर पर के हर कौन से दम करे परमात्मा दूर होगा । जब भी बच्चा बिदे इस का हिंद करे तो अच्छा चलता है ।

### (३३) अल अनीमु

पायने है परदा न व बढ़ाई वाला । निरवध ही अल्लाह बेपरवाज है इस नाम का इस्मा हिंद करने वाला दुनिया व दीन में परदावा पाएगा । कभी किसी दुश्मन से डार न मारेगा । कोई उनका बुला न चाहेगा और नाल भी नएगा लोग उसका परदाब होने में दुनिया में इज्जत हासिल करने के लिए इस नाम के नजीकें से बचकर कोई बर्तने पा नहीं ।

### (३४) अल नव्वास

जुवररत्नी करने वाला । अल्लाह कोई बड़े जह्न करने वालों को गेकने वाला है वह सबसे ज्यादा जबरदस्त है इस नाम को पढ़ने वाले की सब इज्जत करने और कोई उसे परेशान न करेगा अगर किसी को पैर की बीमारी हो तो पानी में दम कराके लिगा टाक हो जाएगा ।

### (३५) अलवदीऊ

जब भी कोई परेशानी वाली बात सामने हो या किसी तरह की कोई मुश्किल सामने हो तो हर नयाज के बाद इस नाम का हिंद करे तो अल्लाह मुश्किल आसान कर देता है । हर मुश्किल को पर नाम आसान कर देता है । इस नाम के पायने है बर्द तरह देना करने वाला ।

### (३६) अल वारिसु

किसी भी मुसीबत के बच्चा इस नाम का हिंद मुसीबत के जगने की जगान है । अल्लाह सारे आत्म का वारिस है और उसी मुश्किल से पराह मांशिर करने की दुआ मांगनी चाहिए क्योंकि अल्लाह सबका वारिस है इस लिए वह अपने बच्चों की हर मुश्किल आसान कर देता है ।

### (३७) अल वाकी

अल्लाह ही रहने वाली हस्ती है बरदा यह सब जल्ल होने वाला है । इस नाम को सब्जे दिल से पढ़ने वाले की गुंती दूर होगी और उसे जेक कालों को करने की तीव्रता नमील होगी ।

### (३८) अल गफूर

किसी भी तरह की बीमारी हो इस नाम को लिख कर पोकर

विनाष्ट्र छुटा को डेरबानी से ठीक ही नापा। इस नाम क मायने है माण्डित और पाकी प्रधान करने वाला, इतिहास इस नाम की बरकरार से अपनी खाल बखालाने के लिए इस नामन के बाद अव्ययित बाद पड़ना चाहिए।

### (३६) अल हादी

इस पाक नाम के मायने है हिसाबत करने वाला। इस नाम को हरेगा पड़ना चाहिए। इससे एक कानो की तीरफेक हासिल होती है।

### (४०) अल मानिक

मायने है रोक्ने वाला। अगर भिया बंदी में नाराजगी हो तो दोनों में से कोई भी इस पाक नाम का बिंद करे तो नाराजगी दूर होगी और मुहज्जब होय होगी। अल्लाह पाक इस नाम की बरकरार से बिंद करने वाले को सारे गुरे कानों से रोकाता है।

### (४१) अल कवीर

इसके मायने है बहाई और महाता। इस पाक नाम को हरेगा पड़ने वाला दीन व दुनिया में महाताब में बुन्दगी पाता है और उसकी सारी जलसते पूरी होती है। लोकप्रियता और लोगो में इस्तेमाल हासिल करने के लिए इस पाक नाम का बिंद कर नामन के बाद करना चाहिए अल्लाह ने चाहा तो यह अल्लाह नारायण उम्मा कोई दुश्मन उस पर फतह न होने पाएगा और इस्तेमाल हासिल होगी।

### (४२) अल हफीजु

मायने है रक्षान करने वाला। अल्लाह ही सबका मुहाफिज है वही सबे सारी गुरादसो व आपसों से बचावें वाला है और हमारी देखभाल करने वाला है। इस नाम का बिंद करने वाला सारी गुरादसो से बचेगा। सेवान का यह पर न चल सकेगा और उतक कोई दुश्मन उस पर गतिब न आ सकेगा।

islahar@rediffmail.com

राको हरेगा पड़े। सारे आत्म की विचारों में बुन्दगी व बरकरार पाया। इस नाम के मायने है बुन्दगी वाला। इस विचार से पढ़ने वाले को अल्लाह पराजना व बुन्दगी प्रधान करता है। हरेगा नामन पड़ने से खली और इस्तेमाल बढ़ती है।

### (४४) अन्नाफिक

मायने है नफ़ देने वाला। अल्लाह से बड़ा कोई नफ़ा देने वाला नहीं। इस पाक नाम को करेबाद और अन्य दुश्मन के काम शुरू करने बल पड़े तो क्षमपदा विवेका।

### (४५) अलमुकीतु

दिल बिता दुश्मन से दर रफा हो तो फूल पर सी बारा कर के और उसकी कुछ पढ़े तो दिल में लहरा ऐरा होगी। दुश्मन का हर गतिब न आएगा। इस नाम के मायने है रोसी देने वाला। इस नाम में ब्रह्मा बरकरार की बात यह है कि अगर गुराब गिनाना पढ़े तो उसकी गतिब दूर होगी और अल्लाह उसे पैसा से रोली देगा।

### (४६) अन-नूर

मायने है रोशन करने वाला। अल्लाह पाक इस नाम का बिंद करने वाले के दिल व हिमाज को रोशन कर देता है और इस पाक नाम को हरेगा इसी की नामन के बाद पढ़ने से पढ़ने वाले की नम रोशन कर ही नाएगी।

### (४७) अशफरू

मायने है कष्टन। अल्लाह हर आदमी के अच्छे अफरु हठ करता है। अगर पर में सगी और बरने चीने की फोफाफी हो तो इस पाक नाम का बिंद करना चाहिए सगी दूर होगी।

## (४८) अल आबिख

पायने है सखे आबुख बाता । अल्ताह की जग पर ही सखी  
बिसेलखे खस है इस नाम को हरेखा पदना जहनुम से नजल  
पाता है ।

## (४९) अल हसीबु

पायने है बिलास करने वाला । इस नाम को पढ़ने से दुनिया  
की लारी मुक्तिबले दूर होगी । हर बख्त जब भी मोक्ष मिले इस नाम  
का विद किया करे ।

## (५०) अल जलीबु

इस नाम के पायने है जुजुर्गी और बगई बाला इस शब्द को  
लिख कर साथ रखे । कोई मुसीबत पैदा न आएगी और सारे पायने  
अच्छी तरह पैदा आएंगे ।

اَلْحَسْبُكَ

## (५१) जुल जलाली वल इक़राम

कुछ लोगों ने इस नाम को इसके अन्त्यम खास लिखा है । हज़रत  
मुक़ेमल अन्वरि० को यही इसने अन्त्यम बतलाया गया था ।

## (५२) अल मजीदु

पायने है बड़ी ताज वाला । इस नाम को हरेखा पढ़े योगियों  
से बड़े रहेंगे । अंगार कोइरी को पोरकर बिलाया जाए तो अल्ताह  
गैरक कर देगा ।

## (५३) अल जामिऊ

اَلْجَامِیْ

पायने है जग, कूने वाला । अगर कोई अपने बिसेलखे से  
islah/بَدَل/بَدَل/بَدَل/بَدَل/بَدَل/بَدَل/بَدَل/बदले  
अल्ताह उसे बिसेलखे से बिला देगा ।

## (५४) अल करीमु

इस नाम के पायने है करम वाला । इस नाम की बारकत से  
पढ़ने वाला हरेखा इज्जत से रहता है लोगों ने उसकी इज्जत बढ़ाती  
है ।

## (५५) अशहिदु

पायने है शहिद । अल्ताह हर जगह मौजूद है । अल्ताह के  
इस नाम की अगर कूने पढ़ा करे तो पिदाई अजब में आएगी । बे  
अनार पढ़ा करे तो अन्वार होगी । इस पाक नाम को एक कागज  
के चार कोनों पर लिखे और बीच में किसी खोली हुई चीज का  
नाम लिखें तो वह चीज भिल जायेगी ।

## (५६) अलमाजिदु

पायने है इज्जत वाला । इस नाम की बारकत से पढ़ने वाला  
हर जगह वा इज्जत होगा और लोग उसका अदब करेंगे । लोगों के  
दिल बस में होंगे, दुखन दोल बन जायेगे ।

## (५७) अल हस्यु

पायने है जित्ता करने वाला । अल्ताह ही बराकत हरेखा रहने  
वाला है इस नाम को पढ़ने वाला लम्बी उम्र पाता है और अगर  
बाजार पढ़े तो अच्छा होगा ।

## (५८) अल वाजिदु

पायने है पायने वाला । जित्तिय ही वह लारी दुनिया का पायने  
बाला है और इस नाम को पढ़ने वाला हर जगह इज्जत पायेगा ।  
अगर गरीब पढ़े तो अमीर होगा और भिख से रोने पायेगा ।

اَلْمَجِیْدُ

اَلْحَسْبُ

اَلْحَسْبُ

اَلْوَاجِدُ

## (५६) अलकय्यम्

इस नाम के मानने हैं कथाम रखने वाला। इस पाक नाम को हमेशा पढ़ने से जल्द देने का असर नहीं हो सकता।

## (६०) अल क़ादिर

मानने हैं कुदरत वाला। अल्लाह ही पर कौन पर कौन है इस पाक नाम का शिद्द करने वाली तो हर दुश्मन पर फलत हारिब होगी और कोई भी दुश्मन की मुहिबत करो न हो आसान हो जानी है।

## (६१) अल अब्बलू

इस नाम का मतलब बर है। कि सबको पढ़ने वाला। जोहिर है कि अल्लाह ही सबको पढ़ने है। अगर कोई अल्लाह से मरकूब रही पढ़े तो अल्लाह उसे केरु अल्लाह प्रदान करेगा इस बर्ज़िसे की पढ़ने से हर गुनाह पूरी होगी।

## (६२) अलवालिद्यु

मानने हैं मालिक। बेरोक अल्लाह ही हमारा मालिक है। इस नाम का शिद्द करने वाला हमेशा आरुहो से बचा रहता है अगर किसी का दिल जलता हो तो इस पाक नाम का शिद्द करो अल्लाह से दुआ मान मुबार पूरी होगी।

## (६३) अल वासिदु

अल्लाह की रज होखित करने के लिए इस नाम को हमेशा पढ़ा करे शूक अल्लाह हर शिद्द की जानता है इसलिए इस नाम के पढ़ने से अल्लाह के अंग ज़ाहिर हो जाते हैं।

## (६४) अज़ ज़ाहिर

मानने हैं ज़ाहिर करने वाला। इस नाम को पढ़ने वाला देखने ज़ाहिर करने वाला है। इस नाम को पढ़ने वाला देखने ज़ाहिर करने वाला है। इस नाम को पढ़ने वाला देखने ज़ाहिर करने वाला है।

مَا أَكْبَرُ

## (६५) मालिकुल मुल्क

मानने हैं सारे देशों का बादशाह। इस पाक नाम को हमेशा पढ़ने वाला होखत पद हो जाना है और उसकी हर चीज़ व दुश्मन की नज़रत पूरी हो जाती है।

## (६६) असमदु

इस पाक नाम के मानने हैं वे नज़रत वाला। यकीनन अल्लाह को किसी भाव की नज़रत नहीं है। यह ग़नी है इस पाक नाम की बरकत से पढ़ने वाला हमेशा ग़नी रहता है और इस पर किसी नज़रत का जोर नहीं चलता।

## (६७) अलवददु

मानने हैं दुर्बल करने वाला। अल्लाह सबको दुर्बल करता है। अगर किसी बीबी ने गोचरती हो तो यह एक पाक नाम पढ़ा करे। ख़ुदा ने धारा तो उरु कामयाकी खोलित होगी और किसी बीबी एक दूसरे के मरवाने हो जाएगी। सब्बी मुल्कत के लिए भी यह नाम पढ़ा जाता है अल्लाह इस नाम की बरकत से हरे दिल नोद बना है।

## (६८) अल वासिदु

मानने हैं बीबने वाला, किनने वाला। इस नाम को पढ़ने से नज़रतली और दोलत सब्बी होखित होगी।

## (६९) अरक़दु

مَا أَكْبَرُ

पायने हैं मर्त्य करने वाला । इस नाम का पढ़ना लोगों के दिलों को जीनेने का जगिया बनाना है दुःखन नाकाम रहै ।

(७०) अलगानिय्यु

पायने हैं बेतराह । इस नाम का पढ़ना दिनक को खोलने के लिए फायदे मन्द है ।

(७१) अलमुकसितु

पायने हैं इन्कार करने वाला । इसको पढ़ना आभिष और शैमान को दूर करने के लिए बेहतरीन हजान है ।

(७२) अल मुगनी

पायने हैं परदार न करने वाला । अगर कोई इस नाम का बिंद करे तो सारी दुनिया से वे परदार हो जाय ।

(७३) अल मुजीबु

पायने हैं कुबूल करने वाला । अगर कोई इस नाम का बिंद करे तो सारी दुनिया से वे दियाज हो जायगा ।

(७४) अरफ़ीबु

पायने हैं देख पायल करने वाला । इसका इसे पढ़े तो अल्लाह जान वे पायल का रखवाला होगा है ।

(७५) अल वकीलु

पायने हैं काम बनाने वाला । इसका पढ़ने से अल्लाह बिनाइ काम बना देता है ।

(७६) अल वाभिषु

पायने हैं उरने वाला । इस नाम का पढ़ना हर प्रकार के लिए [www.alukah.net/bibliothique/naail/collection](http://www.alukah.net/bibliothique/naail/collection)

(७७) अल क़िय्यु

पायने हैं लाक़ुनबर । इस नाम के पढ़ने से दुःखन बीया होगा ।

(७८) अलवालिषु

पायने हैं हिमायन करने वाला । यह नाम बुटी आरने से बचाता है और सीधे सली पर क़बले की तीर्थक़ बिलाना है ।

(७९) अलमुहसि

पायने हैं गिनने वाला । इसका क़रीफ़ अन्तुली बीमारियों को दूर करता है ।

(८०) अल्लुअीदु

पायने हैं शेबात पैदा करने वाला । यह नाम ख़ौर हुए बीबी को नजारा करने के लिए पढ़े ।

(८१) अल-अहदु

पायने हैं अकेला । अगर बीमार पर इस नाम को पढ़कर यम को तो ठीक हो जायगा ।

(८२) अलमुकतदिरु

पायने हैं हज़ूयन वाला । इस नाम का पढ़ना सारी बलाओं से नजल बिलाना है ।

(८३) अल-मुकदविमु

पायने हैं अंगे करने वाला । इसका बिंद करने वाला हर नाम वे क़ुरान पायगा ।



## महामुद्रन

इस पाक नाम के पढ़ने से गुप्तकी दूर होती है ।

## कासिमुन

जो कोई इस पाक नाम का रोजाना बिन्द करे अल्ताह उसे अभिय बचा देता है ।

## आकिबुन

कोई भी जलता हो अल्ताह इस नाम के पढ़ने वाले को इच्छा पूरी करता है ।

## फातिहुन

इस पाक नाम को रोजाना पढ़ा करे तो अल्ताह की कुबूल हासिल होगी ।

## माहिन

रोजाना पढ़ने से इस का दिन आगमन होगा ।

## हाशिरुन

इस पाक नाम को कमजोर ताविल इस पढ़े तो इसमें ये सफाई होगी ।

## खातिमुन

इसका के दिन सतर बार पढ़कर हुआ माने तो गुप्त दूरी होगी ।

## दाशिन

इस नाम पाक को पढ़ा करे दुनिया में इन्तज हर दिन अनजानी ( लोकाग्रयन) हासिल होगी ।

islati/ham/abdu/23/hi/ai/cvishat

इसका पढ़ने वाले पर कोई भी नजर होगी

## रसखुन

जब किसी आर्थिक परेशानी में पड़ जाए तो रोजाना इस पाक नाम को पढ़ा करे अल्ताह परेशानी को दूर करेगा ।

## ताहा

इस नाम को ज्यादा तादाद में पढ़ने से बरकत हासिल होगी ।

## हादिन

सांख्ये राखे पर पढ़ने के लिए हमेशा इस नाम को पढ़ा करे ।

## नकीरुन

कब ये अज्नाब से बचने के लिए इस नाम को पढ़ा करे ।

## नवीयुन

इस का इस हासिल करने के लिए इस नाम को पढ़ा करे ।

## खलीबुन

अगर किसी को बुरे ख्याल दिखाई दे तो इस नाम को रोजाना सोने से पढ़ने शुरू करे ।

## यासीन

अगर अपनी ताल को नो सर हो कर पड़ेगा तो अल्ताह हर बार पूरी करेगा ।

## मुजुम्मिलुन

इस नाम को नादर व गरीब को चाहिए कि तेज पढ़ा करे  
गरीबी दूर होगी।

### वलीयुन

अल्लाह की रज़ा व खुशी हासिल करने के लिए इस पाक नाम  
का बर्ज़ीस करे।

### नसीरुन

फिर ये इस पाक नाम को पढ़े बख़्त न होगी और तबक़  
आसान हो जाएगा।

### हमीदुन

बुरी आदतों से बचने के लिए इस नाम को अपनी ज़बान पर  
रखे।

### कलीमुन

बुरी आदतों वाला इस नाम को पढ़े तो अच्छी आदतों वाला  
बन जाएगा।

### मुददसिरुन

इस नाम को पढ़ने वाला शैतान को धातों से बचा रहेगा।

### मुसददिकुन

इस नाम को सुनकर होले ही दस बार पढ़े पाग़ा दिन ढ़रे ज़मान  
से न निकले।

### हबीबुन

एक इंसान बार दोजाना इर्ज़ किया करे सारी दुनिया बस से  
हो जाएगी।

### हुज्जतुन

हिंदी भी ज़ल्लत के लिए इस नाम का हिंद कराना चाहिए।

وَالِي

نَسِير

حَمِيد

كَلِيم

مُدَدَسِير

مُسَدَدِك

حَبِيب

حُجَّة

issuu.com/ckali123/haili/odisha

कलीमुन की रज़ा व खुशी हासिल करने के लिए इस नाम का  
बार बार पढ़ा करे तो अल्लाह पाक पढ़ने वाली को बेहतरीन  
प्राप्त करने वाला बना देगा।

### शहीदुन

इस नाम मुबारक को धातों से मिलवाकर करने वाला पढ़ा करे।  
दस बुझने से भी बचाना रहेगी।

### मुस्तफ़ा

केक़ क़ायों को हाफ़ीस को हासिल करने के लिए इस नाम का  
हिंद करे।

### दयानुन

अक़लमन्दी और धुँस बूझ हासिल करने के लिए इस नाम का  
पढ़ना बेहतरीन है।

### मुर्तज़ा

सारी आसानी व ज़रूरती आपसों से बचने के लिए तेज पढ़ा  
करे।

### काइमुन

अगर धारिदा न होगी हो तो पाग़ के बख़्त एक इंसान बार  
पढ़ा करे। बारिदा ज़ल्लत होगी।

### मुल्तारुन

शहर धाती और मुल्लत दर्ज़ हासिल करने के लिए तेज २०  
बार पढ़ा करे।

### हाफ़िज़ुन

तपास मुर्तबलो से बचने के लिए बेहतरीन ज़ोया है।

كَالِيم

شَهِيد

مُصْطَفَى

دَيَّان

مُرْتَضَى

كَائِم

مُتَّار

حَافِظ



## आदिबुन

इस पाक नाम की बरकरार से पढ़ने वाला हर जगह इज्जत की निगाह से देखा जाता है ।

## सादिबुन

आरोह को दूर करने के लिए इस पाक नाम को पानी पर दम करके रोमी पर छिड़के ।

## नूरुन

जो आदमी तेजोना बिना नागा पढ़ा करे ज़्यादा में हर्ताग न रहे ।

## वाअिबुन

जो आदमी रमजान शरीफ में सौ बार तेजोना पढ़ा करे अल्लाह उतारी हर इज्जत खुद करेगा ।

## मुतीबुन

مُتِيْبُن

इस नाम को पढ़ने से दिल के इरादे पूरे होती हैं ।

## साहिबुन

صَاحِبُن

इस नाम को पढ़कर रोमी पर दम करने से अल्लाह भिषा देगा ।

## बुरहानुन

بُرْهَانُون

इस नाम के पढ़ने से गर्मियों दूर होती हैं ।

## नासिबुन

نَاسِبُون

दुपहन से बरफून पड़ने के लिए हर दिन पढ़ा करे ।

## मकानुन

مَكَانُون

इस बर्जके को पढ़ने वाला आख को रोमती कम होने से बचा

issurfi@h/abdu123/mail/odisha

## रफ़ूनुन

इस नाम को पढ़कर दिता हाकिम के पास नगएँ बर इज्जत से पैदा आएगा ।

## मुतीउन

مُتِيُون

इस नाम को पढ़ने से गुनहारे से माफ़िरत हो जाती है ।

## मुराव्वी

مُرَاصِي

इस पाक नाम को बिच्छू, साँप और पाल कुत आदि जन्तवों के डूते हुए पर दम करना चाहिए ठीक हो जाएगा ।

## अमीनुन

أَمِينُون

इसे पढ़ने वाला कभी जर्तिल नहीं होगा ।

## यतीमुन

يَتِيْمُون

इस नाम को पढ़कर पाली पर दम करे पाव अल्लाह के काम से बर नगएँ ।

## हिजागीयुन

حِجَازِيُون

नबी करीम सल्ल० की छुरान्द्री हासिल करने के लिए इस नाम को पढ़ा करे ।

## करीमुन

كَرِيْمُون

करोज़गाइ इस नाम को पढ़ा करे अल्लाह उसे तेजोना प्रदान करेगा ।

## गरीबुन

इस इस्ते अजम दो अगर पालन कुजे पर दम कर है तो यह फिर से किसि पर हमला नहीं करेगा।

## अलीमुन

इस वाक नाम के पढ़ने से इला में इजाफा होता है।

## अजीजुन

इस नाम को अगर अधिक पढ़े तो इलाका मतलब मिल जाय (इलाक़ातों के लिए क़स्मों व पढ़ें)

غریب

عزیز

عزیز

# कुरआनी इस्मे आजम की तौसीफ़

इसमें कोई शक़ नहीं कि कुरआन मदीन का एक एक शब्द इस्ते अजम है और कुरआन वाक़ है, कोई सूरा या आयत हिलावाज़ की जाय तो खुदा की रसूल मोज़िन होने है मगर कुछ ऐसी आयतों और सूराहों हैं जिन्हें खास तौर से मुग़ाद ख़ासिल करने के लिए पढ़ने है ताकि इस उन कुछ आयतों और सूराहों के बारे में बयान करते हैं क्योंकि इस छोटी सी किताब में पूरी तबदील की गुजारा नहीं।

Issuu

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

किसी भी ख़तरनाक बीमारी से नज़ाफ़्त पाने के लिए सूरा फ़ातिहा को पढ़कर अपनी पर दम करके रोगों को हिलाय। अतः यहाँ भी यही अजल करे सिफ़ा होगी।

## सूरा यक़ा

इस मक़ान सूरा की हिलावाज़ करने वाला यिन्, यक़ा, अल्लह, क़ादू, और दूसरी मुसलमानों से बचा रहता है। पढ़ने वाले पर शेरान का हमला नहीं होता।

## सूरा आले इमरान

क़स्मों परा करे तो क़ियामत के दिन पर मरान सूरा एक लफ़्ज़ान की सूरा में सूदन की ग़मी से बचाएगी। इस सूरा के पढ़ने से हिमगी ज़क़क़न ज़लन होगी है और मुक़द़ ख़ासिल होता है।

## सूरा क़हफ़

दीन व इमरान की मरान लीला करने के लिए येजान एक बार पढ़ें। इसी लीला के लिए पढ़कर अल्लाह से मदद मांगो। मतलब पूरा होगा।

## सूरा यासीन

इसमें बयान आइया हू हो जाती है। पढ़ने के बाद हुआ पागे तो कुछ होता है। अल्लाह वाक़ इस सूरा के पढ़ने करने के बारे में गुनाह माफ़ कर देता है। अगर मरने वाले के पास यही ज़ात तो अल्लाह उदा बन्द पर लफ़्ज़ान भीन आमान कर देगा है नज़ा इति पढ़ा जाय बहा पर यिन्, यक़ा, अल्लह या अन्य मक़ान बहो क़ा अल्ला मुसलमान नहीं है।

سورۃ فاتحہ

سورۃ یحییٰ

سورۃ آل عمران

سورۃ کہف

سورۃ یاسین

## सूरा फाह

इस सूरा के पढ़ने से पहले बाने पर दुपहन का पारा नक्राम होता है और पढ़ने वाला हर जगह कामयाब होगा है। अगर ४० बार पढ़कर किसी मुकद्दसे में जाए तो हक़ में फैला होगा और कोई जरूरत पैदा हो तो तीस बार पढ़कर हुआ माने अल्लाह शुकून फ़रमाएगा।

## सूरा रहमान

कोई भी दुनिया की जरूरत पैदा हो तो सूरा रहमान पढ़ कर अल्लाह से हुआ मांगती बाख़िश तो अल्लाह अपनी राखत कामला से पढ़ने वाले की जरूरत पूरी फ़रमाते है अगर गर्भवत पढ़े तो मातनार हो जाए ग़मी पढ़े तो अच्छा हो जाए कैदी पढ़े तो रिहाई पाए मुक़द़ाग़ा पढ़े तो तंबाब की तोक़ीक़ हो और पैसी पढ़े नो मारबूब मिल जाए।

## सूरा मुहम्मद

इस सूरा को पढ़ने वाला कुज़न हाथिल को अगर बीमार हो दम बरक़ो मिलला जाए तो सैरत पाए और इस बिबक़ कर गले में डाले तो दुपहन उपा पर फ़ाह नसित न कर सके। इस सूरा का पढ़ना हर तरह की परेशानियों से बचा कर रखता है।

## सूरा मुज़म्मिल

इस सूरा का पढ़ने वाला दुनूर सलाम का रीतर करता है जिन दुनिया की मुक़द़कों के लिए इस सूरा की तिलावत की जाती है हे हल हो जाती है। ग़मी को दम बरक़ो मिलता है तो अच्छा हो जाए। नमान नक़ाबिद के लिए इस सूरा की तिलावत करनी बाख़िश।

## सूरा वाकिआ

अगर इस सूरा को कोई फ़ाक़ा वाला पढ़े तो ग़ीब से रिफ़क़ ज़रता है ग़रीब पढ़े तो मातदार हो जाए रोगी पढ़े तो अच्छा हो। इस सूरा को हर बरान के बाद पढ़ना बाख़िश।

## सूरा नूह

अगर कोई दुश्मन बहुत तंग कर रहा हो और उससे बचने की कोई और सुला न हो तो सूर नूह तिलावत करने अल्लाह से हुआ मांगे, दुश्मन बर्ह हो जाएगा।

## सूरा जिन

इस सूरा की तिलावत करने से, बिल्ला करने से जिन, डैद, परा, मूद बरा में हो जाती है पूरी जानकारी के लिए हमारी किताब अमलियात ससकीर जिननात का मुताला करे या फिर किसी आशिक वा कामाब से माग़ा करे। बिल्ला या अमन जिन किसी उत्तरा के कभी न करे।

## सूरा मुद़सिसर

ग़रीब अगरको इस सूरा को पढ़े तो अमीर हो जाए बीमार पढ़े तो शीक़ हो जाए अगर पढ़ने वाला किसी मुक़िब पर जाए तो कामयाब हो।

## सूरा अलम नगरह

अगर किसी के लीने में या अदुल्मी बीर पर कोई क़ायरी हो तो इस सूरा के पढ़ने से अच्छा हो जाए अगर कोई मान ख़रीद कर पढ़े तो सुपरा और बरक़न हो और बिनात क़ाने वाला पढ़े तो बहुत ज़्यादा नफ़ा हो।



तर्जुमा

[illegible]

दशदशरीकं

दलद शर्फ का हमेशा पहने वाला अल्लार की पनाह में रहता है मेरा अपना खुद का तजुर्बा है कि जब माँ कोई मुश्किल आयी तो दलद शर्फ का बिदे किया तो अल्लाह ने मुश्किल दूर कर दी ।

नवी पीली सल्लो ने पूराया है कि जो मुझ पर एक बार दस्त शरीर डालता है खुश हो जावे लीजिये उस पर दस्त डाल शरीर डालते हैं और उनको दस्त हुआई को अल्लाह दिया होता है और उनको कि जो आसानी मुझ पर ज्यादा दस्त डालता है वह किफायत है कि मेरे दस्तों कीजिये होता है जो नम मी पीका जिने हो। दस्त शरीर परा करती है कि नवी कति सल्लो को बुझाई लीजिये हो। दस्त शरीर परा करती है। दस्त हो कि हर मनाने में परी है।

१८७

तुम्हा

ऐ अल्लाह दलद मेन मुहम्मद पर और उनकी आलाह पर जैसा कि दलद मेनी नुहो इबाहिम की आलाह पर । बैसक नू जुनुगु है । ऐ अल्लाह बरकत मेन मुहम्मद पर और उनकी आलाह पर जैसे कि नुहो बरकत मेनी इबाहिम पर और उनकी आलाह पर ।

# हमारे कलिमे बड़ी अजुमत वाले

सा इत्याहा इत्यन्त्याह वरहङ्गु सा प्राक्का तद्गु लद्गु व  
लद्गुलद्गु गुरगि व पुर्नाग वरुहा हङ्गुला गङ्गु अ-ब-द-न अ-ब-दां  
गुल नन्ताहि वल इकागि विपदिहि व्पल० वगुवा अला कुल्लि गपदन  
कदी०



ए अल्ताह में तुम से पनाह मांगता है इस बात से कि मैं

ए अन्तार में तुम से पताह मागतो, इस बात से कि मैं साक्षी बान्धू जमा गया हिलो चीज को जानबूझ रहा हूँ और माफ़ी मागतो हूँ, मुझसे उम्र गिराये तो कि सितकों से भी जन्मा से रोना को उठते और मैं बेगान हुआ कुछ से और सिरक से और फट से और मंगल से और इलाक़ा से और गुलन कोरी से और नदी बानी से और मोरेपन से और सारे मंगलियों से और मैं इलाका लाया और कहता हूँ कि अन्तार के सिवा कोई माफ़ू नहीं और मुझ्वाह अन्तार को ये माफ़ू है ।

इत्थे आजंम शरीकं

[illegible]

कुरआनी इसमे आजम शरीफ़ यह है

عظمیٰ

الذي  
تريد  
والذي  
والذي  
والذي  
والذي  
والذي  
والذي

issurawonabadi 2 anisii/yeleisii 2

[illegible][illegible]

वे तरावीहें जिनके फ़ायदे इसमें  
आजम जैसे हैं

नामकित ब्रह्मदेव ने लिखा है कि कोई आत्मा नगमन के बाद ३३ बार पुनरावृत्तिमान ३३ बार अन्तर्निहित १४ बार अन्तर्गता अन्तर्भाव और एक क्षीपना नीरवधि एवम् करे तो अन्तर्भाव करने के साते गुणत्रय बाह्य भावे से योगितान के दर्शने के बावज़ ही न हो। कुलुपान नात्र प्यारे नवी सत्यम् एव एते किन्तु नो अन्तः प्यो न हो। किन्तु आत्मा तुरकीही बाह्यो। मण्डिकते के लिए आग अग्न हरा इत्येते फायद न उद्भवे तो इत्योरे बहन्तीवो के लिए और क्या



## विस्मिल्लाहिरहमानिरहीम के फायदे

जब कोई काम शुरू करो बिस्मिल्लाह पढ़ना करो। काम से बचकर और धुन की राफत प्राप्त होना। बिस्मिल्ला- हिररहमानिरहीम पढ़ने से दुनिया व अखिरात में कामयाबी हासिल होती है और सुख रहने से। अतिसय फायदा ये भी बिस्मिल्लाह से मिले की काले की तरफ है की है जमीन है कि इसकी बिजली बढ़ी अनजान है यापि इन जगहों की कि अल्लाह के कराम की मुक़द़्दाम इन्नी मुक़द़्दाम शब्दों से ही है तो बिजली बलवियत होगी इन जगहों से। इतरत अल्ल्लाह बिना मसहूर सौदा फायदा है कि जो कोई बिस्मिल्लाह का बिंदू बरौण मरनुम के मुक़िद़्दामों से तो अनजान से या मुक़द़्दाम है नज्दत बिजली और इस तरह कि एक बार के पढ़ने से एक मुक़िद़्दाम से। बिस्मिल्लाह से पढ़ने की बरकत से सारे मसल हल होले सारे मुक़िद़्दाम पूरे होले।

## जनत की कुन्नी क्या है

इतर मसल० का जवाब है कि —

جننت کی کوننی کیا ہے

या इतरता क्या कुन्ना इतरा बिस्मा अतिरिक्त अतिरिक्त एसा करो यह जनत की कुन्नी है इन्नीमा पढ़ना चाहिए दुआम नक़्दाम हो और शौनम पूरा भागता है। इतर अतिरिक्त और दुनिया की बानाओ से बचो।

नेक़्दामों का पल्ला भारी करने वाला अजान

सही दुआगी सौनम में है इतरता अतः दुआम शिं० से शिवात है कि दुआम सल्ल० का इतरा है कि दो बाने से है कि बिन्ने नुजाय से अतरा बाना बाना अतः है मर० अपन की तरात में उतरा जनत बाना भारी है ये कसिने से है —

मुक़द़्दामाहिर बरहमपदिरि० मुक़द़्दामाहिर अतीम०

issuu.com/abdcil123/puili/odisha

## दुआए नजोन-ए-इसरारे इलाही

१५६

शियातन है कि एक दिन दुआम सल्ल० मसिने नजोन से केले हुए थे और शौनम भी वहीं बाना दुआम पा नज नती सल्ल० की शियात उत पा पड़ी तो आने दुआमपा-ए नज बाना यला कसे बाना है? शौनम में मुक़द़्दाम नज्दत शिया कि नज्दत में नज बाना नती है बलिक नेक बाना है कसिने अल्लाह मसले पढ़ने मुझे जनत में दाखिल करेगा। दुआम ने इतरा है एसा वयो तैरे पारा केहे ऐला अजान है जो नेरा दाखिला मसले पढ़ने जनत में होना नज शौनम में नज्दत शिया कि मुझे दुआम नज्दत शियात इतरा इतरा नज्दत और यह अल्लाह का बाना है कि जितने यह दुआम पाह होगी वह नज्दत का नक़्दाम होगा। यह मुनकर आता हैतन में यह पाह। इसी फल इतरत शियातन अजोन आता और उतरो केहा कि यह सल्ल० बरहता है यह दुआम की बरकत से बरहता की उम्रता यक़्दाम है मारा बुदा अपने दुआम से शियातन से पढ़ने इतरा के यह दुआम-ए-अतीम पा मुन० देगा। फिर शियातन अतीम ने काना-—ए-अल्लाह के गल्ले सल्ल० यह दुआम आपकी बरकत है आता रही आपकी उम्रता नक़्दाम देगाकि पढ़ने वाले नज्दाम की आता से नज्दत पाह।

## दुआ यह है

बिस्मिल्लाहिरहमानिरहीम

या इतरत ब शर व अनजोन बुरा व या सल्ल०-फ-ही व या मसहूरत अ-तरा व या अतीम अनजोन व मसिने वरम दरीम० शिरिफि व इत्या का नाअनुद वदया का नज्दत शियातन की या अतरागीरीन





# درود تاج

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

کرم کا نام اللہ کے نام سے جو مہربان نہایت رحم والا ہے

اللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا

اے مہربان رحمت دانال فرما ہمارے سرور اور مالک کو

مُحَمَّدًا صَاحِبَ الْكَاتِبَةِ وَالْبُعْدَاةِ

محمدؐ علیہ وسلم پر صاحب کتابی اور صاحب

وَالْبَرَقِ وَالْعَلَوِ دَافِعَ الْبَلَاءِ وَ

اور برقی اور لمٹنے اور دکھ سے اور

الرَّيَاءِ وَالْقَحْطِ وَالْمَرَضِ وَالْأَكْثَرِ

اور ریا کی اور کمزوری اور کمزوری اور

إِسْمُهُ مَكْتُوبٌ مُرْتَبُوعٌ مَشْهُورٌ

وہ نام لکھا ہوا ہے پڑھا ہوا اور

وَلَمْ يَلِدْ وَلَمْ يُولَدْ

وہ نہ پیدا ہوا اور نہ پیدا ہوا

مَنْعُهُ بَدْوً فِي الْمَاءِ وَالْمَاءِ وَالْمَاءِ وَالْمَاءِ

انہوں نے نہ بدو کیا نہ پانی اور نہ پانی اور نہ پانی

الْعَرَبِ وَالْعَجَبِ وَجَسَدُهُ مَقْدَسٌ

عربوں کا اور عجب کا اور جس کا بدن مقدس

مُعَقَّلٌ مَطْلُوعٌ مُنَوَّرٌ فِي الْبَيْتِ وَ

محفوظ اور پختہ اور روشن گھر میں اور

الْحَرَمِ شَمْسُ الضُّحَى بَدْرُ الدُّجَى

حرم میں صبح کی سورج اور رات کی چاند

صَدْرُ الْعِلِّ نُورُ الْهَدَى كَلْفٌ

دل کی روشنی نور ہدایت کی اور

الْوَرَى وَصَبَّاحِ الظَّالِمِ وَجَبِيلِ

اور پناہ اور صبح کی اور پناہ کی

النَّبِيِّ وَشَفِيعِ الْأَمْرِ صَاحِبِ الْجُودِ

نبیؐ کی اور شفیق امر کے اور صاحبِ بخشش

وَالْكَرَمِ وَاللَّهُ عَاصِمُهُ وَجَبْرِائِلُ

اور کرم اور اللہ کا محافظ اور جبرائیل

خَادِمُهُ وَالْبَرَارُكَ مَرْكَبُهُ وَالْمُعَوَّجُ  
 سَقْفُهُ وَسِدْرُهُ الْمُتَنَهِّلُ مَقَامُهُ  
 وَقَابُ قَوْسَيْنِ مَطْلُوبُهُ وَالْمُخَالِفُ  
 مَقْصُودُهُ وَالْمَقْصُودُ مَوْجُودُهُ سَيِّدُ  
 الْوَسْلَانِ خَاتَمُ النَّبِيِّينَ شَفِيعُ  
 الْمَرْبُوبِينَ أَيْبَسُ الْغُرَبَاءِ رَحْمَةُ  
 الْعَالَمِينَ رَا حَاتَّةُ الْعَاشِقِينَ مَرَادُ  
 الْمُسْتَغْنَيْنِ شَمْسُ الْكَافِرِينَ سَكَّاجُ  
 الْمُسْتَقْبَلِينَ

السَّامِكِيُّ الْبَاقِي الْغَالِي الْغَالِي الْغَالِي  
 مَوْجِبُ الْفُقَرَاءِ وَالْغُرَبَاءِ وَالْمَسْكِينِ  
 سَيِّدُ الثَّقَلَيْنِ بَنِي الْعَرَمِينَ أَمَامُ  
 الْفُتَلَيْنِ وَسَيِّدُنَا فِي الدَّارَيْنِ  
 صَاحِبُ قَابِ قَوْسَيْنِ مَجْبُورِي رُبِّ  
 الْمُسْتَرْقِينَ رَبِّ الْعَرَبِينَ جَدُّ الْعَرَبِ  
 وَالْحَسَنِ مَوْلَانَا وَمَوْلَى الثَّقَلَيْنِ آلِي  
 الْاَقْبَا سَيِّدُ مَحَبَّةِ بَنِي حَبِيبِ اللَّهِ نَوَّارُ  
 الْاَقْبَا











# سونا रखنے کی دُعا | روزہ رکھنے کی دُعا

issuu.com/abdul23/naif/odisha

وَيْهْدُ مَرْغَمًا لِّوَجْهِكَ لِيُفِيكَ رَغْمًا

’یا اللہ! مجھے تیرے لیے لڑنے کی قوت عطا فرما۔‘

روزہ رکھنے کی دُعا

اَللّٰهُمَّ اِنِّیْ اَتُكِّرُكَ وَیُكِّرُكَ لَمَنْ

عَلَّیْكَ تَوَكَّلْتُ وَطَلَّیْكَ اَظْهَرْتُ۔‘

’اے اللہ! میں تجھ کو اور تجھ کو جس کے لیے میں تجھ کو اور تجھ کو۔‘

’اے اللہ! میں تجھ کو اور تجھ کو جس کے لیے میں تجھ کو اور تجھ کو۔‘